राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 मैं इस आयोजन को लेकर बेहद खुश हूं: चोपड़ा

वश्व चैंपियन डी. गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता 11

वर्ष : 13 | अंक : 86 | पटना, रविवार, 06 जुलाई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

पीएम मोदी का अर्जेंटीना में भव्य स्वागत, बोले– सांस्कृतिक संबंधों के लिए दूरी कोई बाधा नहीं

प्रात : किरण

ब्यूनस आयर्स\एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सांस्कृतिक संबंधों के लिए दूरी कोई बाधा नहीं है। यह बात उन्होंने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे और पारंपरिक स्वागत के बाद कही। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, सांस्कृतिक जुड़ाव के मामले में दूरी कोई बाधा नहीं है ! ब्यूनस आयर्स में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए शानदार स्वागत से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह देखना वाकई बहुत अच्छा है कि कैसे घर से हजारों किलोमीटर दूर, भारत की भावना हमारे भारतीय समुदाय के माध्यम से चमकती है। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स स्थित अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से मोदी-मोदी, जय हिंद और भारत माता की जय के नारों के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इस दौरान पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया गया, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की छाप दिखी। वहां मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी से ऑटोग्राफ भी लिया। बता दें कि पीएम मोदी की यह अर्जेंटीना यात्रा 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को दशार्ती है। पीएम मोदी राष्ट्रपति जेवियर माइली के निमंत्रण पर अर्जेंटीना पहुंचे हैं।

त्रिनिदाद-टोबैगो के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर

पोर्ट ऑफ स्पेन/नई दिल्ली। भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो ने जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और साइबर सुरक्षा क्षेत्र की समसामयिक चुनौतियों से मिलकर निपटने के लिए सहयोग बढाने तथा भारत-कैरिकॉम साझेदारी को अधिक मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की है। त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार देर रात प्रधानमंत्री कमला

प्रसाद-बिसेसर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह बात कही। उनकी वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच फार्मा, ऊर्जा, संस्कृति और खेल आदि क्षेत्रों में सहयोग बढाने के छह समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पनहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के लोगों को त्रिनिदाद एवं टोबैगो द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन एवं एकजुटता की सराहना की। बाद में एक बयान में कहा गया कि दोनों पक्ष ग्लोबल साउथ के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने और भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमत हुए। वार्ता के बाद फामार्कोपिया, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं, संस्कृति, खेल, राजनयिक प्रशिक्षण और हिंदी एवं भारतीय अध्ययन के लिए आईसीसीआर चेयर के क्षेत्रों में छह समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। त्रिनिदाद एवं टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई कार्ड की पेशकश सहित द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स, डिजिटल परिवर्तन, यूपीआई, क्षमता निर्माण, संस्कृति, खेल और लोगों के बीच संबंधों सहित संभावित सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की।

संक्षिप्त खबरें

हिंदी अच्छी भाषा है, लेकिन इसे थोपा नहीं जा सकता : राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र में जारी भाषा विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली को संबोधित किया। इस अवसर पर राज ठाकरे ने कहा, मैंने कहा था कि झगड़े से बड़ा महाराष्ट्र है। हम 20 साल बाद एक मंच पर आए हैं। हमारे लिए कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र और मराठी हमारे लिए एजेंडा है। राज ठाकरे ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम शांत हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी से डरते हैं। मुंबई को महाराष्ट्र से कोई भी अलग नहीं कर सकता। हिंदी अच्छी भाषा है, लेकिन इसे थोपा नहीं जा सकता है। हिंदी बोलने वाले महाराष्ट्र में रोजगार के लिए आते हैं। मनसे अध्यक्ष ने कहा,एक मंत्री मुझसे मिले और अपनी बात सुनाने को कहा। मैंने साफ कहा कि मैं सुनूंगा पर मानूंगा नहीं। मैंने उनसे सवाल किया कि उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में तीसरी भाषा क्या होगी। ये सभी हिंदी भाषी राज्य हमसे पीछे हैं, हम उनसे आगे हैं, फिर हमें जबरन हिंदी क्यों सीखनी पड़े ? तो यह अन्याय है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि तीन भाषा का फॉमूला कहां से आया ? ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सब कुछ अंग्रेजी में है, किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों ? जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है। मराठा शासन हिंदी भाषा से भी पुराना है। मेरे पिता और बाला साहेब ने भी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई की थी।

मुख्यमंत्री ने की विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक, अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दिए निर्देश

अपराध करने वाला कोई भी हो, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाय : नीतीश

बोलें-अपराध के कारणों की पूरी तहकीकात कर दोषी की पहचान करें

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 01 अणे मार्ग स्थित संकल्प में पुलिस महानिदेशक एवं अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें। लापरवाही बरतनेवाले पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में मुख्यमंत्री को पुलिस महानिदेशक ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने उद्योगपति गोपाल खेमका की हुई हत्या के संबंध में पुलिस महानिदेशक से विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि अपराध के कारणों की पूरी तहकीकात कर दोषी की पहचान करें और बिना किसी भेदभाव के उन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि आपराधिक घटना के पीछे किसी प्रकार की साजिश है तो उसकी भी जांच की जाय और जांचोपरांत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। समीक्षा

के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध करनेवाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाय। उन्होंने कहा कि घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाये और इसे ससमय पूर्ण करें ताकि दोषियों पर त्वरित कार्रवाई हो सके। कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पुलिस और प्रशासन पूरी मुश्तैदी से कार्य करें।

अपराधियों को पाताल से खींचकर निकाला जाएगा : डिप्टी सीएम

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गोपाल खेमका की पटना में हुई हत्या के बाद शनिवार को कहा कि जो भी इस जघन्य कृत्य में शामिल हैं ,चाहे वो धरती के किसी कोने में छिपे हों या पाताल में खींचकर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा गोपाल खेमका के शोक संतप्त परिजनों से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। सिन्हा ने कहा कि यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने की कोशिश है। जो भी इस जघन्य कृत्य में शामिल हैं ,चाहे वो धरती के किसी कोने में छिपे हों या पाताल में झ खींचकर निकाला जाएगा। अब सिर्फ.गिरफ़्तारी नहीं, अब हिसाब होगा। जरूरत पड़ी तो एनकाउंटर भी होगा, और अगर अपराधियों के घर पर बुलडोजर चलाना पड़े तो प्रशासन पीछे नहीं हटेगा। बिहार पुलिस और प्रशासन को पूरी छूट दी गई है।अब कोई राजनीतिक या कानूनी ढाल नहीं, केवल कठोरतम कार्रवाई होगी।

मुख्य निर्देश :

- अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें
- लापरवाही बरतनेवालों पर होगी कड़ी कार्रवाई
- घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाय
- कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पूरी मुश्तैदी से कार्य करें

गोपाल खेमका हत्याकांड : जांच के लिए एसआईटी गठित

प्रात : किरण

पटना। बिहार की राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इसके लिए एक विशेष जांच टीम बनाई गई है, जो जल्द ही अपराधियों को पकड़ने का दावा कर रही है। इस घटना से व्यवसायी समुदाय में गुस्सा है, कई लोग गोपाल खेमका के घर पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही, इस घटना पर राजनीतिक चर्चा भी शुरू हो गई है। गोपाल खेमका के भाई शंकर खेमका ने बताया कि हमें नहीं लगता कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी थी। वह हर रोज सुबह 10 बजे ऑफिस जाते थे। वारदात की जानकारी मिलने के बाद भी पुलिस निष्क्रिय रही, यह समझ से परे है। रात करीब डेढ़ बजे गांधी मैदान थाना की पुलिस पहुंची और करीब 2 बजे टाउन डीएसपी, फिर ढाई बजे पटना सिटी एसपी आईं। हमने खुद पुलिस को बताया कि कहां गोली चली है, कहां खोखा गिरा है। इसके बाद वे लोग ईंट से घेराबंदी करने लगे। ऐसा लग रहा था मानो वे तमाशा देखने आए हों।

घटनास्थल पर मौजूद बिल्डिंग के गार्ड राम पारस ने बताया कि रात करीब साढ़े 11 बजे गोपाल खेमका ने बिल्डिंग का गेट खोलने के लिए गाड़ी का हॉर्न बजाया। वह जैसे ही गेट खोलने पहुंचे, तभी गोलियों की आवाज सुनाई दी। गेट खोलने के

बाद देखा कि खेमका की मौत हो चुकी थी। हम कुछ समझ पाते इससे पहले ही सब कुछ हो गया। कोई दिखाई नहीं दिया। फिलहाल एफएसएल की टीम मौके से सबूत इकट्ठा कर रही है। घटनास्थल से दो खाली कारतूस बरामद किए गए हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। टाउन डीएसपी-2 प्रकाश ने बताया कि मामले की जांच जारी है। सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया जा रहा है और जो भी साक्ष्य मिल सकते हैं, उन्हें इकट्ठा किया जा रहा है। बिहार पुलिस ने सोशल मीडया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, गांधीमैदान थानांतर्गत एक बिजनेसमैन के गोली लाने से मृत्यु हो जाने संबंधी सूचना प्राप्त हुई है। सूचना पर तत्काल पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा है। घटनास्थल से कुछ खोखा बरामद किया गया है।

बता दें, शुक्रवार रात पटना के पॉश गांधी मैदान थाना क्षेत्र में ट्विन टावर सोसाइटी के पास पनाश होटल के निकट भाजपा नेता और व्यवसायी गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रात 11:40 बजे खेमका अपनी गाड़ी से उतरे तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोली चलाई और फरार हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मौत की पुष्टि की।

सीसीटीवी फुटेज आया सामने

वहीं जैसे ही गोपाल खेमका गाड़ी को बाहर खड़ा करते हैं और हर्न बजाकर दरवाजा खोलवाते हैं तभी शूटर आया और उनके सिर में गोली मार दी। घटना के बाद आसानी से बाइक शुरू कर घटनास्थल से फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आनन फानन में परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और गोपाल खेमका को लेकर अस्पताल पहुंचे।

घटिया हेलमेट बेचने वालों पर कार्रवाई करें राज्य: केंद्र

प्रात : किरण

नई दिल्ली\एजेंसी। केंद्र ने राज्यों से दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए घटिया हेलमेट बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया, उपभोक्ता मामलों के विभाग और भारतीय मानक ब्यूरो देशभर के उपभोक्ताओं से केवल बीआईएस प्रमाणित हेलमेट का उपयोग करने की अपील करते हैं। विभाग ने बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना हेलमेट के निर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी आह्वान किया। विभाग ने कहा, भारतीय सड़कों पर 21 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन हैं, इसलिए सवार की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है। विभाग ने बताया कि घटिया हेलमेट की बिक्री सुरक्षा से समझौता करती है। इससे पहले, उपभोक्ता मामलों के विभाग ने जिला कलेक्टरों और जिला मजिस्ट्रेटों को एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने और दोपहिया सवारों के लिए गैर-अनुपालन वाले हेलमेट बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए लिखा था। आईएसआई चिह्नित हेलमेट अनिवार्य वर्ष 2021 से एक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू है, जिसके तहत सभी दोपहिया वाहन चालकों के लिए बीआईएस मानकों के तहत प्रमाणित आईएसआई चिह्नित हेलमेट अनिवार्य है। जून 2025 तक, पूरे भारत में 176 विनिमार्ता हैं, जिनके पास सुरक्षात्मक हेलमेट के लिए वैध बीआईएस लाइसेंस हैं। बयान में कहा गया, विभाग ने पाया है कि सड़क किनारे बेचे जाने वाले कई हेलमेट में अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन नहीं होता है। इससे उपभोक्ताओं को काफी जोखिम होता है और सड़क दुर्घटनाओं में कई लोगों की मौत हो जाती है।

बिहार में मतदाता पुनरीक्षण का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, एडीआर ने दी चुनौती

प्रात : किरण

नई दिल्ली\एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। यह याचिका एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानि एडीआर ने दाखिल की है। याचिका में चुनाव आयोग के इस आदेश को मनमाना बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से दखल देने की मांग की गई है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा है कि अगर 24 जून का एसआईआर आदेश रद्द नहीं किया गया तो लाखों मतदाता अपने प्रतिनिधियों को चुनने से वंचित रह सकते हैं। याचिका में आगे कहा गया है, एसआईआर लोगों के समानता और जीने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। साथ ही ये जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के प्रावधानों खिलाफ है। इसलिए इस आदेश को निरस्त किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अनुमान लगाया है कि 3 करोड़ से अधिक मतदाता, विशेष रूप से एससी, एसटी और प्रवासी श्रमिकों जैसे हाशिए के समूहों से, एसआईआर आदेश में निर्धारित सख्त आवश्यकताओं के कारण अपने वोट देने के अधिकार से वंचित रह सकते हैं। बता दें, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने विशेष प्रक्रिया शुरू की है, जिसे संक्षेप में एसआईआर कहा जा रहा है। दरअसल, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए किसी भी चुनाव से पहले मतदाता सूची को अपडेट किया जाता है जो एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन चुनाव आयोग ने इस बार 1 जुलाई से मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा शुरू कर दी है। इसे लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रह है। चुनाव आयोग ने दलील दी थी कि बिहार में मतदाता सूची की गंभीर समीक्षा की ऐसी आखिरी प्रक्रिया साल 2003 में हुई थी।

राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में 13वीं बार लालू प्रसाद की ताजपोशी

प्रात : किरण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के संस्थापक लालू प्रसाद यादव को एक बार फिर शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी हुई। वे लगातार 13वीं बार इस पद पर निर्विरोध चुने गए हैं और अब 2028 तक अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पहले दिन की बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव में सभी फैसले लेने के लिए लालू और तेजस्वीय यादव के अधिकृत किया गया था। इसकी औपचारिक घोषणा शनिवार को पटना के बाबू सभागार में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. रामचंद्र पूर्वे ने की। राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद लालू यादव ने राबड़ी देवी के साथ मंच से कार्यकताओं और नेताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। लालू यादव ने 23 जून को पटना स्थित पार्टी कार्यालय में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। उनके खिलाफ किसी भी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया, जिसके चलते डॉ. पूर्वे ने उन्हें निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की। इस अवसर पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और लालू यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव, पार्टी के वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक और प्रदेशभर से आए कार्यकर्ता मौजूद रहे। निर्वाचन के बाद पार्टी नेताओं से राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने कहा कि आपने हम पर विश्वास किया, उस पर खरा उतरेंगे। आप निश्चिंत रहिए। आप सबों में ही किसी को टिकट मिलेगा। संगठन के स्तर पर अभी सर्वेक्षण हो रहा है। इसलिए क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाइए, क्योंकि काम के आधार पर ही टिकट का वितरण होगा। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी एक बार फिर दोहराया कि गणेश-परिक्रमा से नहीं, बल्कि क्षेत्र-परिक्रमा करने वालों को ही विधानसभा चुनाव में टिकट मिलेगा। बापू सभागार में हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक सह खुला अधिवेशन में राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी रामचंद्र पूर्वे और राष्ट्रीय सह निर्वाचन पदाधिकारी चित्तरंजन गगन ने लालू को निर्वाचन का प्रमाण-पत्र सौंपा। इस मौके पर पार्टी के सभी नेताओं ने एकजुट होकर चुनावी मैदान में जाने और गठबंधन की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

लोकतंत्र पर भारत का अटूट भरोसा : देश की जनता लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में रखती है विश्वास..........

लोकतांत्रिक प्रणाली में संतुष्टि के मामले में भारतीय दूसरे स्थान पर

प्रात : किरण

नई दिल्ली\एजेंसी। भारतीय लोगों का अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली के मामले में भरोसा लगातार बढ़ रहा है। भारत ने हाल ही में अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी उल्लेखनीय प्रगति की है, जो भारतीय नागरिकों की अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बढ़ते विश्वास के अनुरूप है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय लोग दुनिया में अपने लोकतंत्र से संतुष्टि के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, भारत अपने लोकतंत्र से संतुष्टि के मामले में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है, जो स्वीडन (75 प्रतिशत) के ठीक पीछे 74 प्रतिशत के साथ खड़ा है। यह उपलब्धि 23 देशों के सर्वेक्षण में हासिल की गई है, जहां औसतन 58

प्रतिशत लोग अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह आंकड़ा भारत की प्रगति और जनता के विश्वास को दशार्ता है जो देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। इस सर्वे के अनुसार 15 देशों में आधे से अधिक लोग अपने देश की लोकतांत्रिक प्रणाली से संतुष्ट नहीं हैं। 2017 से लगातार किए जा रहे प्यू रिसर्च के सर्वेक्षणों में यह स्पष्ट हुआ है कि उच्च आय वाले देशों जैसे कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, जापान, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में लोकतंत्र के प्रति असंतोष 64 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि संतुष्टि महज 35 प्रतिशत है। इसके विपरीत, भारत में 74 प्रतिशत लोग अपने लोकतंत्र के कामकाज से खुश हैं, जो यह दशार्ता है कि देश की जनता अपनी सरकार और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास रखती है। यह विश्वास आर्थिक प्रगति और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा है, क्योंकि सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां अर्थव्यवस्था मजबूत है, वहां लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि भी अधिक है। भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। कई चीजें इस बात को प्रभावित कर सकती हैं कि लोग अपने लोकतंत्र के काम करने के तरीके से कितने संतुष्ट हैं, लेकिन आर्थिक धारणाएं एक महत्वपूर्ण कारक हैं। जिन देशों में जनता का एक बड़ा हिस्सा कहता है कि अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है, वहां आम तौर पर ऐसे लोग भी होते हैं जो अपने लोकतंत्र से संतुष्ट होते हैं। सर्वेक्षण में यह भी उभरकर सामने आया है कि कोविड-19 महामारी के बाद कई देशों में लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि में गिरावट आई है, लेकिन भारत में यह स्तर बरकरार रहा। 2017 में जहां दुनिया के बड़े देशों में 49 प्रतिशत लोग अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली से संतुष्ट थे, वहीं आज 74 प्रतिशत का आंकड़ा भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली में सुधार और जनता की भागीदारी को दशार्ता है। यह संतुष्टि देश के युवाओं, जो आबादी का बड़ा हिस्सा हैं, और आर्थिक विकास में उनकी भूमिका से भी प्रेरित है।

समग्र सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम है जातिगत जनगणना : विजय

सबका साथ सबका विकास का ही अगला सोपान जातिगत जनगणना : उपमुख्यमंत्रि

- पीएम और सीएम समेकित सामाजिक न्याय के पक्षधर : विजय कुमार सिन्हा
- हमारे संगठन और गठबंधन ने हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति को वरीयता दी : विजय कुमार सिन्हा
- जातिगत विभाजन की आग में रोटी सेंकने में जुटा विपक्ष : विजय कुमार सिन्हा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । बिहार भाजपा के डइउ मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित जातिगत जनगणना को समग्र सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम बताया । देश के आदरणीय प्रधानमंत्री और बिहार के माननीय मुख्यमंत्री दोनों ही समाज को तोड़ने के बजाय जोड़ने वाले सामाजिक न्याय के पक्षधर हैं ।

उन्होंने कहा कि हमारे संगठन और गठबंधन दोनों की नींव में सबका साथ सबका विकास का भाव छुपा है । एक तरफ हमारे आदि संगठनकर्ता दीनदयाल जी ने इसी भाव को ह्यएकात्म मानववादह्न के रूप में व्यक्त किया था । वहीं दूसरी तरफ अटल जी की ठऊअ सरकार में भी इसी सोच के साथ ह्यअंत्योदयह्न का समेकित प्रयास किया गया था ।

श्री सिन्हा ने आगे कहा कि 2023 में बिहार में जो जाति आधारित सर्वे हुआ था, उसका खाका ठऊअ सरकार ने ही तय किया था । जब सर्वे विधानसभा में पारित हुआ तब भी भारतीय जनता पार्टी और ठऊअ ने विपक्ष में रहते हुए भी इसका पूर्ण समर्थन किया था । लेकिन जाति की आग में राजनीतिक रोटी सेंकने वाले राजद-कांग्रेस के लोग महज श्रेय लूटने के प्रयास में जुटे रहे । ये जब सत्ता में थे तब 2011 में हुई जनगणना में इन्होंने जातिगत सर्वेक्षण तक कराने से मना कर दिया था । कांग्रेस ने वर्षों तक मंडल आयोग की रिपोर्ट को दबाए रखा था । श्री सिन्हा ने कहा देश को आज जातिगत विभाजन को बढ़ावा देने वाले कोरे सामाजिक न्याय की जगह समग्र सामाजिक न्याय की जरूरत है । जिसमें हाशिये पर खड़े हर तबके को न्यायपूर्ण विकास का अवसर मिले । इसीलिए प्रधानमंत्री जी प्राथमिकता के आधार पर गरीब, युवा, महिला और किसान के विकास की बात करते हैं । बिहार में भी 6 हजार रुपये से कम आमदनी वाले 94 हजार परिवारों तथा 10 हजार रुपये से कम आमदनी वाली 63 फीसदी आबादी का समेकित विकास हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए । इसके लिए आपसी भेदभाव को भूलकर सभी राजनीतिक पार्टियों को प्रयास करना होगा ।

शेरघाटी का सपना: विकास, सम्मान, अपनेपन और भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम की ओर

- टूटी सड़कों से लेकर उजड़ी उम्मीदों तक, हर आंसू को मुस्कान में बदलने एवं भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने का संकल्प
- विश्वास की मशाल लेकर आगे बढ़ते कदम
- पलायन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का संकल्प
- सीताराम यादव से नई सुबह की उम्मीद

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी: शेरों की धरतीङ्क शेरघाटी। इतिहास में जिसने कई योद्धाओं को जन्म दिया, आज वही धरती चुपचाप आंसू बहा रही है। गांवों की टूटी गलियां, बारिश में बहते रास्ते, स्कूल न जा पाने की मजबूरी, और अस्पताल में इलाज के अभाव में दम तोड़ती सांसेंङ्क यह सिर्फ दर्द की कहानी नहीं, यह हक की लड़ाई है।आज शेरघाटी की जरूरत है एक ऐसे नेतृत्व की, जो न केवल इन दर्दों को समझे बल्कि हर आंसू पोछने एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होने का साहस भी रखे। एक ऐसा नेता, जो वादा नहीं, विश्वास करे। जो शेरघाटी की इज्जत को संजोए और भविष्य को रोशन करने का हौसला रखे।

शेरघाटी को जिला का दर्जा दिलाने की मुहिम

शेरघाटी विधानसभा से इसी प्रगतिशील सोच के साथ सीताराम यादव एक सशक्त प्रत्याशी के रूप में उभरे है। जमीनी स्तर पर 25 सालों से अधिक का कार्य, लोगों से भावनात्मक जुड़ाव एवं विकट परिस्थितियों में आम लोगों की सेवा और आवाज बनने की आतुरता उन्हें अन्य प्रत्याशियों से अलग करता है।

सीताराम यादव एक सुनहरे भविष्य की तरफ इशारा करते हुए कहते हैं कि बरसों से शेरघाटी के लोग जिला बनने का सपना देख रहे हैं। हर चुनाव में वादे हुए, कागजों पर नक्शे बने, घोषणाओं में बड़े-बड़े शब्द बोले गएङ्क लेकिन असल में गांव आज भी सड़क, पुल और बिजली के लिए तरस रहा है। जहां बच्चे स्कूल जाने के लिए नदी पार करने को मजबूर हैं, वहां शिक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाती है। इन बच्चों की मासूम आंखों में चमक है, पर रास्ता नहीं। इस व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार ने विकास की गति को रोक दिया। बिना ईमानदारी के कोई भी योजना धरातल पर नहीं उतर सकती। सीताराम यादव का संकल्प है कि हर स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देना। जिस शेरघाटी का नाम इतिहास में सूरज की तरह चमकता था, आज वहां इलाज के लिए लोग 30 किलोमीटर दूर गया भागते हैं। हर मिनट कीमती होता है, पर इलाज की यह जंग कई जिंदगियां निगल चुकी है। यहां एक ट्रॉमा सेंटर, ब्लड बैंक और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी न जाने कितनी माताओं ने अपने बेटे खोए, न जाने कितनी बहनों ने अपने भाई। यह केवल स्वास्थ्य का सवाल नहीं, बल्कि इंसानियत का भी सवाल है।

युवाओं की पुकार : रोजगार और शिक्षा का मजबूत आधार

सीताराम यादव कहते हैं कि युवाओं की आंखों में सपने पलायन कर जाते हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान की फैक्ट्रियों में मजदूरी करते हाथ, शेरघाटी की जमीन को छोड़कर रोजी-रोटी की तलाश में भटकते हैं। वे मजबूर नहीं, बल्कि हालात के शिकार हैं। काश! अपने ही गांव में रोजगार मिलता, तो हर त्यौहार, हर खुशियां, अपने ही घर में मनतीं। शेरघाटी की बेटियां जो पढ़ना चाहती हैं, ऊंचा उड़ना चाहती हैं, उन्हें शहर जाना पड़ता है। मास्टर डिग्री की चाह, गांव की दहलीज पर ही दम तोड़ देती है। पर क्या यह सच्चाई बदल नहीं सकती? क्या यह सपने पूरे नहीं हो सकते? सीताराम यादव कहते हैं कि उनका सपना किसी कागजी वादे में कैद नहीं है। उनका विजन है कि हर गांव में पुल, हर बच्चे के लिए स्कूल तक पक्की राह, हर बीमार को समय पर इलाज, हर युवा को यहीं रोजगार। शेरघाटी को जिला बनाना केवल प्रशासनिक फैसला नहीं, यह यहां की आत्मा की पुकार है।

सीताराम यादव एक प्रतिबद्धता के साथ कहते हैं कि शेरों की घाटी, अब रुकने वाली नहीं। इस बार नारा नहीं, संकल्प चाहिए। लड़ाई वादों की नहीं, बदलाव की है। उनका कहना है कि उनके हाथों में सिर्फ झंडा नहीं, बल्कि उम्मीद की मशाल है।

एनडीए सरकार में गलत करने वाला बच ही नही सकता है : लोकमंच

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव रक्तवीर कुणाल सिकंद ने कहा कि पटना के प्रतिष्ठित उद्योगपति गोपाल खेमिका की हत्या दुःखद है। पटना जैसे शहर में खास कर गांधी मैदान जैसे पाउस इलाके में जहाँ ड्राविंग लाइसेंस, पॉलसन, इन्सुरेंस, हैलमेट के बिना चल पाना सम्भव नही है। वहाँ अपराधी पिस्टल ले कर आते है और उनके हत्याकांड को अंजाम दे कर निकल जाते है ये प्रशान के लापरवाही को साफ दर्शाता है। एनडीए सरकार ने बिहार पुलिस को हर वो सुविधाओं से सुसज्जित किया है जो उनको चाहिए लेकिन प्रशासन का रवैया जनता प्रति बिल्कुल ठीक नही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 74 साल की उम्र में दिन रात जनता के लिए संघर्ष कर रहें है लेकिन आज बिहार सरकार बिहार पुलिस के हरकत से बदनाम हो गई है। लोकमंच मुख्यमंत्री से निवेदन की है कि गोपाल खेमिका हत्याकांड में हस्ताक्षेप कर हत्यारो को जल्द से जल्द कठोर से कठोर सजा दीवाने के साथ बिहार पुलिस को खुद से मार्गदर्शन दे ताकि की जनता जान इन हत्यारो लुरो से बचाई जा सके। लोकमंच ईश्वर से प्रार्थना करती है कि गोपाल खेमिका की आत्मा को अपनी श्री चरणों मे स्थान दें और इस दुखद स्थिति में खेमिका परिवार को सम्भलने की शक्ति प्रदान करें।

स्व. रामविलास पासवान का मनाया जन्मदिन

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। शनिवार को लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिला पटना पूर्वी के फतुहा विधानसभा के महारानी चौक पर लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्म भूषण स्व. रामविलास पासवान की जयंती जिलाध्यक्ष रंजीत यादव के नेतृत्व में और नगर अध्यक्ष अनील चंद्रवंशी की अध्यक्षता में केक काट कर धूमधाम से मनाया गया।

कार्यकताओं ने स्व. रामविलास पासवान के बारे में अपने-अपने विचार रखें। सभी ने भारत सरकार से भारत रत्न देने का मांग किया। जयंती कार्यक्रम में पंचायती प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अध्यक्ष सौरभ सिंह, जिला उपाध्यक्ष नितीश कुमार, जिला प्रवक्ता अमरदीप पासवान, जिला सचिव बैजनाथ पासवान, युवा नगर अध्यक्ष ईतेन्द्र पासवान, महिला प्रखंड अध्यक्ष विमला देवी, पंचायत अध्यक्ष, सिकन्दर पासवान, गौरव कुमार, चंन्दन कुमार एवं अन्य शामिल हुए।

रेस्टोरेंट में अगलगी के बाद पुलिस और रेस्टोरेंट कमीर्यो के बीच हुई हाथापाई , चार कर्मियों को गिरफ्तार किया गया

दानापुर। नगर के अंतर्गत तीन दिन पहले सगुना खगौल रोड में एक रेस्टोरेंट में आग लगी की घटना के बाद पुलिस और रेस्टोरेंट कमीर्यों के बीच हुई हाथापाई मामले में चार कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से चार मोबाइल और पांच चाकू बरामद किया गया है। सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि उक्त घटना में कई पुलिस कर्मी जख्मी हो गये थे।दानापुर थाना में कांड सं 688/25 दर्ज किया गया।अनुसंधान के दौरान हमला करने वाले को पहचान कर चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया अन्य की गिरफतारी हेतु छापामारी की जा रही है।

क्रिकेट के विवाद में हुई हत्या में सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मसौढ़ी:थाना क्षेत्र के कोरियावा गढ़ गांव में बीते रात को बाइक सवार बदमाशों ने क्रिकेट के लेकर हुई विवाद में गांव के चौकीदार का पुत्र स्वर्गीय विष्णुदेव राम के 40वर्षीय पुत्र सतेंद्र कुमार उर्फ सतेंद्र चंद्रवंशी की गोलीमार हत्या कर बाइक सवार बदमाशों हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गया था। घटना के संबंध में पीड़ित के भतीजा सन्नी कुमार ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।जिसमें उन्होंने बताया कि शुक्रवार की रात्रि में गांव में नाइट क्रिकेट मैच चल रहा था।जिसमें कादिरगंज इमलिया व सोनकुकरा के टिम के बीच खेला जा रहा था।मैच के दूसरा इनिंग में सोनकुकरा के कप्तान प्रियांशु कुमार व अंपायर के बीच डिशीजन को लेकर झड़प हो गया था। उसके बाद प्रियांशु कुमार अपने मित्र रोहित कुमार हैदर अली शशि कुमार खेल मैदान से निकल कर चला गया और, थोड़ी देर बाद सभी लोग बाइक सवार होकर हथियार से लैस होकर आए और फायरिंग करने लगा।इसी बीच रोहित पटेल कमर से पिस्तौल निकालकर मेरे चाचा सतेंद्र कुमार को गोली मारकर हत्या कर दी। पीड़ित व्यक्ति के दिए गए आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

निपुण दिवस पर अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ का संदेश

निपुण दिवस के अवसर पर अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, डॉ. एस. सिद्धार्थ ने राज्य के बच्चों को भावपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों को पढ़ते, खेलते और मुस्कुराते देखना किसी त्यौहार से कम नहीं होता। उन्होंने कहा कि बच्चों के नन्हे कदम एक दिन देश की दिशा तय करेंगे, और आज उनके द्वारा उठाया गया बस्ता कल देश की ज़िम्मेदारियाँ उठाएगा।

डॉ. सिद्धार्थ ने बच्चों से आह्वान किया कि वे केवल किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि अपने आसपास की दुनिया को भी समझें। वैज्ञानिक सोच, तर्क, कल्पना और संवेदना से सीखें। उन्होंने कहा कि एक निपुण छात्र वही है जो अनुशासन, स्वच्छता, सहानुभूति और आत्मनिर्भरता के मूल्यों को अपनाता है।उन्होंने यह भी कहा कि ह्लपुस्तकें ज्ञान देती हैं, पर मानवता अच्छे-बुरे का अंतर सिखाती है। डॉ. सिद्धार्थ ने बच्चों से खुद पर विश्वास बनाए रखने की अपील करते हुए निपुण बनने की निरंतर प्रेरणा दी। अंत में उन्होंने निपुण दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि शिक्षा विभाग हर कदम पर बच्चों के साथ है।

एक अज्ञात वाहन के चपेट में आने से साइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी

दानापुर। नगर के रूपसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोलारोड में एक अज्ञात वाहन के चपेट में आने से सायकिल सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसकी पहचान शाहपुर के दाउदपुर निवासी मथुरा प्रसाद के रूप मे किया गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 ने जख्मी को उठाकर अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। बताया जाता है शाहपुर थाना क्षेत्र के दाउदपुर वार्ड संख्या 3 निवासी मथुरा ठाकुर सायकिल से डियूटी करने गोलारोड जा रहे थे।

हादसा में कटिहार के मुखिया संघ अध्यक्ष की मौत

फतुहा में ट्रक से टकराई बोलेरो, राजद के खुला अधिवेशन के लिए पटना आ रहे थे लोग

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। शनिवार की सुबह नूतन पेट्रोल पंप के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें राजद के पंचायती राज प्रकोष्ठ के कटिहार जिला अध्यक्ष और मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष कौशल किशोर यादव (62) की मृत्यु हो गई।

कौशल किशोर यादव अपने बेटे और सहयोगियों के साथ बोलेरो गाड़ी से पटना के बापू सभागार में राजद के खुला अधिवेशन में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान चालक को झपकी आने के कारण गाड़ी सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के समय बोलेरो में कुल पांच लोग सवार थे। कटिहार जिले के बरारी थाना क्षेत्र के रोनिया गांव निवासी कौशल किशोर यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में उनके पुत्र बंटी कुमार (35), राकेश कुमार (35), विमल कुमार मालाकार (55) और भागन यादव (32) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही फतुहा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया, जबकि कौशल किशोर यादव को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। फतुहा थानाध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है। हादसे के समय साथ चल रही दूसरी गाड़ी में मौजूद मोहम्मद तनवीर आलम ने बताया कि वे लोग शुक्रवार रात करीब 10 बजे कटिहार के रोनिया गांव से दो वाहनों में कुल 10 लोगों के साथ पटना के लिए निकले थे। खुसरूपुर के पास एक गाड़ी चाय पीने के लिए रुकी, जबकि बोलेरो आगे बढ़ गई। कुछ देर बाद पटना पहुंचने पर घायल बंटी कुमार ने फोन कर दुर्घटना और पिता की मौत की सूचना दी, जिसके बाद वे सभी तुरंत लौट गए।

कांस्टेबल पद पर भर्ती के नाम पर जालसाजी करने वाले एक व्यक्ति गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत दिल्ली सचिवालय, वन विभाग व कांस्टेबल पद पर भर्ती के नाम पर जालसाजी करने वाले एक जालसाज को रूपसपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से कई जाली एडमिट कार्ड, ज्वाईनिंग लेटर दो मोबाइल समेत अन्य सामान जप्त किया। पुलिस ने पुछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बताया जाता है कि युवाओ को दिल्ली सचिवालय में नौकरी के नाम पर युवाओ को अपना निशाना बनाते हुए ईमेल पर जाली साक्षात्कार पत्र कुछ लड़को भेजे गये। जिसकी सच्चाई के जानने को लेकर एक प्रतिभागी ने दिल्ली सचिवालय में पता लगाने में जुटी। पता चला कि ऐसी कोई भर्ती नही है। वही जानकारी मिलने पर दिल्ली से पदाधिकारी जांच करते हुए रूपसपुर पुलिस से संपर्क किया। किया। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। रूपसपुर पुलिस ने छानबीन करते हुए थाना क्षेत्र के जानकी सिटी के फ्लैट संख्या 507 से विश्वजीत कुमार को गिरफ्तार किया। जो मुलरूप से धनबाद के निवासी है। पुलिस ने उसके पास से ईमेल भेजे जाने वाली दो मोबाइल, एडमिट कार्ड, वन विभाग व दिल्ली सचिवालय के कुछ जाली कागजात बरामद किया। थानाध्यक्ष रणविजय कुमार ने बताया कि दिल्ली सचिवालय के एक पदाधिकारी द्वारा जानकारी मिली। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए विश्वजीत कुमार को गिरफ्तार किया गया। ये अगस्त में साक्षात्कार के लिए 30 लड़को को जाली साक्षात्कार का प्रपत्र भेजा था। युवाओ को दिग्भ्रमित कर उन्हे नौकरी के नाम पर जालसाजी करते थे। साक्षात्कार से पूर्व ही भंडा फोड होते हुए जालसाज विश्वजीत कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा लोक शिकायत के 18 मामलों की सुनवाई की गई एवं परिवादों का निवारण किया गया

- लोक शिकायत के मामलों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निवारण सुनिश्चित करने का आयुक्त ने दिया निर्देश
- लोक शिकायत निवारण के प्रति अरूचि, संवेदनहीनता प्रदर्शित करने एवं शिकायत निवारण में लापरवाही बरतने के कारण दो लोक प्राधिकारों के विरूद्ध कार्रवाई की गई
- बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम का सफल क्रियान्वयन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता; सभी पदाधिकारी इसके प्रति सजग, सक्रिय एवं संवेदनशील रहें: आयुक्त

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना डॉ. चन्द्रशेखर सिंह द्वारा आज अपने कार्यालय में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत प्रथम अपील में शिकायतों की सुनवाई की गयी और उसका निवारण किया गया। लोक शिकायत निवारण के प्रति अरूचि एवं संवेदनहीनता प्रदर्शित करने के आरोप में दो लोक प्राधिकारों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

आयुक्त द्वारा आज लोक शिकायत के कुल 18 मामलों की सुनवाई की गई एवं परिवादों का निवारण किया गया। योजनाओं के चयन में अनियमितता संबंधी शिकायत के समाधान में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने के कारण लोक प्राधिकार जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बक्सर से कारण-पृच्छा किया गया। मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना का लाभ कई महीनों से एक लाभार्थी को नहीं मिलने से संबंधित मामले में सुनवाई से अनुपस्थित रहने के कारण लोक प्राधिकार सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पटना से भी स्पष्टीकरण किया गया।

अपीलार्थी श्री दिनेश तिवारी का परिवाद सिमरी प्रखंड के पड़री पंचायत में वर्ष 2022-23 में अवैध तरीके से ग्राम सभा एवं कार्यकारिणी की बैठक कर विभाग के प्रावधानों के विरूद्ध योजनाओं का चयन एवं अनियमिततापूर्वक क्रियान्वयन करने तथा दोषियों पर अभी तक कार्रवाई नहीं किए जाने से संबंधित है। आयुक्त ने सुनवाई में पाया कि इस मामले में लोक प्राधिकार जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बक्सर द्वारा कोई ईमानदार एवं सार्थक प्रयास नहीं किया गया है। विगत दो लगातार सुनवाई में उनका प्रतिवेदन अप्राप्त था। पिछले सुनवाई में उन्हें परिवाद पर जाँच करते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने एवं जिला पदाधिकारी, बक्सर के माध्यम से प्रतिवेदन समर्पित करने का निदेश दिया गया था परन्तु उनके द्वारा इसका सम्यक अनुपालन नहीं किया गया। उनके द्वारा ग्राम पंचायत पड़री के मुखिया के विरूद्ध प्रतिवेदित एवं प्रमाणित आरोपों के वाबजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। आज की सुनवाई में उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं दिया। आयुक्त ने कहा कि इससे प्रतीत होता है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। आयुक्त द्वारा इसके कारण लोक प्राधिकार जिला पंचायत राज पदाधिकारी, बक्सर से स्पष्टीकरण किया गया। साथ ही उन्हें परिवाद पर विधिवत कार्रवाई करते हुए अगली सुनवाई से पूर्व जिला पदाधिकारी, बक्सर के माध्यम से प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

एक अन्य मामले में परिवादी श्री अवधेश कुमार विश्वकर्मा द्वारा मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना का लाभ कई महीनों से एक लाभार्थी को नहीं मिलने के संबंध में अपील की गई है। आयुक्त ने सुनवाई में पाया कि इस मामले में लोक प्राधिकार सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पटना द्वारा कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा है। उन्होंने प्रतिवेदित किया है कि आवेदक के बैंक खाता के सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। बैंक खाता पीएफएमएस से सत्यापन की प्रक्रिया ऑनलाईन से संबंधित है जो स्वतः अपडेट होता है। उनका प्रतिवेदन संतोषजनक नहीं पाया गया। आज की सुनवाई से भी वे अनधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं।

विधि-व्यवस्था संधारण हेतु डीएम व एसएसपी द्वारा 377 स्थानों पर दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई

- सूचना तंत्र को सुदृढ़ एवं सक्रिय रखने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कतामूलक कार्रवाई करने तथा अफवाहों का त्वरित खंडन करने का डीएम व एसएसपी ने दिया आदेश
- विधि-व्यवस्था संधारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता, असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्ती से निपटा जाएगा: डीएम व एसएसपी
- सभी स्टेकहोल्डर्स से संवाद कायम रखने का डीएम व एसएसपी ने दिया निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जिला पदाधिकारी, पटना डॉ. त्यागराजन एस.एम. एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना श्री कार्तिकेय के. शर्मा द्वारा मुहर्रम त्योहार, 2025 के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण हेतु सार्वजनिक स्थलों पर दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। अधिकारीद्वय ने कहा कि उत्कृष्ट भीड़ प्रबंधन, सुचारू यातायात तथा सुदृढ़ विधि-व्यवस्था संधारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पदाधिकारीगण मानक संचालन प्रक्रिया का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें। सजग, तत्पर तथा प्रतिबद्ध रहें। विधि-व्यवस्था संधारण से किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी संयुक्त जिलादेश में वर्णित निदेशों का अक्षरशः अनुपालन करें। डीएम व एसएसपी ने कहा कि क्षेत्रीय पदाधिकारीगण असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल को क्रियाशील रखें तथा अफवाहों का त्वरित खंडन करें। अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, अंचलाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों तथा थानाध्यक्षों को सजग एवं भ्रमणशील रहने का निदेश दिया गया है। बाइकर्स गैंग पर नजर रखते हुए सख्त कार्रवाई करने का भी निदेश दिया गया है।विदित हो कि इस वर्ष मुहर्रम का त्योहार दिनांक 06 जुलाई, 2025 को मनाया जा रहा है।

जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा विधि-व्यवस्था संधारण तथा भीड़ प्रबंधन के दृष्टिकोण से मानकों के अनुसार दंडाधिकारियों तथा पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिले में 377 (तीन सौ सतहत्तर) स्थानों पर दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनके साथ सशस्त्र बल तथा लाठी बल को भी लगाया गया है। अधिकारीद्वय द्वारा संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। पटना सदर अनुमंडल में 55 स्थानों, पटना सिटी अनुमंडल में 100 स्थानों, दानापुर अनुमंडल में 78 स्थानों, बाढ़ अनुमंडल में 42 स्थानों, मसौढ़ी अनुमंडल में 47 स्थानों तथा पालीगंज अनुमंडल में 55 स्थानों पर दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। डीएम डॉ. त्यागराजन एस.एम. एवं एसएसपी श्री कार्तिकेय के. शर्मा द्वारा सभी अनुमंडल पदाधिकारियों तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को क्षेत्रीय आवश्यकतानुसार दंडाधिकारियों तथा पुलिस पदाधिकारियों की अतिरिक्त प्रतिनियुक्ति करने का निदेश दिया गया है। प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर निर्धारित समय पर निश्चित रूप से उपस्थित रहकर कर्तव्य निर्वहन रहेंगे। ड्यूटी के अनुसार त्योहार के शांतिपूर्ण ढंग से समाप्ति तक मुस्तैद रहेंगे।

4 क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का भी गठन किया गया है। जिला नियंत्रण कक्ष में तीन पालियों में 19 दंडाधिकारियों को सुरक्षित रखा गया है। पटना सिटी नियंत्रण कक्ष में 8 सुरक्षित दण्डाधिकारियों, दानापुर अनुमंडल नियंत्रण कक्ष में 12 सुरक्षित दण्डाधिकारियों, मसौढ़ी अनुमंडल नियंत्रण कक्ष में 12 एवं पालीगंज अनुमंडल नियंत्रण कक्ष में 9 सुरक्षित दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला नियंत्रण कक्ष में पर्याप्त संख्या में स्ट्राइकिंग फोर्स की व्यवस्था रहेगी। यह फोर्स सूचना प्राप्त होने पर अविलंब सार्थक कार्रवाई करेगी।डीएम व एसएसपी अनुमंडलवार तैयारियों पर लगातार नजर रखे हुए हैं तथा समीक्षा भी कर रहे हैं। अधिकारीद्वय के निर्देश पर सभी स्तरों पर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है। सभी पदाधिकारी संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतेंगे, असामाजिक तत्वों के विरूद्ध निरोधात्मक एवं दण्डात्मक कार्रवाई करेंगे तथा विधि-व्यवस्था का समुचित संधारण सुनिश्चित करेंगे।

डीएम व एसएसपी ने पदाधिकारियों को सभी स्टेकहोल्डर्स से सार्थक संवाद एवं सुदृढ़ समन्वय कायम रखने का निदेश दिया है।

डीएम व एसएसपी ने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि बिना अनुज्ञप्ति का कोई जुलूस नहीं निकले। अपने क्षेत्रान्तर्गत जुलूस के मार्ग का भौतिक सत्यापन निश्चित रूप से कर लें। पर्व-त्योहार के दौरान जुलूस की लगातार वीडियोग्राफी सुनिश्चित करें। सीसीटीवी से निर्बाध कवरेज सुनिश्चित करें। इसके लिए लगातार विद्युत आपूर्ति हो। वैकल्पिक व्यवस्था भी रखें। हर स्थिति में सीसीटीवी क्रियाशील रहनी चाहिए। सभी जुलूस के साथ पुलिस पदाधिकारियों को टैग कर हर एक जुलूस को एस्कॉर्ट करने का निदेश दिया गया है। ड्रोन से निगरानी करने तथा पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा संस्थापित आईसीसीसी से नजर रखने का निदेश दिया गया है।

डीएम व एसएसपी ने कहा कि पर्व-त्योहार के दौरान साउण्ड बॉक्स-ध्वनि विस्तारक यंत्र द्वारा निर्धारित मानक से उच्च डेसिबल में ध्वनि का उत्सर्जन किये जाने के कारण ध्वनि प्रदूषण होता है। निर्धारित मानक से ज्यादा डेसिबल में ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगायी गयी है। सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने के लिए निदेशित किया गया है कि लाउडस्पीकर छः बजे प्रातः से दस बजे रात्रि तक ही निर्धारित डेसीबल के अनुरूप बजाये जाएँ। डीजे के उपयोग पर पूर्णतः रोक रहेगा। सभी अनुमंडल पदाधिकारी/ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी थानाध्यक्षों के माध्यम से इसे अपने-अपने क्षेत्रों में सुनिश्चित करेंगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

82 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ को 10 जोन में बांट होगी मॉनिटरिंग

श्रावणी मेला : श्रद्धालुओं को नहीं होगी असुविधा : नितिन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। श्रावणी मेले में लाखों कांवरियों की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने शनिवार को कच्ची कांवरिया पथ का निरीक्षण कियाा। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और अनुभवों को जाना, तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। साथ ही अधिकारियों को अंतिम चरण में चल रहे कार्यों को तत्परता से पूर्ण करने का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक, जनप्रतिनिधिगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस संबंध में मंत्री ने कहा कि हर वर्ष की तरह पथ निर्माण विभाग द्वारा इस बार भी कांवरिया पथ का निर्माण किया गया है। श्रद्धालुओं की यात्रा और बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन पर लगातार कार्य किया जा रहा है। ट्रैफिक से निजात दिलाने के लिए इस वर्ष भी कांवरियों के लिए अलग पथ की व्यवस्था की गयी है। इस पथ पर गंगा बालू का इस्तेमाल किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को चलने में कोई कठिनाई ना हो। हर जगह स्वास्थ्य कैंप, पानी और शौचालय की व्यवस्था मौजूद रहे इसके लिए प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। साथ ही थोड़ी-थोड़ी दूरी पर बैठने की भी व्यवस्था की गयी है। वहीं, पथ निर्माण मंत्री द्वारा सुल्तानगंज स्थित निरीक्षण भवन में तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक भी की गयी। बैठक उपरांत मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री ने बताया कि 105 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ में करीब 82 किलोमीटर का पैच बिहार में आता है। इसमें से 76 किलोमीटर के पैच पर विभाग द्वारा काम किया जा रहा है। डढफटउ के तर्ज पर इस बार 5 साल के लिए निविदा प्रक्रिया की गई है, ताकि सड़कों के संधारण का काम और बेहतर तरीके से हो सके। 76 किलोमीटर के इस पूरे पैच में भागलपुर में करीब 8 किलोमीटर, मुंगेर में करीब 24 किलोमीटर और बांका में करीब 49 किलोमीटर का निर्माण कार्य जारी है। इस 82 किलोमीटर के पूरे पैच को 10 जोन में बांटा गया है, जिसकी मॉनिटरिंग एग्जीक्यूटिव इंजिनियर और जेई द्वारा की जायेगी। वहीं, मंत्री श्री नवीन ने कहा कि आज बाबा की नगरी से जिलावासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया हूं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में पटना के मरीन ड्राइव के तर्ज पर भागलपुर से मुंगेर तक गंगा किनारे 100 किमी लंबा फोरलेन मरीन ड्राइव बनाने की योजना पर काम चल रहा है। यह योजना क्षेत्र के विकास, पर्यटन और श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक सौगात साबित होगी।

समग्र सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम है जातिगत जनगणना : विजय

- कहा- पीएम और सीएम समेकित सामाजिक न्याय के पक्षधर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित जातिगत जनगणना को समग्र सामाजिक न्याय की दिशा में उठाया गया कदम बताया । प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री दोनों ही समाज को तोड़ने के बजाय जोड़ने वाले सामाजिक न्याय के पक्षधर हैं। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन और गठबंधन दोनों की नींव में सबका साथ सबका विकास का भाव छुपा है। एक तरफ हमारे आदि संगठनकर्ता दीनदयाल जी ने इसी भाव को एकात्म मानववाद के रूप में व्यक्त किया था । वहीं दूसरी तरफ अटल जी की एनडीए सरकार में भी इसी सोच के साथ अंत्योदय का समेकित प्रयास किया गया था । श्री सिन्हा ने आगे कहा कि 2023 में बिहार में जो जाति आधारित सर्वे हुआ था, उसका खाका एनडीए सरकार ने ही तय किया था । जब सर्वे विधानसभा में पारित हुआ तब भी भारतीय जनता पार्टी और एनडीए ने विपक्ष में रहते हुए भी इसका पूर्ण समर्थन किया था । लेकिन जाति की आग में राजनीतिक रोटी सेंकने वाले राजद-कांग्रेस के लोग महज श्रेय लूटने के प्रयास में जुटे रहे । ये जब सत्ता में थे तब 2011 में हुई जनगणना में इन्होंने जातिगत सर्वेक्षण तक कराने से मना कर दिया था । कांग्रेस ने वर्षों तक मंडल आयोग की रिपोर्ट को दबाए रखा था । श्री सिन्हा ने कहा देश को आज जातिगत विभाजन को बढ़ावा देने वाले कथित सामाजिक न्याय की जगह समग्र सामाजिक न्याय की जरूरत है । जिसमें हाशिये पर खड़े हर तबके को न्यायपूर्ण विकास का अवसर मिले । इसीलिए प्रधानमंत्री जी प्राथमिकता के आधार पर गरीब, युवा, महिला और किसान के विकास की बात करते हैं । बिहार में भी 6 हजार रुपये से कम आमदनी वाले 94 हजार परिवारों तथा 10 हजार रुपये से कम आमदनी वाली 63 फीसदी आबादी का समेकित विकास हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए । इसके लिए आपसी भेदभाव को भूलकर सभी राजनीतिक पार्टियों को प्रयास करना होगा ।

पप्पू यादव के नेतृत्व में निकाला गया आक्रोश मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में शुक्रवार देर रात प्रसिद्ध व्यवसायी गोपाल खेमका की नृशंस हत्या के विरोध में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थकों ने शनिवार को जे.पी. गोलंबर, गांधी मैदान से एसपी वर्मा रोड तक आक्रोश मार्च निकाला। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने आगे से रोक दिया। इस दौरान समर्थकों ने डबल इंजन सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और इस जघन्य हत्याकांड की निष्पक्ष जांच की मांग की। मार्च के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद पप्पू यादव ने कहा, गोपाल खेमका के हत्याकांड की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई से कराई जानी चाहिए। यह हत्याकांड कोई साधारण अपराधी द्वारा नहीं किया गया है। वहीं, पूरे मामले को लेकर देर शाम पप्पू यादव ने राजभवन पहुंचकर महामहिम राज्यपाल से भी मुलाकात की और राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था से अवगत कराया। साथ ही खेमका हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को दोहराया। मौके पर प्रेमचंद सिंह, सत्येंद्र पासवान,राजीव मिश्रा,अभिजीत सिंह,राजू दानवीर ,मनीष कुमार,रौशन शर्मा मौजूद थे। मुलाकात के बाद राजभवन के पास मीडिया से बातचीत के दौरान पप्पू यादव एनडीए सरकार पर सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि राज्य कोई भी सुरक्षित नहीं है। बिहार में गुंडाराज कायम हो चुका है।

राजद अब कोई राजनीतिक दल नहीं बल्कि एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है : उमेश

लालू प्रसाद यादव के 13वीं बार राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष का तंज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। लालू प्रसाद यादव के 13वीं बार राष्ट्रीय जनता दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि सियासी स्वार्थ की पूर्ति के लिए समाजवाद का ढोंग करने वाला लालू परिवार पूरे देश में वंशवादी राजनीति का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुका है। श्री कुशवाहा ने कहा कि बीते तीन दशकों से राजद की बागडोर एक ही व्यक्ति और उसके परिवार के हाथों में केंद्रित रहना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र जैसी कोई चीज नहीं है। यह तय हो चुका है कि इस दल में नेतृत्व सिर्फ एक ही परिवार तक सीमित रहेगा, भले ही पार्टी में अन्य योग्य, अनुभवी और समर्पित नेताओं की लंबी कतार क्यों न हो। उन्होंने कहा कि खुद को लोकनायक जयप्रकाश नारायण का अनुयायी बताने वाले लालू प्रसाद यादव ने जेपी के सिद्धांतों की सबसे अधिक अवहेलना की है। जिस समाजवाद के लिए जेपी ने आंदोलन खड़ा किया था, उसी समाजवाद को लालू प्रसाद यादव ने अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए पांव तले रौंदने का कार्य किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि राजद अब कोई राजनीतिक दल नहीं बल्कि एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन चुकी है, जिसका संचालन और नियंत्रण पूरी तरह से परिवार के सदस्यों के हाथों में सिमट चुका है। इस पार्टी का उद्देश्य कभी भी जनता की सेवा करना नहीं रहा, बल्कि सत्ता में रहकर अपने निजी हितों की पूर्ति ही इस दल की राजनीति का मूल उद्देश्य रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब विकास की राजनीति और वंशवाद की राजनीति के बीच का अंतर पहचान चुकी है। जो दल केवल परिवारवाद को सर्वोपरि रखते हैं, उनकी राजनीति अब अंतिम चरण में पहुँच चुकी है। अब उनकी दाल गलने वाली नहीं है।

बिहार में लोगों को सुरक्षा देने में एनडीए सरकार ने निराश किया: राजेश

पटना। बिहार की राजधानी पटना के सबसे पॉश इलाके गांधी मैदान क्षेत्र में उद्योगपति गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या की घटना के बाद एक बार फिर से प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने सरकार पर इसे लेकर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने बिहार की वर्तमान स्थिति को महा-गुंडाराज बताया। उन्होंने पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अभी भी गोपाल खेमका के परिवार के लोग डरे और सहमे हुए हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगपति और व्यवसायी की बात छोड़ दीजिए, आम लोगों को सुरक्षा देने में भी नीतीश सरकार विफल है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि जो व्यवसायी जीएसटी देते हैं और बिहार के निर्माण में अपनी भूमिका निभाते हैं, उनकी हत्या प्रदेश के लिए काले धब्बे के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि गोपाल खेमका के शव के पोस्टमार्टम को लेकर भी असंवेदनशीलता देखने को मिली। अगर आज बिहार में कोई उद्योग-धंधा नहीं आ रहा है, तो इसका बड़ा कारण कानून-व्यवस्था है। अभी उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या हुई है। कुछ साल पहले उनके पुत्र की हत्या हुई थी, उस घटना का भी अब तक खुलासा नहीं किया गया है। उन्होंने यहां तक कहा कि पुलिस ने इस मामले में जो कर्तव्यहीनता दिखाई है, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने असंवेदनशील और कर्तव्यहीन पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग की।

बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं : माले

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल और आरा से सांसद व व्यवसायी संघ के राज्य संरक्षक सुदामा प्रसाद ने पटना शहर के जाने-माने व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पर गहरी चिंता व्यक्त की। नेताओं ने कहा कि बिहार पूरी तरह अपराधियों के चंगुल में है, सरकार नाम की कोई चीज बिहार में नहीं रह गई है। अपराधी इतने बेखौफ हो चुके हैं कि शहर हो गांव, कहीं भी हत्या-जनसंहार की घटनाओं को अंजाम दे रहे है। गोपाल खेमका की हत्या के बाद ऐसी सूचना मिली कि पुलिस काफी देर से आई। इसके पहले सिवान में भी तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। भाजपा-जदयू शासन में दलित-गरीब की बात कौन कहे, व्यवसायी भी सुरक्षित नहीं रहे।

सरकार का इकबाल पूरी तरह समाप्त : तेजस्वी

- गोपाल खेमका के परिजनों से मिले नेता प्रतिपक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने मृतक गोपाल खेमका के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर सांत्वना दी और कहा कि राष्ट्रीय जनता दल परिवार इस दुख की घड़ी में स्वर्गीय गोपाल खेमका जी के परिवार के साथ खड़ा है। इंसाफ और न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर हम सहायता और सहयोग करने के लिए तैयार है। साथ ही जल्द से जल्द इस हत्याकांड का सच और सच्चाई सामने लाने के लिए जल्द से जल्द जांच कराये जाने की मांग की है। पीड़ित परिवार से मिलने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि इस घटना से पटना ही नहीं पूरा बिहार गोपाल खेमका जी की हत्या से हिल गया है और यह दिल दहला देने वाली हृदय विदारक घटना है। इस तरह की घटना वह भी हार्ट ऑफ द टाउन में जहां डीएम और एसपी का आवास है वही लगभग 200 गज के दूरी थाना है वहां उनके घर के सामने हत्या गोली मारकर कर दी जाती है । इससे स्पष्ट होता है कि बिहार में सरकार का इकबाल समाप्त हो गया है। और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण मिल रहा है। उनके परिवार का दुख देखा नहीं जा रहा है, परिवार के सदस्यों का मानना है कि क्या सुनवाई हो रही है और क्या कार्रवाई हो रही है सरकार कुछ भी नहीं बता रही है। इस तरह से राज्य में अपराध और अपराधियों का बोलबाला है, यह स्थिति दशार्ता है की बिहार में कैसा राज चल रहा है । कहा कि बिहार में लगातार और हर दिन अपराध और अपराधियों के द्वारा हत्या और लूट, तथा अन्य तरह की घटनाएं हो रही है। f कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार बिहार आते हैं और जंगल राज -जंगल राज का रट लगाते हैं, लेकिन वह मुख्यमंत्री से इस बात का हिसाब क्यों नहीं लेते हैं कि बिहार आखिर क्यों हर दिन हत्या, लूट, बलात्कार ,डकैती की घटनाएं हो रही है और सरकार इस पर कार्रवाई नहीं करती। आगे कहा कि बिहार में जब ट्रांसफर पोस्टिंग में घूसखोरी होगी और डी के टैक्स लेकर अधिकारी को पदस्थापित किया जाएगा तो अपराध और अपराधी कहीं ना कहीं इसका फायदा उठायेंगे ही। पीड़ित परिवार को इंसाफ दिलाने के लिए किसी भी स्थिति में परिवार के साथ खड़े हैं और इसके लिए सड़क से लेकर सदन न्याय दिलाने की लड़ाई को लड़ेंगे।

आरोपी जल्द कानून की गिरफ्त में होंगे : जदयू

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने घटना की गंभीरता को स्वीकार करते हुए राज्य प्रशासन का बचाव किया। उन्होंने कहा कि गोपाल खेमका एक प्रमुख उद्योगपति थे और पटना के गांधी मैदान के पास उनकी नृशंस हत्या पूरी तरह से चौंकाने वाली है। पीड़ित चाहे कोई भी हो, कोई भी हत्या कानून के शासन को चुनौती है। बिहार के डीजीपी ने खुद इस मामले का तुरंत उच्च स्तर पर संज्ञान लिया और सिटी एसपी सेंट्रल के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। नीरज कुमार ने बताया कि 2018 में गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की हत्या के बाद भी आरोपियों को कानून के दायरे में लाया गया था। उन्होंने विश्वास जताया कि इस मामले में भी संलिप्त अपराधी जल्द ही कानून की गिरफ्त में होंगे।

चिराग बोलें- यह चिंता का विषय है

लोजपा रामविलास के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पटना में उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या को लेकर शनिवार को कहा कि यह सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। ऐसी घटनाएं गांव में हो रही हों या शहर में, ऐसे मामलों में सरकार को गंभीर होना चाहिए। चिराग पासवान ने अपने पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की जयंती पर पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में सुशासन का राज रहा है, ऐसे में हमें यह भी देखना होगा कि हाल के दिनों में असामाजिक तत्वों को कैसे बल मिल गया कि एक के बाद एक घटनाएं हो रही हैं। यह चिंता का विषय है, इसे हल्के में नहीं जाने दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि वह इसे लेकर सरकार से भी बात करेंगे।

मतदाता पुनरीक्षण के खिलाफ माले का राज्यव्यापी प्रतिवाद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाकपा-माले के राज्यव्यापी आह्वान पर बिहार के विभिन्न जिलों और प्रखंडों में विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ विरोध दिवस आयोजित किया गया। राजधानी पटना सहित राज्य के 100 से अधिक प्रखंड मुख्यालयों पर धरना, प्रदर्शन और प्रतिवाद मार्च का आयोजन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि इस विशेष अभियान की आड़ में गरीब, मजदूर, युवा, महिलाएं और अल्पसंख्यकों को मतदाता सूची से बाहर करने की सुनियोजित साजिश की जा रही है। विरोध प्रदर्शन पटना के अलावा सासाराम, समस्तीपुर, वैशाली , भोजपुर, नवादा जिले के पांच ब्लॉक, सिवान, नालंदा, पूर्वी चंपारण, दाउदनगर, दरभंगा, बिहारशरीफ, रूपौली, पूर्णिया, बेगूसराय, गया, सिरदला और फुलवारीशरीफ समेत अनेक स्थानों पर आयोजित किए गए। इन सभी जगहों पर भारी संख्या में आम जनता और माले कार्यकर्ता शामिल हुए। पटना में प्रतिरोध सभा राजधानी पटना में जीपीओ गोलंबर से निकला गया आक्रोश मार्च, स्टेशन रोड होते हुए बुद्ध स्मृति पार्क पर पहुंचा, जहां एक विशाल प्रतिरोध सभा का आयोजन किया गया। इस सभा को माले पोलित ब्यूरो सदस्य का। मीना तिवारी, विधान पार्षद शशि यादव, विधायक दल के नेता का। महबूब आलम, फुलवारी विधायक गोपाल रविदास, वरिष्ठ नेता सरोज चौबे, एआइपीएफ संयोजक कमलेश शर्मा, समता राय, वंदना प्रभा आदि नेताओं ने संबोधित किया। सभा का संचालन का। रणविजय कुमार ने किया। यह विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान वास्तव में गरीबों की वोटबंदी है। जिन कागजातों की मांग की जा रही है, वे राज्य के अधिकांश गरीबों, मजदूरों और प्रवासी वर्ग के पास उपलब्ध नहीं हैं। उत्तर बिहार में बाढ़ की स्थिति के चलते लोग पहले से ही परेशान हैं, ऐसे में उनसे कागजात लाने की उम्मीद करना अन्यायपूर्ण है।

नेताओं ने कहा कि एक समय पर चुनाव आयोग ने मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने का अभियान चलाया था, और आज उसी आधार कार्ड को स्वीकृत दस्तावेज के रूप में नहीं माना जा रहा है।

पीएम को जातीय जनगणना जैसे ऐतिहासिक निर्णय के लिए दिया गया धन्यवाद

एनडीए सरकार का हर कदम सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित: लक्ष्मण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जातिगत जनगणना जैसे ऐतिहासिक निर्णय के लिए आभार एवं मोदी सरकार के 11 वर्षों की बेमिसाल उपलब्धियों पर चर्चा के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष बलराम मंडल की अध्यक्षता में आयोजित जातीय जनगणना के लिए मोदी सरकार को आभार कार्यक्रम में ओबीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद के. लक्ष्मण, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित कई वरिष्ठ लोग शामिल हुए और अपने विचारों को रखा। ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद के. लक्ष्मण ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार में पिछड़ों और अति पिछड़ों को जो सम्मान मिला है वह कभी नहीं मिल सका था। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने ऐतिहासिक फैसले लिए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई कठिन निर्णय भी लिए। गौर से देखें तो इस 11 साल में एनडीए सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा। डीबीटी, डिजिटल समावेशन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे पर जोर ने पारदर्शिता और अंतिम व्यक्ति तक तेजी से लाभ पहुंचाने को सुनिश्चित किया है। इन प्रयासों से 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने जातीय जनगणना का फैसला लेकर यह साबित किया कि हम केवल कहते नहीं, करते हैं। उन्होंने इस निर्णय के लिए मोदी सरकार का आभार जताते हुए कहा कि जातीय जनगणना से सरकार को विकास की योजनाओं का खाका तैयार करने में मदद मिलेगी। राज्य के विकास के लिए सरकार कई तरह की नीतियां बनाती है, लेकिन इसमें जाति के शामिल न होने से कई बार दिक्कत भी सामने आती है। इस कार्यक्रम में सांसद संजय जायसवाल, मंत्री प्रेम कुमार, हरि सहनी, मंटू सिंह पटेल, भीम सिंह, सांसद रविशंकर प्रसाद, अरुण शंकर, संजीव चौरसिया, निखिल आनंद, संगम लाल गुप्ता, सीता साहू उपस्थित रहे।

विकास और विश्वास का दूसरा नाम एनडीए सरकार: सम्राट

बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में पहले ही जातीय गणना एनडीए सरकार कराने का निर्णय लिया था। अब देश में जातीय जनगणना की बारी है। उन्होंने इस फैसले को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि यह बड़ा फैसला है। उन्होंने कहा कि विकास और विश्वास का दूसरा नाम एनडीए सरकार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार में हम लोगों ने पक्का मकान देने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में एक करोड़ लोगों को पक्का मकान दिया जाना है। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर भी स्पष्ट कहा कि इस सरकार में कानून व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं होगा। इस मौके पर राजेश गुप्ता, गुरु प्रकाश मौर्य, अचल सिन्हा, भूपेंद्र यादव, प्रजापति सामंत सहित ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोपाल खेमका की हत्या पर ऋतुराज सिन्हा ने जताया दुख

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने पटना के प्रतिष्ठित व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पर खेद व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से रकळ का गठन कर निर्धारित समयसीमा में जांच पूरी कर रिपोर्ट सार्वजनिक करनी की मांग की है । इसके साथ ही उन्होंने पुलिस से अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कानून के समक्ष पेश करने की मांग की है ।उन्होंने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऑर्गनाइज्ड क्राइम पर जीरो टॉलरेंस की नीति लागू हो। उन्होंने कहा कि पटना के प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री खेमका जी की जिस तरह से निर्मम हत्या की गई है, उसने पूरे शहर को झकझोर दिया है। यह सिर्फ.एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि हर उस परिवार की सुरक्षा पर सवाल है जो इस शहर में अमन और चैन से जीना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह समय राजनीति करने का नहीं है, यह समय पटना की जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने का है।

अब तक 1,87,500 घरों तक किया गया है एंटी लार्वा का छिड़काव

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में एंटी लार्वा के छिड़काव के लिए टीम घूम रही है। नगर आयुक्त द्वारा कर्मियों को विशेष दिशा निर्देश दिया गया है कि गलियों के साथ घर के गमले, छत एवं ऐसे जगहों पर भी एंटी लार्वा का छिड़काव करें जहां डेंगू मलेरिया के मच्छर पनप सकते है। बरसात पूर्व से ही इसे शुरू किया जा रहा जिससे मच्छरों को पनपने से रोका जा सके।

प्रतिदिन लगभग 18 हजार घरों को टीम द्वारा किया जाता हैं कवर

रोस्टर अनुसार सभी वार्डों में फॉगिंग एवं एंटी लार्वा की टीम छिड़काव कर रही है। एंटी लार्वा के छिड़काव हेतु प्रतिदिन 375 सेक्टर में टीम घूमती है जहां 50 घरों का लक्ष्य टीम को दिया गया है। टीम द्वारा प्रतिदिन 18 हजार घरों को कवर किया जाता है। अब तक 1,87,500 घरों तक एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा चुका है। गौरतलब है की टीम को निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक घर को तीन बार टच किया जाएगा। बता दे कि घरों के साथ अस्पतालों के लिए भी अलग से टीम है जो की अस्पताल एरिया में प्रतिदिन फागिंग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव करती है जिससे डेंगू एवं मलेरिया के मच्छरों को पनपने से रोका जा सके।

मुख्यालय स्तर पर किया जा रहा है वेरिफाई

पटना नगर निगम द्वारा यह लगातार सुनिश्चित किया जा रहा है कि कि आमजनों तक टीम पहुंचे एवं घरों में एंटी लार्वा का छिड़काव सुचारू रूप से हो। इसके लिए अंचल एवं मुख्यालय स्तर पर वेरिफिकेशन भी किया जा रहा है। लॉगबुक में उपस्थित आमजनों के नंबर पर रैंडम कॉल कर छिड़काव संबंधित जानकारियां आमजन से ली जा रही है।

घर के अंदर के खाली हिस्से पर भी होगा छिड़काव

पटना नगर निगम की टीम द्वारा शहर के अपार्टमेंट एवं छतों पर भी एंटी लार्वा का छिड़काव किया जाएगा। नगर आयुक्त द्वारा सभी कर्मियों को इसके लिए विशेष निर्देश दिया गया है कि बरसात के दौरान घर के खाली हिस्से एवं छतों पर

- मुख्यालय द्वारा रेंडम कॉल एवं विजिट के माध्यम से किया जा रहा वेरिफिकेशन

एंटी लार्वा का छिड़काव किया जाये, जिससे डेंगु मलेरिया के मच्छरों को पनपने से रोका जाये। । गौरतलब है कि कई बार छत पर रखें सामानों (गमले, टायर एवं पुराने डब्बों) में पानी एकत्रित हो जाता है। जिससे मच्छर पनपते है एवं बिमारियां फैलती है। ऐसे में पटना नगर निगम द्वारा आमजनों से अपील भी की जाती है कि वह गमलों में पानी एकत्रित न होने दें। समय के साथ गमले, कूलर, एसी आदि के पानी की सफाई करते रहें। एवं नगर निगम कर्मियों को सहयोग करें एवं एंटी लार्वा का छिड़काव करवाएं।

155305 पर करें शिकायत

फॉगिंग एवं एंटी लार्वा से संबंधित शिकायतों एवं सुझाव के लिये आमजन 155304 पर फोन कर सकते है।

गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण वापस ले आयोग: भाकपा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने लोगों से मतदान का अधिकार छीनने वाले गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान वापस लेने की मांग भारत निर्वाचन आयोग से की है। आयोग ने मतदाता बनने के लिए जो ग्यारह दस्तावेज अनिवार्य किये हैं, उससे करोड़ों लोग मतदाता बनने से वंचित रह जाएंगे। इसलिए बिहार विधानसभा सभा चुनाव 1 जनवरी 2025 की अहर्ता के आधार पर प्रकाशित मतदाता सूची के आधर पर कराया जाय। भाकपा राज्य सचिव ने बयान जारी कर कहा कि महागठबंधन ने गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के खिलाफ नौ जुलाई को बिहार बंद का आह्वान किया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता बिहार बंद में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। बिहार बंद की तैयारी पूरे बिहार में जोर शोर से शुरू हो गई है। भारतीय

कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग बिहार में गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के नाम पर मतदाताओं का नाम सूची से हटाने की साजिश कर रहा है। 2003 के बाद इस बार इतने बड़े पैमाने पर पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। बिहार विधान सभा चुनाव से पहले एक महीने में विशेष पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। इसलिए इस पुनरीक्षण अभियान पर तत्काल रोक लगाई जाये। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे किसी व्यक्ति को अपने माता या पिता में से किसी एक के भारतीय नागरिक होने और 2 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे लोगों को माता-पिता दोनों के नागरिक होने के प्रमाण देने की जो शर्तें लगाई गई है, यह केवल लोगों को मतदान से वंचित करने वाला कदम है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भारत निर्वाचन आयोग से गहन पुनरीक्षण अभियान को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग करती है।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की ठोकर से मजदूर की मौत

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के महम्मदपुर सकड़ा वार्ड 04 निवासी मो. उस्मान का पुत्र मजदूर मो. शेख जहांगीर 59 की मौत एस एच 88 मालपुर धर्मकांटा के निकट अज्ञात वाहन की ठोकर से हो गया।घटना के संबंध में बताया जाता है मो. शेख जहांगीर राजमिस्त्री का काम कर पचपैका से घर लौट रहा था।जैसे ही मालपुर धर्मकांटा के निकट पहुंचा अज्ञात वाहन ठोकर मारकर फरार हो गया।इस घटना में उनका मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी नैमुन खातून, पुत्री रजीदा खातून,संजीदा खातून,गमजीदा खातून सहित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था।बता दें कि मृतक के तीन पुत्री व तीन पुत्र सनाउल्लाह, नरुल्लाह, उताउल्लाह है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही समाजसेवी रौशन कुमार, सुशीला देवी, उमेश कुमार राय, रामप्रवेश राय,शेख शब्बीर अहमद, तुफैल आलम, तौकीर आलम, कैशर आलम आदि ने शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को सांत्वना दे रहे थे।

दुग्ध व्यवसायी की डिक्की तोड़कर बदमाशों ने उड़ाया कागजात सहित पांच लाख रुपया

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के सिंघिया घाट में बदमाशों ने एक दुग्ध व्यवसायी का बाइक की डिक्की तोड़कर पासबुक, चेकबुक व अन्य कागजात सहित पांच लाख रुपया नगद लेकर फरार हो गया। मामले को लेकर बेलसंडी तारा निवासी वीरेंद्र कुमार ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाया है घटना के संबंध में पीड़ित ने बताया है कि मैं दुग्ध समिति चलाता हूं। शुक्रवार को सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा रोसड़ा से किसानों के भूगतान हेतु पांच लाख रुपया निकालकर मोटरसाइकिल की डिक्की में रखकर घर आ रहा था। रास्ते में संध्या 4 बजे के करीब सिंघिया घाट स्थित श्री कृष्णा मेशनरी के सामने बाइक खड़ा कर दवा खरीदने गया।दवा लेकर वापस आया तो देखा बाइक की डिक्की खुली थी एवं डिक्की से पांच लाख नगद रुपया एवं पासबुक, चेकबुक तथा अन्य कागजात गायब था।घटना की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। पीड़ित के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। आगे की कार्रवाई जारी है।

सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ ने बीएलओ से मांगा स्पष्टीकरण

विभूतिपुर/समस्तीपुर सहायक निर्वाचक पदाधिकारी सह विभूतिपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने मतदान केंद्र संख्या 218 के बीएलओ गोपाल ठाकुर से कार्य नहीं करने, पदाधिकारी से बदसलूकी करने एवं सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण मांगा है। पत्र निर्गत कर बताया गया है कि बीएलओ सुपरवाइजर के समीक्षा के क्रम में बताया गया कि मतदान केंद्र संख्या 218 के बीएलओ गोपाल ठाकुर द्वारा कार्य में अभिरुचि नहीं ली जा रही है।4 जुलाई को असक्रिय बीएलओ के सूची में भी नाम था। इनके द्वारा शून्य डाटा अपलोड किया गया।इस संबंध में कारण पुछने पर गैरजिम्मेदारी पूर्वक सरकारी सेवक के मानक के प्रतिकूल व्यवहार करते हुए जबाब दिया गया। साथ ही आपके द्वारा कार्य नहीं करने एवं दूसरे को भी मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्य नहीं करने के लिए प्रेरित करने का शिकायत बीएलओ पर्यवेक्षक के द्वारा किया गया है। उपर्युक्त आरोपों से संबंधित 24 घंटे के अंदर अपना स्पष्टीकरण देना सुनिश्चित करें अन्यथा सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मार पीट की धटना में आधे दर्जन लोगों हुए जख्मी

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में आधे दर्जन लोग जख्मी हो गए। परिजनों के सहयोग से जख्मी को सामुदायिक अस्पताल में भर्ती ईलाज के लिए भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने ईलाज के दौरान जख्मी की पहचान पुरुषोत्तमपुर गांव के दुखी शर्मा की स्थिति गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर किया गया ।वहीं दूसरी ओर इस गांव के देवेंद्र कुमार ,बलहा गांव के नूनू महतो, अनीता देवी, बिरसिंहपुर गांव के विनीत कुमार मिजार्पुर गांव के रमेश दास ,मीना देवी के रूप में हुई। जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर मोहम्मद हैदर ने दी।

बूथ से तय होगी विजय की यात्रा, बिहार में फिर बनेगी एनडीए की सरकार : संजय सरावगी

मंत्री ने दरभंगा सदर विधानसभा के पांचों मंडलों की बूथ सशक्तिकरण के लिए कार्यकताओं में भरा उत्साह

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा सदर विधानसभा अंतर्गत भाजपा के पांचों मंडलों, दरभंगा नगर उत्तरी, दरभंगा नगर दक्षिणी, लहेरियासराय उत्तरी, लहेरियासराय दक्षिणी एवं दरभंगा सदर मंडल की बूथ सशक्तिकरण कार्यशालाओं का सफल आयोजन शनिवार को संपन्न हुआ। शहर के भठियारीसराय स्थित द ओड कंपनी होटल में चार मंडलों की कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जबकि दरभंगा सदर मंडल की कार्यशाला जिला भाजपा कार्यालय में सम्पन्न हुई। सभी कार्यशालाओं में भाजपा के वरिष्ठ नेता सह बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कार्यकताओं को बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशालाओं को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सरावगी ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अपने-अपने बूथों पर पूरी सक्रियता एवं मजबूती से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि "हमारा बूथ, सबसे मजबूत" की भावना से कार्य करेंगे, तभी हमारा संगठन और भी अधिक शक्तिशाली होगा। श्री सरावगी ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनर्निरीक्षण कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करें कि उनके बूथ पर कोई भी पात्र मतदाता नाम जोड़वाने से वंचित न रह जाए। इसके साथ ही उन्होंने अपील की कि कार्यकर्ता एनडीए सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं और हर घर में सरकार की विकासशील सोच का संदेश दें।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सरावगी ने कहा कि यूपीए और लालू यादव के शासनकाल में बिहार ने दशकों तक जंगलराज का दंश झेला है। उस दौर में बिहार की पहचान अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और भय से जुड़ी हुई थी। लेकिन आज बिहार एनडीए सरकार के नेतृत्व में विकास की राह पर तेजी से अग्रसर है।

इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए एनडीए सरकार जरूरी है। उन्होंने आह्वान किया कि 2025 में एक बार फिर बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में जनसरोकार से जुड़े अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। कार्यक्रमों की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रतन पासवान, रमेश झा, पिंटू भंडारी, संगीत साह एवं श्रवण महतो ने की। इस अवसर पर पूर्व विधान पार्षद अर्जून सहनी, भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण चौधरी मन्ना, उपाध्यक्ष राजू तिवारी, सोनी पूर्वे, संगीता साहू, अभयानंद झा, विकास चौधरी, महामंत्री संतोष पोद्दार, सुजीत मल्लिक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य लक्ष्मण झुनझुनवाला, गौड़ी पासवान, मनीष जायसवाल, उदय शर्मा, अंकुर गुप्ता, बालेन्दू झा, विनय झा, पिंटू महासेठ, शमी अहमद शब्बानी, अजय ठाकुर, कमलेश ठाकुर, अशोक साह, नरेश राम, राम मनोहर प्रसाद, पंकज झा, अशोक नायक, पिंटू राम, शंकर प्रसाद जायसवाल, पप्पू ठाकुर, विशाल महासेठ, राकेश झा, रतन साह, देबू राम, सीमा विक्टोरिया, संजीव साह, रूपा देवी, मनीष खट्टिक, अजय कुमार विक्कू, प्रीति कुमारी, आकांक्ष रानी, आरती कुमारी, गुडडू मंडल, बिनोद बिहारी, रमण महतो, पूनम देवी, राकेश स्वर्णकार, सूर्यकला देवी, सुधीर शर्मा, दीपक पासवान, संतोष सिंह, अविनाश साह, गुड्डु यादव आदि उपस्थित थे।

16वाँ अयोध्या प्रसाद खत्री स्मृति-सम्मान शेखर पाठक को

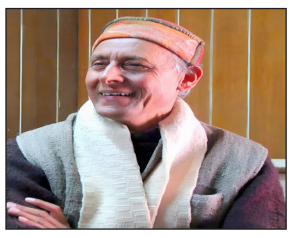

ब्रह्मानन्द ठाकुर / प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।हिन्दी में उत्कृष्ट रचनाशीलता के लिए 16वाँ अयोध्या प्रसाद खत्री स्मृति-सम्मान इस बार हिमालयी अन्वेषक, इतिहासकार, पर्यावरणविद् और पर्वतारोही लेखक शेखर पाठक को उनकी हाल में आयी पुस्तक हिमांक और क्रयनांक के बीच को दिये जाने की घोषणा की जाती है। इस कृति का चयन हमारी चयन समिति के अध्यक्ष वीर भारत तलवार ने किया है।उनकी यह कृति गंगोत्री-कालिंदीखाल और बद्रीनाथ की दिल दहला देने वाली दुस्साहसिक यात्रा वृतांत है. जिसमें हिमालय की नैसर्गिक सुंदरता, हिम और गल की अनसुनी-अनजानी आवाज और अनचीन्हे पशु-पक्षियों के दर्शन तो होते ही है, "मौत से मुलाकात भी"। क्योंकि इस यात्रा में उन्हें "अपने इतने करीब मौत की परियां पहले कभी नाचते हुए महसूस नहीं हुई थीं" "आदिम राग गाते हिमालय के इस अनजाने रास्ते पर यात्रा करने का जोखिम उठाने वाले शेखर पाठक ने इस पुस्तक में अतीत में पहली बार इस मार्ग से यात्रा करने वाले उन पर्वतारोहियों के इतिहास, उनके संघर्ष तथा उनके रचे साहित्य का उल्लेख किया है तो दूसरी ओर उस इलाके में रहने बाले उन कुलियों का भी मार्मिक चित्रण किया है, जिन्हें बेगारी पर खून जमा देने वाली ठंड में नंगे पाँव चलना पड़ता था।यात्रा में उन्होंने उस मार्ग का चयन किया जिसमें बहुत कम लोग जाते हैं क्योंकि यह न तो तीर्थयात्रा का मार्ग था और न व्यापारियों का। वे कहते हैं कि पुण्य-परलोक से जुड़ा न होने के कारण यह पौराणिक कथाओं से भी बच गया और स्वर्ग जाने का भी यह रास्ता न बन सका। बेचैन हिमालय प्रेमियों ने हीं इस अनजाने मार्ग का नक्शा उकेरा है।यात्रा में जब मौसम खराब होता है, हिमस्खलन होने लगता है, बारिश और ओले कहर बरपाते है, नदियाँ उफनाती है, सामान बह जाता है, जूते भींग जाते हैं, अंधकार छाने लगे और दियासलाई भींगी बिल्ली बनी बैठी हो, टॉर्च की रोशनी भी काम ना आये, एक कदम बढ़ाना मुश्किल हो जाय, सहयात्रियों का देह अकड़कर गिर पड़े तो लेखक खुद को "हिमांक और क्वथनांक के बीच" खड़ा पा कहता है कि "मौत हमारे आसपास मंडरा रही थी। वह किसी को भी दबोच सकती थी। यहाँ आज उसी का राज था। हमारे शरीर लगातार हिमांक के पास थे और हमारे मन मस्तिष्क में भावनाओं का उबाल क्वथनांक से ऊपर पहुँच रहा था।" और यात्रा से लौटते हुए उन्हें "लगता रहा जैसे मुदार्घाट से वापस लौट रहे हों। इसके बावजूद इन्होंने फिर फिर यात्राएँ की। मानसरोवर और नेपाल से सटे पूर्वी उत्तराखण्ड से पश्चिम उत्तराखण्ड तथा लेह से अरुणाचल तक की यात्रा शामिल है।पूर्वी कुमाऊँ के गंगोलीहाट, वर्तमान जिला पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड) में 1950 में जन्में शेखर पाठक, नैनीताल के कुमाऊँ विश्वविद्यालय में इतिहास के प्राध्यापक रहें हैं। चिपको आंदोलन के सक्रिय कार्यकर्ता और हिन्दी साहित्य के गहरे अध्येता भी हैं जो इस पुस्तक में दिखता है।

इस वार विधानसभा चुनाव में पलायन,शिक्षा,रोजगार व भ्रष्टाचार जैसे प्रमुख मुद्दा होगा : मनोज कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

बिरौल (दरभंगा)। बिहार बदलाव सभा के अंतर्गत जन सुराज पार्टी द्वारा पांच जुलाई शनिवार को गौड़ा बौराम विधानसभा क्षेत्र के गौड़ बौराम प्रखंड अंतर्गत आधारपुर पंचायत स्थित बाथ गांव में संभावित विधायक प्रत्याशी मनोज कुमार झा की अध्यक्षता में पार्टी की एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया।सभा में क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया और पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर प्रशांत किशोर पर भरोसा रखते हुए इस अवसर पर विभिन्न पार्टी के 300 कार्यकताओं ने जन सुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया और 2025 के विधान सभा चुनाव में गौड़ा बौराम विधानसभा क्षेत्र के बेटा मनोज कुमार झा को यहां से जिताने का संकल्प लिया। मिथिला परम्परा के अनुसार सम्मानित अतिथियों का अंगवस्त्र से स्वागत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए मनोज कुमार झा ने पलायन, शिक्षा,रोजगार,भ्रष्टाचार और क्षेत्र में बाढ़ सरकारी योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार जैसे प्रमुख मुद्दों को उठाकर वर्तमान विधायक एवं सरकार की अव्यवस्था पर करारा प्रहार किया। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में मिथिला प्रमंडल चुनाव समिति के संयोजक विल्टू साहनी, विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला संयोजक सुरेंद्र मोहन यादव ,मनोज कुमार झा के सभा में विशाल भीड़ एवं जनता का रुझान दिन प्रतिदिन जन सुराज की लोकप्रियता बढ़ने का संकेत है। क्षेत्र में इस बार जन सुराज एक प्रवल दावेदार के रूप में उभड़ने लगा है। सभा में उपस्थित अनुमंडल सचिव सुरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष चन्दन सदा , महिला अध्यक्ष पूनम देवी, कारी पासवान, अशोक साह, संगीता देवी , दीपक कुमार साह, राज किशोर झा इत्यादि।

बीएलओ को घर - घर जाकर चिपकाना होगा स्टिकर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ को डोर टू डोर भ्रमण कर हर घर पर पूरी जिम्मेदारी से स्टीकर चिपकाने का कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने इस आशय का सर्टिफिकेट एईआरओ को देने एवं इसे सुनिश्चित कराने को कहा है। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने नगर भवन में बीएलओ, पर्यवेक्षक की बैठक में कही। बैठक में मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत केंद्र संख्या 330 के बीएलओ मोहम्मद रमजानी का कार्य सराहनीय एवं संतोषजनक पाया गया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि बुथ संख्या 330 पर पर कुल 1400 मतदाता है जिसमें से बीएलओ ने शत प्रतिशत मतदाताओं को गणना प्रपत्र का वितरण कर दिया तथा उसमें से 350 मतदाताओं का प्रपत्र कलेक्शन कर 66 का अपलोडिंग भी कर दिया। जिलाधिकारी ने उनके कार्य की सराहना करते हुए अन्य बीएलओ को भी प्रेरणा लेने को कहा। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मार्गदर्शिका से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा बीएलओ नहीं रहे जिन्होंने एक भी फार्म अपलोड नहीं किया हो। उन्हें आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक देय राशि के अतिरिक्त 6000 रुपये भुगतान किए जाएंगे।इसलिए सभी बीएलओ पूरी जिम्मेदारी के साथ गणना प्रपत्र का कलेक्शन और अपलोडिंग का कार्य मिशन मोड में में करें । उनके कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिए अतिरिक्त कर्मी के रूप में विकास मित्र, किसान सलाहकार , सेविका, पंचायत सचिव आदि को भी प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया किंतु कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने वाले बीएलओ एवं पर्यवेक्षक को चिन्हित कर कानूनी एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। विदित हो कि मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी नगर आयुक्त हैं। जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को एईआरओ के माध्यम से कैंप मोड में कलेक्शन एवं अपलोडिंग का कार्य का बुधवार मॉनिटर कर पूरा कराने का निर्देश दिया। साथ ही सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को भी सक्रिय एवं तत्पर होकर सभी बीएलओ, सुपरवाइजर एवं टीम को डोर टू डोर कलेक्शन एवं द्वितीय पाली में अपलोडिंग का कार्य पूरा कराने को कहा।

डेयरी में घोटाले की भंडाफोड़ करनेवालों पर झूठा मुकदमा वापस हो: बिहार राज्य दूध उत्पादक संघ

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। जिला प्रशासन व्यापक रूप से सघन जांच कर बरौनी डेयरी में दूध उत्पादकों की कमाई की हो रही लूट के रैकेट को बेनकाब कर दोषी लोगों को अविलंब गिरफ्तार करे। हमारे देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के नाम पर स्थापित पूर्वोत्तर भारत का सबसे बेहतर दूग्ध उत्पादन केंद्र में सुमार सुधा का बरौनी डेयरी जो बिहार का गौरव है। जिसने सुधा को राष्ट्रीय फलक पर पहचान दिलाई,जिसने अमूल को सीधा टक्कर दिया।

मुल्क के कई राज्यों में जहाँ अमूल का एकक्षत्र आधिपत्य था,उसे खत्म कर सुधा ने अपना बाजार स्थापित किया। उसने अमूल की मोनोपोली को तोड़ा, परन्तु बरौनी डेयरी के प्रभारी एम डी के काले कारनामों से हर क्षेत्र में डेयरी की साख गिरी है। यहाँ के आबोहवा, मिट्टी, चारा एवं पानी में कुछ खास तरह के एलिमेंट होने के चलते, बरौनी डेयरी का दूध लोगों की पहली पसंद पुरे मुल्क में है। बिहार के अन्य डेयरी के मुकाबले बरौनी डेयरी के दूध और दूध के अन्य उत्पाद की मांग चारों ओर है। मगर एम डी के द्वारा हर जगह कमीशनखोरी और घटिया माल,मिलावटी दूध और पकवान सप्लाई के चलते बरौनी डेयरी की साख पर कालिख लगी है।

दूध के बाजारों में बरौनी डेयरी की प्रतिष्ठा धुमिल हुई।बरौनी डेयरी के ऑगन में अमूल एवं अन्य डेयरी आज फल-फूल रहा है। सात जोन में बंटे डेयरी के क्षेत्रों में बरौनी ,मंझौल, बेगूसराय ,खगड़िया, महेशखूंट, लखीसराय एवं मोकामा जोन में दूध उत्पादकों की पंचायत लगाकर दूध उत्पादक किसानों की समस्याओं से संबंधित विभिन्न मांगों और बरौनी डेयरी में व्याप्त धांधली की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर बड़े आंदोलन की तैयारी शुरू है। बरौनी डेयरी से जुड़े लाखों दूध उत्पादकों को संगठित करने के लिए जोन आधार पर कमिटी गठीत की गई है।संघर्ष की तैयारी चल रही है।विधान परिषद और विधानसभा में भी सवाल उठे ।सदन में मंत्री की गलतब्यानी कर दोषी को बचाया गया।विधान पार्षद द्वारा लगातार जांच की माँग के बाबजूद उसे अनसूना किया गया।बेगूसराय के सभी सांसदों, विधान पार्षदों एवं विधायकों के अलावे राज्य के अन्य जनप्रतिनिधियों को भी आवेदन दिया गया है। सहकारिता मंत्री,सहकारिता सचिव बिहार सरकार, निबंधक सहयोग समितियां बिहार और प्रबंध निदेशक कंफेड को भी आवेदन दिया गया है।जॉच की कई कमिटी भी बनी। ज्वाइंट रजिस्टार भागलपुर के न्यायालय में मुकदमा भी लंबित है।

नल-जल योजना को प्रभावी बनाए जाने की जरूरत : अजीत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राज्य के पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अजीत कुमार शनिवार को कांटी क्षेत्र के कई गांवों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर लोगों के समस्याओं से रूबरू हुए। इस दौरान ग्रामीणों ने श्री कुमार के समक्ष नल - जल की समस्या को प्राथमिकता पर रखते हुए लोगों ने पीएचईडी विभाग के उदासीनता पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। जन संवाद कार्यक्रम में लोगों ने कहा कि सरकार गांव के गरीबों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए काफी गंभीर है,लेकिन पीएचईडी विभाग के अधिकारीयों की उदासीनता के कारण अधिकांश गांवों में गरीब तबके के लोगों को अपेक्षित शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है। लोगों की शिकायत सुनने के उपरांत श्री कुमार ने मौके पर जिलाधिकारी से बात कर कांटी- मरवन के कुछ गांव के पेयजल समस्या से उन्हें अवगत कराया , वही उनसे इस योजना का विस्तृत समीक्षा कर बंद पड़े नल-जल योजना को यथाशीघ्र चालू करने तथा जिम्मेदार कर्मियों पर शीघ्र सख्त कार्रवाई करने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने पूर्व मंत्री को चिन्हित स्थान पर लगे नल-जल स्कीम का जांच करा कर चालू कराने तथा दोषी कर्मियों पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। जन संवाद कार्यक्रम में लोगों ने बिजली, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़े कई मामले को रखा। मौके पर संबंधित अधिकारियों से बात कर श्री कुमार ने कई समस्याओं का निदान कराया। जन संवाद कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता मो शमीम ,जय किशन कुमार चौहान ,नागेंद्र पंडित ,जगलाल चौहान ,प्रभु चौहान ,योगेंद्र चौहान, शीतल चौहान, कृष्णनंदन चौहान, विनोद शर्मा ,हरिनंदन राम, विजय सहनी , रंजीत चौधरी, नवल राय ,पूर्व मुखिया राम लखन राय, हरि राय ,गोपाल राय, दिनेश राय, जोगेंद्र राय, प्रसिद्ध राय, शंकर ठाकुर, रणजीत राय, सुबोध राय ,शिवजी ठाकुर, ललन पांडे, चंदन पांडे, अजय श्रीवास्तव, सुजीत कुमार सिंह , सुरेंद्र पंडित, राम प्रवेश पंडित, मक्खन राम, रामचंद्र पंडित ,रामाशीष राम, सीता देवी , विनोद राम, सुबोध ठाकुर, लोचन पासवान, अखिलेश पासवान, बद्री पासवान ,डॉक्टर कमल देव आदि शामिल थे।

भाकपा माले ने निकाला मताधिकार बचाओ-लोकतंत्र बचाओ मार्च

समस्तीपुर प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा माले कार्यकताओं ने मताधिकार बचाओ-लोकतंत्र बचाओ मार्च निकालकर चुनाव आयोग से वोटबंदी का तानाशाही फरमान वापस लेने की मांग की। शनिवार को बड़ी संख्या में भाकपा-माले के कार्यकर्ता माल गोदाम चौक से स्टेशन रोड गांधी स्मारक पर इकट्ठा हो कर अपने-अपने हाथों में झंडे, बैनर एवं मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए मार्च निकाला। बाजार भ्रमण के बाद मार्च गांधी स्मारक पर पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया। वही सभा को अध्यक्षता प्रखंड कमिटी सदस्य कॉ. दीपक कुमार यदुवंशी वही संचालन प्रखंड सचिव सदस्य कॉ. अनिल कुमार चौधरी ने किया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में भाकपा-माले प्रखंड सचिव अनिल कुमार चौधरी ने केंद्र सरकार की उपेक्षापूर्ण एवं जनविरोधी नीति की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान चलाकर गरीबों एवं वंचित तबकों का नाम मतदाता सूची से बाहर कर रही है। यह लोकतंत्र एवं संविधान के खिलाफ है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सभा को संबोधित करते हुए माले कार्यकर्ता ने कहा कि केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीति, महंगाई, बेरोजगारी, आउटसोर्सिंग पर रोक लगाने, 4 श्रम कोड एवं काम के 12 घंटे के आदेश को वापस लेने, स्थाई काम की गारंटी करने, ठेका कर्मचारियों के लिए समान काम का समान वेतन देने की नीति लागू करने की मांग को लेकर 9 जुलाई को राष्ट्रीय मजदूर हड़ताल है और इस अवसर पर भाकपा माले माल गुदाम चौक से निकलने वाले जुलूस में शामिल होने की अपील समस्तीपुर वासियों से की है।

उद्यमी संवाद में उप मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से लिया फीड बैक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।सरकार उद्यमियों को प्रोत्साहित करने, उन्हें आवश्यक सुविधा एवं सहयोग प्रदान कर उद्योग धंधों का विस्तार करने हेतु सतत प्रयत्नशील है ताकि विकसित एवं आत्मनिर्भर बिहार का निर्माण किया जा सके। इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उपमुख्यमंत्री बिहार सह जिला प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा औद्योगिक क्षेत्र बेला स्थित आरटीडी सेंटर में उद्यमी संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न उद्यमियों से आवश्यक सुझाव, विचार एवं फीडबैक प्राप्त किया गया। उनके द्वारा सड़क, पानी ,बिजली, जल निकासी, गैस कनेक्शन, चिकित्सालय, बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने, छोटे एवं महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने, उत्पादों का आवश्यकता अनुसार सरकारी स्तर पर खरीदारी की व्यवस्था करने आदि सुझाव दिए गए। माननीय उपमुख्यमंत्री ने उद्यमियों द्वारा दिए गए विचारों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों से समन्वय एवं सहयोग के माध्यम से पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विंदुओं पर गंभीरता से पहल करते हुए समाधान करने तथा हर संभव सहायता करने का भरोसा दिया।इस अवसर पर जिला पदाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार,नगर आयुक्त विक्रम वीरकर, बियाडा के कार्यकारी निदेशक चंद्रशेखर सिंह, कार्यकारी निदेशक रंजीत कुमार, बियाड़ा के डीजीएम नीरज कुमार मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी अमित कुमार सहित कई अन्य अधिकारी तथा कई उद्यमी उपस्थित थे।

विद्यालय और समाज एक दूसरे का पूरक है : जितेंद्र कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)।प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय केवटगामा में शनिवार को विद्यालय स्तर पर परमार्थ कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इसका उद्देश्य विद्यालय के विकास हेतु अभिभावकों, पूर्ववर्ती छात्रों,समुदाय में हितधारकों को संगठित एवं प्रेरित कर संसाधन जुटाने का एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम के सूत्रधार विज्ञान शिक्षक जितेन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय और समाज एक दूसरे का पूरक है। विद्यालय में समाज के विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं।जिन्हें मदद की काफी जरूरत होती है। वहीं विद्यालय को समृद्ध और प्रगतिशील बनाने के लिए संसाधनों की भी जरूरत होती है। बहुत से ऐसे भी समाजसेवी, बुद्धिजीवी, अभिभावक, पूर्ववर्ती छात्र, हितधारक होते हैं जिन्हें ये जिज्ञासा होती है कि हम अपना योगदान विद्यालय के विकास में दें। उनके लिए परमार्थ कार्यक्रम एक अवसर प्रदान करता है कि आप विद्यालय से जुड़कर अपना योगदान दें। इससे जहां समाज और विद्यालय के बीच रिश्ता प्रगाढ़ होता है वहीं बच्चों के सर्वांगीण विकास को भी बल मिलता है। वहीं बच्चों में भी समाज की सेवा, परोपकार की भावना और संवेदनशीलता आदि गुणों का विकसित होता है। वहीं शिक्षक लखींद्र राम ने कहा कि भारतीय संस्कृति दानवीरों की गाथा से भरी हुई है। दधीचि से लेकर विनोबा भावे और कई ऐसे समाज सुधारकर, शिक्षाप्रेमी लोग हुए जिन्होंने अपना जमीन और श्रम दान देकर विद्यालय, अस्पताल और अन्य संस्थानों को स्थापित करने में मदद किया है। आज जरूरत है इस महान परंपरा को आगे बढ़ाने की। मौके पर केवटगामा के मुखिया छेदी राय ने विज्ञान शिक्षक जितेन्द्र कुमार के प्रयास की सराहना करते हुए विद्यालय में मोहागनी का पौधा, दो बच्चों को छात्रवृति और पुस्तक दान दिए। वहीं सरपंच बबन दास ने भारतीय संविधान की पुस्तक, पौधा और एक बच्चा को छात्रवृत्ति प्रदान किया। समाजसेवी रौशन कुमार राय, चंद्र किशोर राय ने एक एक पौधा, पुस्तक और एक बच्चे को छात्रवृति प्रदान किया। प्रधानाध्यापक शंभू सदा ने मौके पर विद्यालय में दान देने वालों के प्रति आभार प्रकट करते हुए साधुवाद दिया। मौके पर शिक्षक उमेश राय, सुनील कुमार, मनीष कुमार चंद्रवंशी सहित अनेक गणमान्य लोग एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

एलएनएमयू दरभंगा दूरस्थ शिक्षा केंद्र में शीघ्र चालू होगा पठन पाठन : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र के दोनों विश्वविद्यालयों के साथ साथ विभिन्न महाविद्यालयों में पठन पाठन के साथ साथ वहां के आधारभूत संरचना में सुधार के लिए व्यापक पहल किए जा रहे हैं। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा में दूरस्थ शिक्षा केंद्र में शीघ्र पठन पाठन चालू किया जाएगा जबकि बिरौल महाविद्यालय में भी शीघ्र ही बीएड की पढ़ाई शुरू करने के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही। बिहार के राज्यपाल डॉ आरिफ मुहम्मद खान से पटना स्थित राजभवन में भेंट करने के बाद दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने उपरोक्त बातें कही। सांसद डा ठाकुर ने शुक्रवार को देर संध्या राजभवन में अपने समर्थकों के साथ सांसद डा ठाकुर ने भेंट की तथा उन्हें मिथिला की संस्कृति और परंपरा के अनुसार पाग एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया। राज्यपाल के साथ मुलाकात के दौरान सांसद डा ठाकुर ने महामहिम को मिथिला खासकर दरभंगा के शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार तथा वर्षों से लंबित विषयों से अवगत कराते हुए कहा कि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा केंद्र को यथाशीघ्र शुरू किया जाना आवश्यक है ताकि कामकाजी महिलाओं एवं सुदूर देहाती क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं को इससे समय तथा संसाधन दोनों की बचत होगी जबकि कोशी जनता इंटर कॉलेज में बीएड की पढ़ाई शुरू होने से दर्जनों प्रखंड क्षेत्र के छात्र छात्राओं के शैक्षणिक व्यवस्था में आमूल परिवर्तन होगा। सांसद डा ठाकुर ने मिथिला स्नातकोत्तर शोध संस्थान के संबंध में उसकी महत्ता के संबंध में महामहिम को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि देश के प्रथम राष्ट्रपति के द्वारा 1951 में इसकी स्थापना की गई थी जिसकी गरिमा को बिहार ही नहीं देश स्तर पर स्थापित करना आवश्यक है। इस मुद्दे पर राज्यपाल ने सांसद डा ठाकुर को शीघ्र ही इस शोध संस्थान के निरीक्षण किए जाने के लिए आश्वस्त किया। सांसद डा ठाकुर ने राज्यपाल के साथ चर्चा में दरभंगा में पटना हाई कोर्ट बेंच की स्थापना को आवश्यक बताया।मौके पर सांसद डा ठाकुर के साथ भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उदयशंकर चौधरी पारसनाथ चौधरी प्रफुल्ल कुमार ठाकुर कृष्णभगवान झा भी मौजूद थे।

आशा फेसिलिटेटर ने बीएचएम एवं बीसीएम पर लगाया पड़तारित करने का आरोप, जिलाधिकारी को दिया आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत साख मोहन सीएचसी में कार्यरत आशा फेसिलिटेटर प्रेरणा कुमारी एवं आशा वंदना कुमारी, सुनीता कुमारी,किरण कुमारी, बेबी कुमारी सहित दर्जनों आशा कार्यकर्ता ने एक संयुक्त हस्ताक्षरित आवेदन जिलाधिकारी सह जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष को दिया है। जिसमें विभूतिपुर सीएचसी के बीएचएम एवं बीसीएम द्वारा प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है। आवेदन के माध्यम से बताया गया है कि बीएचएम एवं बीसीएम द्वारा आशा से नजराना वसूल कर सीएचसी नहीं पहुंचाने पर प्रताड़ित किया जाता है।इस संबंध में जांच के लिए पहले भी दो बार आवेदन दिया गया परन्तु कोई जांच की प्रक्रिया शुरू नहीं हुआ।3 जुलाई को आशा फेसिलिटेटर की बैठक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की अध्यक्षता में बुलाया गया। जिसमें आशा के संबंध में आवाज उठाने पर बीएचएम द्वारा बैठक कक्ष से निकल जाने की बात कही गई। पूर्व के आवेदन में भी सीएचसी विभूतिपुर के 16 आशा फेसिलिटेटर की कार्य की समीक्षा मेरे समक्ष कराया जाए।इस संबंध में 5 मई को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को आवेदन दिए लेकिन परिणाम शून्य रहा।19 दिसंबर 2024 को सुरौली एसएचसी पर आशा की बैठक बीएचएम एवं बीसीएम द्वारा बुलाया गया। जिसमें 10 प्रतिशत नजराना देने को कहा गया।25 मार्च 2025 को आशा दिवस के दिन बीएचएम एवं बीसीएम द्वारा सभी आशा को 500 रुपया प्रतिमाह देने के लिए निर्देशित किया गया। नजराना नहीं देने के कारण अप्रैल 2025 में पांच एवं मई में 3 आशा का कार्य प्रपत्र रहते हुए प्रोत्साहन राशि काट दिया गया। जून 2025 में 20 आशा का प्रोत्साहन राशि काटने की भी धमकी मिल रही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यो का जिला पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी स्वयं कर रहे हैं मॉनिटरिंग

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । जिला निर्वाचन पदाधिकारी - सह- जिलाधिकारी मुंगेर अरविंद कुमार वर्मा के सघन मॉनिटरिंग में मुंगेर जिले के सभी विधान सभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के सत्यापन हेतू विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यो को लेकर वो स्वयं भी जिले के विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों में जाकर भौतिक निरीक्षण कर रहे हैं। इसके अलावे पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मिल कर बैठक करते हुए इस कार्य में सहयोग की अपील कर रहे हैं। इस क्रम में आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी द्वारा खड़गपुर प्रखंड के बढ़ौना एवं भदौरा पंचायत में जाकर जहां बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधयों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक निर्देश देते हुए सहयोग की अपील की। इधर किला परिसर स्थित प्रेक्षागृह में भी आज उनके द्वारा सदर अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न पंचायतों के मुखिया, वार्ड सदस्य सहित अन्य के साथ बैठक कर उन्हें भी इस विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में अपना सहयोग देने तथा अपने क्षेत्रांतर्गत अधिक से अधिक फॉम भराने में बीएलओ एवं अन्य को अपन योगदान देने की अपील की। मुंगेर जिले के मतदाताओं से जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी, मुंगेर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में अपेक्षित सहयोग करने की अपील करते हुए कहा है कि यह कार्य मतदाताओं के हित के लिए किया जा रहा है, इसमें आपका सहयोग अत्यंत ही अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी पंचायतों में इसके लिए सहायता केंद्र भी बनाया गया है, जहां मतदाता जाकर इसकी विशेष जानकारी ले सकते हैं। इसके अलावे उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा इस कार्य से संबंधित कई सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने कहा कि अब मतदाता ऑनलाइन भी विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 से संबंधित आवेदन को अपने घर में अपने अपने मोबाइल के माध्यम से भी भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यों के दौरान मतदाताओं की जानकारी एवं सुविधा हेतु सभी मतदाताओं के लिए इस पुनरीक्षण अंतर्गत अपना नाम अद्यतन मतदाता सूची में जोड़ने हेतु दो सुविधाएं उपलब्ध है। 1. ऑनलाइन सुविधा -इसके लिए ँ३३स्र२://श्ङ्ग३ी१२ỹ. ॅङ्ग५.ल्ल इस पोर्टल पर मतदाता स्वयं अपना फॉर्म डाउनलोड कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपलोड कर सकते हैं। 2. ऑफलाइन सुविधा - इस प्रक्रिया में बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म का वितरण कर रहे हैं तथा सभी मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरे हुए फॉर्म का संग्रहण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायत, नगर निकाय के वार्ड एवं अनुमंडल स्तर पर सहायता केंद्र संचालित किए गए हैं। सभी मतदाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना भरा हुआ फॉर्म सहायता केंद्र पर जमा कर सकते हैं एवं अन्य आवश्यक सूचना भी सहायता केंद्र से प्राप्त कर सकते हैं। मतदाता विशेष जानकारी के लिए टॉल फ्री नंबर - 1950 तथा मुंगेर जिला नियंत्रण कक्ष के 06344- 223025/06344-223026/06344- 451698 इस नंबर पर सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने मुंगेर जिले के सभी मतदाताओं से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में अपना पूर्ण सहयोग देने की अपील की।

जदयू ने किया प्रेस वार्ता कहा की विपक्षी कर रहे है जनता को गुमराह

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जनता दल यूनाइटेड मुगेर के गार्डन बाजार स्तिथ जिला कार्यालय में प्रवक्ता विमलेन्दु राय एवं जिला उपाध्क्ष सह मुंगेर बिधानसभा बीएलए कृष्णा चन्द्र उर्फ बाबुल द्वारा संयुक्त प्रेस को संबोधित किया गया। नेता द्वय ने कहा की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 को लेकर विपक्ष लगातार मतदाता को गुमराह कर रहा है । विपक्ष गन्दी राजनीति कर रहा है। चुनाव आयोग के द्वारा जारी पत्र को बिना पढ़े भारत की संवैधानिक संस्था पर दोसारोपण करना लोकतंत्र के लिए खतरा है, राजद के 9वीं फैल नेता आये दिन बेबजह जनता को भ्रमित करने वाला बयान दे रहा है और आने वाले दिनों में चक्का जाम की धमकी विहार की जनता को दे रहा है। चक्का जाम करने की धमकी एक तरह से जनता के साथ साथ चुनाव आयोग को भी दी जा रही है जिससे चुनाव आयोग महागढ़बंधन के गुडों के डर से उनके बताये अनुसार बिहार में काम करे, जिस तरह 2005 से पहले चुनाव आयोग के अधिकारी को डराया जाता था, बूथ लूटा जाता था, फर्जी मतदाता द्वारा वोट डलवाया जाता था, गरीब दलित अति पिछड़ा मतदाताओं को बूथ तक पहुँचने नहीं दिया जाता था, काउंटिंग में जिन्न निकाला जाता था, जीत के जसन्न में राजद के गुडों द्वारा चौराहों पर गोली चलाया जाता था, उन दिनों की याद आज भी मुंगेर की जनता को है. भारत के संबैधानिक व्यवस्था के अनुरूप ही चुनाव आयोग के द्वारा मतदाता सूची को तैयार किया जाता है लेकिन राजद के नेता यह भूल जाते है और सत्ता पाने के लिए अनगरल बयान देते हैं. राजद का चक्का जाम का निर्णय भारत के संबैधानिक संस्था चुनाव आयोग को धमकाने वाला कृत्य है. जद(यू) राजद के चक्का जाम के निर्णय की घोर निंदा करती है.

अपने राजनीतिक एवं संबैधानिक दावित्यों के प्रति पार्टी का एक एक कार्यकर्ता सभी मतदाता की सहयता के लिए हर बूथ पर सहयोग कर रहा है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है की एक भी मतदाता का नाम नहीं छुटे. ह्लहो हंगामा करना राजद की संस्कृतिह्व लेकिन माननीय मुख्यमंत्री नितीश कुमार के नेत्रित्व में जद(यू) का काम बिहार की जनता की सेवा करना है।

पद्म भूषण रामविलास पासवान संसद के सजग प्रहरी व दलित चेतना के अग्रदूत थे: प्रो. गौरी शंकर

- रामविलास पासवान भारतीय लोकतंत्र के उस स्तंभ का नाम है, जिन्होंने सत्ता को साधन नहीं, समाज सेवा का माध्यम माना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः-पद्म भूषण से सम्मानित स्व. रामविलास पासवान की 79वीं जयंती पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राम विलास पासवान के विचारों की प्रासंगिकता और उपादेयता पर केकेएम कॉलेज के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ गौरी शंकर पासवान अपने प्रबोधन में कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित स्व. रामविलास पासवान संसद के सजग प्रहरी और दलित चेतना के अग्रदूत थे। वे राजनीतिक नैतिकता के मिशाल, संविधान के रक्षक और जन सेवा की जीवित प्रतिमूर्ति थे। कहते हैं कि शहरबनी की माटी बोली, बेटा मेरा संसद डोली। गरीबों से बना मशाल रामविलास थे वे मिशाल। उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान भारतीय लोकतंत्र के उस स्तंभ का नाम है, जो सत्ता को साधन नहीं, समाज व देश सेवा का माध्यम बनाया। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्वर्गीय पासवान के विचार और सिद्धांत पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनका कहना था कि दलित सिर्फ वोट नहीं, बल्कि भारत का मस्तक हैं, एक विचारधारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की मौलिक घोषणा हैं। प्रो.पासवान ने आगे कहा कि रामविलास पासवान को दलितों का सिर्फ नेता कह देना उनकी विराट व्यक्तित्व और राष्ट्रव्यापी योगदानो को संकुचित करने जैसा है। यह न केवल उनके राजनीतिक जीवन का अपमान है, बल्कि उनके मूल्यों और आदर्शों की अवहेलना भी है। वे 8 बार लोकसभा के सदस्य रहे। छह प्रधानमंत्रियों के साथ विविध मंत्रालयों जैसे रेल, संचार, कोयला, इस्पात, रसायन व उर्वरक, उपभोक्ता खाद्य और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बागडोर उनके हाथों में रही, जिसका लाभ देश के करोड़ों नागरिकों को मिला। स्वर्गीय पासवान ने हाजीपुर लोकसभा से रिकार्ड मतों (5 लाख से अधिक) जीत दर्ज कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराकर विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया था, तो सिर्फ दलित समाज की नहीं, बल्कि पूरे भारत की लोकतांत्रिक शक्ति और जन समर्थन की पहचान बनकर उभरे थे। इसीलिए रामविलास पासवान को राजनीति का गावस्कर और तेंदुलकर कहा जाता है। स्वर्गीय पासवान के व्यक्तित्व में वह जन नेता दिखता था,जो हर वर्गो, हर मजहब और हर भाषा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता था। प्रो.गौरी शंकर ने कहा कि परिवर्तन की बयार का दूसरा नाम ही रामविलास पासवान है। रामविलास पासवान को जाति सीमाओं में समेटना उनकी राष्ट्रव्यापी पहचान को नकारने जैसा है। वे दलित समाज के गौरव तो थे ही,लेकिन उनकी पहचान उससे कहीं अधिक व्यापक थी। वे भारत के एक समर्पित सेवक, समावेशी नेता और हिंदुस्तान के अभिमान भी थे। वही नेता अमर होता है, जो अपने पीछे लगातार विचारों की मशाल छोड़ जाता है, जो आज भी उनके सुपुत्र और केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान के हाथों में जल रही है। चिराग अपने पिता की सपनों को साकार करने के लिए राजनीति में सशक्त भूमिका निभा रहे हैं। स्वर्गीय पासवान जी ने हमेशा समरसता समानता और सामाजिक न्याय की बातें की। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत किया। वे भारतीय राजनीति के उस युगपुरुष के रूप में याद किए जाएंगे, जिन्होंने सामाजिक न्याय को जन-जन तक पहुंचाया था। उनकी स्मृति आज भी समाज के वंचितों, उपेक्षितों के लिए प्रेरणा है तो उनके विचार व सिद्धांत आज भी प्रासंगिक और उपादेय है।

मुहर्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर, पुलिस प्रशासन ने भी की चाक-चौबंद व्यवस्था

- एसपी अजय कुमार के निर्देश पर जगह-जगह पुलिस बलों की गई तैनाती
- सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने वालों से सख़्ती से निपटेगी पुलिस-एसपी

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !मुहर्रम जिसे यौमे आशूरा भी कहा जाता है !जिसकी 10वीं तारीख रविवार को है !इस त्योहार को हजरत इमाम हसन हुसैन की शहादत और बलिदान को याद कर मनाया जाता है !मुहर्रम का पर्व गम का पर्व है !इमाम हसन-हुसैन ने अपनी शहादत देकर पूरी दुनिया को इंसानियत का पैगाम दिया ! लखीसराय जिले के बड़ी दरगाह, इंग्लिश, छोटी दरगाह, सूर्यगढा, हल्दी मौलानगर, मेदनीचौकी, अलीनगर, बालगुदर, खगौर, हकीमगंज, वृंदावन, तेतराहट, नंदनामा आदि स्थानों पर ताजिए और सीपर बनाए गए हैं ! जहां-जहां इमामवाड़े बनाये गये हैं, वहां-वहां दंडाधिकारी और पुलिस बलों की प्रतुनियुक्ति की गई है ! मुहर्रम के मद्देनजर जिले के एसपी अजय कुमार खुद कमान संभाले हुए हैं !जिले की पुलिस पूरी तरह से एक्शन मोड में दिख रही है !शरारती और उपद्रवी तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है !एसपी के अनुसार सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर है ! डीजे और घातक हथियारों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है ! एसपी अजय कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो भी सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने की कोशिश करेगा उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी !

सिंटानाबाद उत्तरी पंचायत में उपचुनाव की सरगर्मी तेज, शनिवार को समसीदा खातून ने दिखाई ताकत

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल सिंटानाबाद उत्तरी पंचायत में 9 जुलाई को होने वाले मुखिया पद के उपचुनाव को लेकर चुनावी हलचल तेज हो गई है। प्रत्याशी पूरी ताकत से मैदान में जुटे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को पूर्व मुखिया मसीर खान की पत्नी एवं मुखिया पद की प्रत्याशी समसीदा खातून ने एक विशाल चुनावी रैली निकाली, जिसमें जनता का अपार जनसमर्थन देखने को मिला। रैली पंचायत के विभिन्न वार्डों से गुजरती हुई मुख्य बाजार तक पहुंची, जहां समर्थकों ने नारेबाजी और ढोल-नगाड़ों के साथ माहौल को जोशीला बना दिया। समसीदा खातून ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, यह चुनाव विकास, विश्वास और महिला सशक्तिकरण का चुनाव है। मैं अपने पति के अधूरे कार्यों को पूरा करने का संकल्प लेकर आई हूं। इस मौके पर पूर्व मुखिया एनामुल हक ने भी पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम सब और पंचायत की तमाम जनता मसीर मुखिया की पत्न ी समसीदा खातून को समर्थन दे रहे हैं। उन्हें जनसमर्थन लगातार मिल रहा है और लोग स्वेच्छा से उनके पक्ष में जुट रहे हैं। रैली में शामिल स्थानीय लोगों ने भी खुलकर समर्थन जताया। सरपंच हैदर खान ने कहा, मसीर खान जी के समय में पंचायत में विकास हुआ था। अब उनकी पत्नी को मौका मिलना चाहिए। मंसूर खान ने कहा, समसीदा खातून पढ़ी-लिखी हैं और महिलाओं की आवाज बन सकती हैं। हमें उन पर भरोसा है। अब देखना यह है कि 9 जुलाई को जनता किसे अपना नेतृत्व सौंपती है। लेकिन इतना तय है कि चुनावी मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है। रैली में प्रमुख रूप से पूर्व मुखिया एनामुल हक, सरपंच हैदर खान, मंसूर खान, जावेद शेख, मो. दानिश, अंसारी, अंजार, चंद किशोर यादव, भावेश पासवान, मोहम्मद साजिद हुसैन, मोहम्मद नेहाल, हाफिज जियाउल रहमान, फिरोज अंसारी, सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रेमी संग आपत्तिजनक हालत में पकड़ी गई दो बच्चों की मां, पति ने ग्रामीणों के सामने करवा दी शादी

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के बैजनाथपुर थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि दो बच्चों की मां को इश्क का ऐसा बुखार चढ़ा कि उसने सामाजिक मयार्दाओं की सारी सीमाएं लांघ दी। महिला को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथों पकड़ा गया। स्थानीय लोगों और पड़ोसियों ने दोनों की जमकर पिटाई कर दी। जब मामला बढ़ा, तो महिला के पति ने सामाजिक शर्मिंदगी और मान-सम्मान को देखते हुए खुद ही पत्नी का सिंदूर पानी से धो दिया और ग्रामीणों की मौजूदगी में प्रेमी के साथ उसकी शादी करवा दी। यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीण समाज में इस प्रकार की घटनाएं रिश्तों और मूल्यों को लेकर कई सवाल खड़े कर रही है। मामला जो भी हो लेकिन पति ने पत्न ी की खुशी के लिए अपना बलिदान दिया तो वहीं प्रेम क्या होता है है इसकी परिभाषा प्रेमी और प्रेमिका ने दे दी।

जिला अल्पसंख्यक छात्रावास में नि:शुल्क गैर आवासीय कोचिंग कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा : जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बिहार पटना से प्राप्त सूचना के आलोक में जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मुंगेर के द्वारा बताया गया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के द्वारा संचालित हज भवन कोचिंग एवं मार्गदर्शन कोषांग पटना के द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग की 71वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा हेतु बिहार के जिला अल्पसंख्यक छात्रावास में निःशुल्क गैर आवासीय कोचिंग कार्यक्रम का संचालन किया जाना है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मुंगेर के द्वारा आगे बताया गया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बिहार सरकार की राज्य अल्पसंख्यक कोचिंग योजना अंतर्गत नोडल एजेंसी मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षण में हज भवन पटना में बिहार लोक सेवा आयोग की 71वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा की निशुल्क गैर आवासीय कोचिंग एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम में भाग लेने हेतु अल्पसंख्यक समुदाय (बौद्ध, सिख,पारसी, ईसाई, मुस्लिम एवं जैन) के उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय मुंगेर में दिनांक 12 जुलाई 2025 तक ऑफलाइन आवेदन भी भर सकते हैं। इच्छुक आवेदकों में जो पूर्व में संघ लोक सेवा आयोग/ राज्य लोक सेवा आयोग/बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग इत्यादि के साक्षात्कार, प्रारंभिक अथवा मुख्य परीक्षाओं में से किसी में भी सफल हुए हैं उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी मुंगेर ने बताया कि परीक्षा के गैर आवासीय ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था बिहार के सभी जिले में की जा रही है तथा परीक्षा का आवेदन पत्र संबंधित जिले के जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में जमा किया जा सकता है। परीक्षा के उपरांत चयनित अभ्यर्थियों का पंजीकरण किए जाने के बाद चयनित आवेदकों को इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। अभ्यर्थियों को छात्रावास/जिला मुख्यालय स्थित केंद्र/ऑनलाइन मोड में कक्षा की सुविधा प्राप्त करने हेतु अभ्यर्थियों द्वारा भरे गए विकल्प के आधार पर निर्णय के उपरांत दी जाएगी/ इस कार्यक्रम से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तिथियां निम्न प्रकार हैः- 1.ऑफलाइन आवेदन भरने की तिथिः- 12.7.2025 के अपराह्न 5:00 बजे तक 2. प्रवेश परीक्षा की तिथि-14.07. 2025 3. प्रवेश परीक्षा फल की तिथि-18.07. 2025 4. नामांकन प्रक्रिया पूर्ण करने की तिथिः-20.07.2025 से 21.07. 2025 तक।

छोटी नदियों से है बड़ी नदियों का अस्तित्व : प्रो.ओम प्रकाश भारती

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा नदी मित्र इकाई द्वारा आभासी माध्यम से नदी संवाद कार्यक्रम का आयोजन कला ग्राम सहरसा में किया गया। संवाद कार्यक्रम में नदी मित्र ओम प्रकाश भारती ने कहा छोटे लोग और छोटी नदियों को अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ेगा, यह भारत का अपना अनुभव है। बड़ी नदियां बाढ़ लाती हैं, खेत, बहियार, गांव को बहा ले जाती हैं, यह उनका भौगोलिक चरित्र है, वह पूज्य हैं, हम माताएं कहते हैं। छोटी नदियां बरसाती है, बरसात के दिनों में उग्र होती हैं। लोगों को अपने अस्तित्व का आभास दिलाती है। शेष वर्ष भर समाज के लिए अति उपयोगी है। खेतों में सिंचाई के लिए पानी, ।जानवरों के लिए पानी मसलन भारत में लगभग सत्तर प्रतिशत सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति छोटी नदियां ही करती है। छोटी नदियां पहाड़, मैदान तथा खेतों से पानी बटोरती है, समेटती है और बड़ी नदियों को पानी देती है। और बड़ी नदियां बड़े और विशाल होने का गौरव प्राप्त करती है। भारत के बड़ी नदियों के उद्गम क्षेत्र को देखिए, वहां उसका जल ग्रहण क्षेत्र देखिए, छोटी नदियों से कम है। गंगोत्री में गंगा और अमरकंकट में नर्मदा के का उदगम धारा संकीर्ण है ।छोटी नदियां नहीं हो तो बड़ी नदियां बनेगी ही नहीं। ।लेकिन छोटी नदियों के अस्तित्व को लेकर कई संकट है। सरकार द्वारा भू राजस्व सर्वे में अधिकांश छोटी नदियों के लिए एक लकीर खींच दी गयी है। उनके नाम नहीं लिखे गए हैं। उनके धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व को कमतर आंका गया है। शहरों में उसे नाला बनाकर उसे कचरे और गंदगी को ढोने का मार्ग बनाया गया। और तो और रिकॉर्ड में उनका नाम नाला ही रख दिया गया है, मसलन चम्पा नाला भागलपुर, अंग जनपद की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व की नदी, नाग नदी नागपुर, अस्सी नाला वाराणसी तथा मीठी नदी मुंबई आदि। छोटी नदियों के अस्तित्व के संकट का सबसे बड़ा कारण है, उनके वहन क्षेत्र की अधिकांश जमीन रैयत और किसानों की है। सूखे की स्थिति में किसान उसे आबाद करते हैं, फसलें लगाते हैं। शहरों में भू माफिया सक्रिय है, उनका ध्यान शहरों से बहने वाली नदियों पर है। वह औने पौने दाम में किसानों से नदियों की जमीन खरीद कर घर बना रहे हैं। शहरों में नदियां सिकुड़ती जा रही है। सरकार को चाहिए इन नदियों के वहन क्षेत्र में आने वाले भूमि का अधिग्रहण कर, किसानों को जमीन के बदले जमीन दें या मुआवजा दे। नदियों की जमीन हड़पने संबंधी कठोर कानून बने। उच्च मार्ग हाइवे, रेलवे, उद्योग के लिए जमीन अधिग्रहण करने की नीति, योजना तथा अभ्यास है आपके पास, तो इन छोटी नदियों के लिए क्यों नहीं ।छोटी नदियां बड़ी नदियों का आधार है। वे भी संस्कृति के प्रवाह हैं, जीवनदायिनी है। छोटे लोगों की उपेक्षा तो करते रहिए, मानव है संघर्ष उनकी नियति है। नदियां तो निर्जीव है, चल फिर तो सकती है, लेकिन कानूनी लड़ाई लड़ सकती, कोर्ट कचहरी नहीं जा सकती। उसके लिए लड़ना तो समाज को ही होगा। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों ने अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन नदी संवाद के संयोजक डॉ. महेन्द्र ने किया।

ईश्वरीय विश्वविद्यालय का माउंट आबू से अभियान दल सहरसा पहुँच कराया मेडिटेशन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की सह संस्थान राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से प्रशासकों की सेवार्थ निकला एक अभियान बिहार के अनेक स्थानों पर सेवा करता हुआ सहरसा पहुंचा। जहां प्रेक्षागृह, इलेक्ट्रिसिटी ऑफिस, नगर निगम, एसबीआई क्षेत्रीय कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मियों ने कार्यक्रम का लाभ प्राप्त किया। अभियान में शामिल मुख्य प्रेरक वक्ता ज्योति बहन ने कहा कि हम अंग्रेजी के वॉच शब्द को अंडरलाइन कर स्वयं को तनावमुक्त व हर्षित बना सकते हैं। डब्ल्यू अर्थात वर्ड्स। हमारे शब्द मधुर, नपे-तुले और कम हों। ए अर्थात एक्शन। हमारे कर्म सुखदायी और प्रेरक हों। टी अर्थात थॉट्स। हमारे विचार शुद्ध, सकारात्मक और शक्तिशाली हों। सी अर्थात कैरेक्टर। हमारा चरित्र बेदाग और उच्च मानदंडों वाला हो। एच अर्थात हैबिट्स। पहले हम आदतों को बनाते हैं फिर आदतें हमें बनाती हैं। अपने शब्दों, कर्मों, विचारों एवं चरित्र पर ध्यान देकर हम अच्छी आदत का निर्माण कर सकते हैं जिससे हमारे श्रेष्ठ भाग्य का निर्माण होता है। मैं आत्मा हूँ- इस स्मृति से हमारा स्वयं पर शासन होता है और हम एक कुशल प्रशासन दे पाते हैं। स्नेहा बहन ने सभी को मेडिटेशन के द्वारा शांति का अनुभव कराया। भास्कर भाई ने कार्यक्रम का संचालन किया। सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने कार्यक्रम का लाभ उठाया। प्रेक्षागृह में दोनों एडीएम, नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त, एसबीआई क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य प्रबंधक एवं उप मुख्य प्रबंधक तथा विद्युत कार्यालय में एडीओ सहित अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण भी शामिल थे।

बनवारी शंकर महाविद्यालय में काला बिल्ला लगाकर शिक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय महासंघ द्वारा पूर्व निर्धारित कार्य क्रम के अनुसार शनिवार को बनवारी शंकर महाविद्यालय, सिमरहा में धरना प्रदर्शन एवं काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। मुख्य माँग सम्बद्ध महाविद्यालय के शिक्षक को वेतनमान देने को सुनिश्चित किये जाने की मांग शामिल है। इस कार्यक्रम में डॉ दीपक कुमार सिंह वि वि उपाध्यक्ष, डॉ रमेश चन्द्र यादव महाविद्यालय अध्यक्ष, प्रो समीउल्ला जिला अध्यक्ष, प्रो दीपक कुमार यादव, प्रो जयप्रकाश झा प्रो संजय कुमार गुप्ता, प्रो नूतन कुमारी, प्रो शिव कुमार यादव, प्रो घनश्याम यादव, प्रो लालेस्व मंडल, प्रो संतोष कुमार झा, प्रो उमेश कुमार, प्रो संजय सिंह, प्रो अहमद हुसैन, संजय कुमार, अरविंद कुमार, बीरेंद्र कुमार यादव, अशोक कुमार यादव सहित सभी कर्मी शामिल हुए।

पद्म भूषण रामविलास पासवान का 79 वां जन्म दिवस मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। लोजपा संस्थापक पद भूषण रामविलास पासवान का 79वीं जयंती समारोह केक काटकर धूमधाम से मुंगेर किला परिषद शहीद स्मारक में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के युवा जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश के अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन एससी एसटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अभय कुमार रजक ने किया। जिसमें लोजपा के पुराने साथी मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष सुरेश प्रसाद तांती युवा के प्रदेश महासचिव रंजीत पासवान लोजपा नेता गणेश पासवान ने राम विलास पासवान जी को दबे कुछ ले शोषित पीड़ित का नेता बताते हुए वक्ताओं ने अपनी अपनी विचारों को रखा उन्होंने कहा था कि हम उसे घर में दिया जलना जलने चले हैं जिस घर में सदियों से अंधेरा है इस कार्यक्रम में मौजूद महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष निशु कुमारी लेबर सेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नवल किशोर पासवान मनोज पांडे मिथिलेश कुमार संदीप शर्मा सोनू छतरी पासवान दीपक कुमार युवा लोक पर प्रधान महासचिव गौरव शर्मा प्रभात कुमार युवा लोचपा जिला उपाध्यक्ष एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सम्पादकीय

वक्फ संपत्तियों का पारदर्शी प्रबंधन - वंचितों को सशक्त बनाने की दिशा में पहल

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत सरकार ने 8 अप्रैल 2025 से प्रभावी नए वक्फ कानून के अंतर्गत 4 जुलाई 2025 को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास नियम, 2025 अधिसूचित कर दिया है। यह कदम वक्फ संपत्तियों के पारदर्शी प्रबंधन, राजस्व उपयोग में पारदर्शिता और समाज के जरूरतमंद वर्गों के सशक्तीकरण के उद्देश्य से उठाया गया है। इस पहल के तहत विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथ बच्चों को वक्फ आय का सीधा लाभ उनके बैंक खाते में दिया जाएगा। यह बदलाव न केवल धार्मिक-आर्थिक न्याय की भावना को आगे बढ़ाता है, बल्कि वक्फ की लावारिस संपत्तियों के कुशल उपयोग और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रबंधन की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो सकता है। वक्फ एक इस्लामिक संस्था है जिसमें कोई मुसलमान अपनी संपत्ति (भूमि, भवन, दुकान, आदि) को धार्मिक, परोपकारी या पारिवारिक उपयोग के लिए दान करता है। वक्फ दो प्रकार के होते हैं। एक है वक्फ लिल्लाह- जिसमें संपत्ति समाज, मस्जिद, कब्रिस्तान, स्कूल, अस्पताल आदि के लिए दिया जाता है। दूसरा है वक्फ अलल औलाद (हं०ा´´’’ अ४ं’ाि)- जब संपत्ति दाता अपने वंशजों- बच्चों, नाती-नातिनों आदि के भरण-पोषण के लिए वक्फ करता है। वक्फ संपत्ति का प्रशासन वक्फ बोर्ड और मुतवल्ली (प्रबंधक) के माध्यम से होता है। भारत में वक्फ अधिनियम 1995 (संशोधित 2013) के तहत राज्य व केंद्र वक्फ बोर्ड का गठन किया गया था। अब नया संशोधित अधिनियम 2025 इसमें कई ठोस परिवर्तन लाया गया है। संशोधित अधिनियम 2025 में हर वक्फ संपत्ति को अब एक यूनिक वक्फ आइडेंटिफिकेशन नंबर (UWID) मिलेगा। इससे सभी वक्फ संपत्तियों की निगरानी, ट्रैकिंग और पारदर्शी लेखांकन संभव होगा। सभी वक्फ संपत्तियों और मुतवल्लियों को ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। पंजीकरण डळढ आधारित मोबाइल और ई-मेल प्रमाणीकरण से किया जाएगा। इसके बाद ही संपत्ति का विवरण अपलोड किया जा सकेगा। नए वक्फ जो 8 अप्रैल 2025 के बाद बनाए गए हैं, उन्हें तीन महीने के भीतर वक्फ बोर्ड के समक्ष पंजीकरण कराना होगा। बिना पंजीकरण संपत्तियों को गैरकानूनी घोषित किया जा सकता है। वक्फ अलल औलाद संपत्तियों में अगर कोई उत्तराधिकारी नहीं बचा हो यानि वह लावारिस हो जाएं, तो उनकी आय अब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथ बच्चों के हित में उपयोग किया जाएगा। यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खाता में भेजा जाएगा। इसके लिए फॉर्म-1, फॉर्म-2 और फॉर्म-3 का प्रावधान किया गया है। यह नियम समाज में वंचित और उपेक्षित वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। खासकर मुसलमानों में विधवाओं और तलाकशुदा महिलाओं की आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक होती है। ऐसे में वक्फ संपत्तियों से उन्हें लाभ देना कुरआनी न्याय की भावना के अनुरूप भी है। उदाहरण के लिए पटना के फुलवारी शरीफ इलाके में एक लावारिस वक्फ संपत्ति वर्षों से बंद पड़ी थी। अब उसका किराया स्थानीय गरीब महिलाओं को मिलेगा। दिल्ली के बवाना इलाके में ऐसी ही संपत्ति से 10 अनाथ बच्चों की स्कूल फीस भरी जाएगी। नियम के अनुसार, जिला कलक्टर की सिफारिश पर गलत वक्फ घोषणा की जांच 1 साल में पूरी करनी होगी। उसके बाद राज्य सरकार को 90 दिनों में औकाफ सूची को गजट में प्रकाशित कर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। इसमें वक्फ की सीमाएं, उद्देश्य, उपयोगकर्ता, और मुतवल्ली का विवरण शामिल होगा। अब प्रत्येक वक्फ को वार्षिक लेखा परीक्षण (अ४ि३) कराना होगा। वक्फ संपत्तियों की किराया वसूली, नवीनीकरण, रखरखाव की जानकारी सार्वजनिक पोर्टल पर होगी।

जाम के झाम से मुक्ति के हों पुख्ता इंतजाम

27 जून को इंदौर-देवास हाईवे पर करीब पर 40 घंटे तक 8 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसमें 4000 से ज्यादा वाहन फंस गए थे। इस दौरान 3 लोगों की जान चली गई। 14 जून को केरल के कन्नूर में कोट्टियूर के पास एक तीन वर्षीय बच्चे की अस्पताल ले जा रही एम्बुलेंस के भीषण ट्रैफिक जाम में फंस जाने से मौत हो गई। 07 जून दिल्ली से आए एक 62 वर्षीय पर्यटक कमल किशोर टंडन की मसूरी में भीषण ट्रैफिक जाम में फंसने के बाद अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। 6 मई 28 उम्र के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र में एक डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और राजमार्ग पर तीन घंटे तक जाम फंसे रहने की वजह से उसे वक्त पर उचित उपचार नहीं मिला और इस वजह से उसकी मौत हो गई। 24 अप्रैल हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में मुख्य बाजार देहरा में निर्माण कार्य के कारण लगे भारी जाम ने 75 साल के बुजुर्ग की ज़िंदगी छीन ली। 24 फरवरी कोटा राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर दरा नाल में लगने वाले भीषण जाम ने एक मासूम की जान ले ली। ये तो बानगी भर है। इस तरह की खबरें अक्सर सुनने, पढ़ने और देखने को मिलती हैं। दो चार दिन के हो हल्ले के बाद गाड़ी पुराने ढर्रे पर दौड़ने लगती है। ताजा प्रकरण इंदौर-देवास हाईवे पर 40 घंटे के जाम का है। 40 घंटे का जाम था...कोई सोच भी नहीं सकता कि आजादी के 75 साल बाद, 40 किलोमीटर का रास्ता तय करने में 40 घंटे लग सकते हैं। दिल्ली से न्यूयॉर्क जाने में आमतौर पर 16 से 20 घंटे लगते हैं। मतलब जितने में दिल्ली से न्यूयॉर्क की फ्लाइट का आना जाना हो जाए, उतने में इंदौर से देवास नहीं पहुंच सके। इंदौर से देवास तक का रास्ता महज 40 किलोमीटर है। मध्य प्रदेश के हाई कोर्ट ने फटकार लगाते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआई को इस घटना के लिए जिम्मेदार बताया था। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। 30 जून को अदालत में जवाब देते हुए एनएचएआई के वकील ने कहा कि हलोग बिना जरूरी काम के इतनी सुबह घर से बाहर निकलते ही क्यों हैं?ह्व एनएचएआई की इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया। उनके इस बयान को सुनकर लोगों को ऐसा लग रहा है कि एनएचएआई घटना की जिम्मेदारी लेने से बच रहा है और घटना के लिए आम लोगों को ही दोषी बताने की कोशिश कर रहा है। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। विवाद बढ़ने पर एनएचएआई ने कहा कि, यह टिप्पणी अथॉरिटी के आधिकारिक विचारों को नहीं दर्शाती। देश में जहां एक तरफ ट्रैफिक की समस्या से निजात पाने के लिए सड़कों, हाई-वेज और एक्सप्रेस-वेज को बनाने का काम जोरों-शोरों पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे शहर भी हैं, जो अंदरूनी ट्रैफिक से काफी ज्यादा परेशान हैं। असल में, ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़े ही नहीं बल्कि छोटे शहर भी जूझते हैं। लेकिन बड़े शहरों में यह एक संकट का रूप लेने लगा है। एक जानकारी के मुताबिक एक घंटे जाम में एक लीटर ईंधन बर्बाद होता है। जितनी ईंधन की खपत होगी, उतना ही ज्यादा सीओटू उत्सर्जन भी होगा, जो पर्यावरण और प्रदूषण के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदायक होता है। एक अनुमान के अनुसार, महानगरों में और हाईवे पर हर साल लगने वाले ट्रैफिक जाम से हर साल तकरीबन 1.4 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो रहा है। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2024 के अनुसार, देश में कोलकाता का ट्रैफिक सबसे धीमा है। बेंगलुरु ने इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जगह बनाई है। कमोबेश ऐसे हालात दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, पुणे, चंडीगढ़, गुरुग्राम, लखनऊ, जयपुर, कानपुर, अमृतसर, अहमदाबाद, वाराणसी और देश के अन्य महानगरों और शहरों के हैं। डाक्टरों के अनुसार, जाम में फंसने वालों को अकसर ब्लड प्रेशर बढ़ने, बर्नआउट, सांस की बीमारी, डिहाईड्रेशन, फीवर, घबराहट, सीने में दर्द आदि बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गंभीर मरीज लंबे समय तक जाम में फंस जाए तो उसकी मौत भी हो सकती है। 2022 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि यदि अब जाम में एंबुलेंस फंसी तो इसे अपराध माना जाएगा और मरीज को नुकसान पहुंचाने के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ई-वोटिंग: लोकतंत्र की मजबूती या तकनीकी जटिलता

डिजिटल असमानता और भरोसे की कमी को दूर किए बिना इसका व्यापक क्रियान्वयन उचित नहीं होगा। ई-वोटिंग का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते इसे संतुलित, सुरक्षित और समावेशी ढंग से लागू किया जाए....भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हैझ जनभागीदारी। यह भागीदारी जितनी व्यापक होती है, उतना ही लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब आम चुनावों में भी 100 में से केवल 60-65 लोग ही अपने मताधिकार का उपयोग करते हैं, तो सवाल उठता है कि शेष 35-40 प्रतिशत वोटर क्यों चुप रह जाते हैं? क्या यह निष्क्रियता है, उदासीनता है, या व्यवस्था की असुविधा? इस संदर्भ में ई-वोटिंग (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग, मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से) को भविष्य का समाधान बताया जा रहा है। हाल ही में बिहार में हुए नगर निकाय उपचुनाव में एक ऐतिहासिक प्रयोग हुआ-मोबाइल ऐप के जरिए कुछ क्षेत्रों में वोटिंग करवाई गई और उस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। यह प्रयोग कई मायनों में संकेत देता है

डॉ. सत्यवान सौरभ

(लेखक)

ई-वोटिंग मतदान प्रक्रिया को सरल, सुलभ और व्यापक बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। बिहार के प्रयोग से स्पष्ट है कि मोबाइल ऐप के माध्यम से मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी संभव है। हालांकि, तकनीकी पहुंच, साइबर सुरक्षा, मतदाता की पहचान और गोपनीयता जैसी चुनौतियाँ इस प्रणाली के समक्ष खड़ी हैं। डिजिटल असमानता और भरोसे की कमी को दूर किए बिना इसका व्यापक क्रियान्वयन उचित नहीं होगा। ई-वोटिंग का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते इसे संतुलित, सुरक्षित और समावेशी ढंग से लागू किया जाए....भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हैझ जनभागीदारी। यह भागीदारी जितनी व्यापक होती है, उतना ही लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब आम चुनावों में भी 100 में से केवल 60-65 लोग ही अपने मताधिकार का उपयोग करते हैं, तो सवाल उठता है कि शेष 35-40 प्रतिशत वोटर क्यों चुप रह जाते हैं? क्या यह निष्क्रियता है, उदासीनता है, या व्यवस्था की असुविधा? इस संदर्भ में ई-वोटिंग (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग, मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से) को भविष्य का समाधान बताया जा रहा है। हाल ही में बिहार में हुए नगर निकाय उपचुनाव में एक ऐतिहासिक प्रयोग हुआ-मोबाइल ऐप के जरिए कुछ क्षेत्रों में वोटिंग करवाई गई और उस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। यह प्रयोग कई मायनों में संकेत देता है कि यदि तकनीक को सही तरीके से अपनाया जाए तो चुनावी भागीदारी क्रांतिकारी रूप से बढ़ सकती है। कई बार यह माना जाता है कि जो लोग वोट नहीं डालते, वे लोकतंत्र को गंभीरता से नहीं लेते। लेकिन यह दृष्टिकोण अधूरा है। प्रवासी मजदूर, जो चुनाव के समय अपने घर नहीं लौट पाते; वृद्ध या अस्वस्थ नागरिक, जो लंबी कतारों में खड़े नहीं हो सकते; और दूरदराज क्षेत्रों के नागरिक, जहाँ मतदान केंद्र तक पहुँचना एक कठिनाईपूर्ण कार्य है- इन सभी को यदि घर बैठे सुरक्षित और विश्वसनीय माध्यम से वोट डालने का विकल्प मिले, तो शायद भारत का मतदान प्रतिशत 90% तक पहुँच सकता है। ई-वोटिंग का सबसे बड़ा लाभ है सुलभता। मोबाइल फोन आज हर हाथ में है। यदि बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, नौकरी आवेदन-सब कुछ मोबाइल से हो सकता है, तो मतदान क्यों नहीं? ई-वोटिंग से लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं रहती, दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए राहत होती है, कामकाजी वर्ग को कार्यालय से छुट्टी लेने की बाध्यता नहीं होती और प्रवासी नागरिक भी मतदान कर सकते हैं। यह तकनीक ह्यहर मतदाता तक पहुंचनेह्व के लक्ष्य को साकार कर सकती है। ई-वोटिंग जितनी आकर्षक है, उतनी ही चुनौतियों से घिरी भी है। सबसे पहले साइबर सुरक्षा का प्रश्न आता है-क्या वोट सुरक्षित रहेंगे? क्या हैकिंग या डेटा लीक से लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है? दूसरा प्रश्न है प्रामाणिकता-मोबाइल पर वोट डालने वाले व्यक्ति की पहचान कैसे सुनिश्चित होगी कि वह वही मतदाता है? तीसरा प्रश्न है गोपनीयता-वोट की गोपनीयता कैसे कायम रहेगी जब व्यक्ति अपने घर में बैठकर वोट डाल रहा है? चौथा प्रश्न है टेक्नोलॉजी की पहुंच-क्या भारत का हर नागरिक स्मार्टफोन, इंटरनेट और ऐप का उपयोग करने में सक्षम है? बिहार नगर निकाय चुनाव में ई-वोटिंग को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया था। मोबाइल ऐप आधारित वोटिंग से बूथ स्तर पर बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। इससे यह प्रमाणित हुआ कि तकनीक अपनाने से न केवल सुविधा बढ़ती है, बल्कि मतदाता सक्रियता भी। लेकिन इसे पूर्णतः सफल मानना जल्दबाजी होगी। यह प्रयोग सीमित क्षेत्र, चयनित मतदाताओं, और निगरानी में किया गया था। पूरे देश में इस मॉडल को लागू करना वृहद तैयारी, भरोसेमंद तकनीकी आधारभूत ढाँचा और कानूनी वैधता की मांग करेगा। भारत में आज भी 70 करोड़ से अधिक लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, जिनमें से बहुतों के पास स्मार्टफोन या तेज इंटरनेट नहीं है। डिजिटल साक्षरता की कमी, महिलाओं की तकनीकी पहुंच, बुजुर्गों का तकनीक के प्रति झुकाव-यह सभी कारक ई-वोटिंग को समावेशी नहीं, बल्कि विभाजनकारी बना सकते हैं, यदि इसे बिना तैयारी के लागू किया जाए। इसलिए आवश्यक है कि वोटर वेरिफिकेशन सिस्टम तैयार किया जाए, जैसे आधार कार्ड आधारित डळढ, फेस रिकग्निशन, या बायोमेट्रिक लॉगिन। पहले कुछ महानगरों या संस्थानों में स्वैच्छिक रूप से इसे लागू कर प्रभाव का अध्ययन किया जाए। हर चरण पर डेटा एन्क्रिप्शन और ट्रैकिंग सिस्टम का निर्माण हो। ग्रामीण और अशिक्षित वर्ग को तकनीकी मतदान की प्रक्रिया समझाई जाए। यह भी आवश्यक है कि कोई भी वोटर दबाव में या निगरानी में वोट न करे, इसके लिए गोपनीयता कानून स्पष्ट हों। ई-वोटिंग लोकतंत्र को और भी पारदर्शी बना सकती है, बशर्ते उस पर जनविश्वास हो। यदि सही तकनीक, मजबूत साइबर सुरक्षा, पारदर्शिता, और व्यापक जनशिक्षा को मिलाया जाए, तो ई-वोटिंग न केवल मतदान प्रतिशत बढ़ा सकती है, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त, समावेशी और समयानुकूल बना सकती है। कोई भी प्रणाली तभी सफल होती है जब उस पर जनविश्वास हो। ई-वोटिंग में सबसे बड़ी चुनौती है लोगों का भरोसा जीतना। जिस दिन यह विश्वास बन जाएगा कि ह्यमोबाइल पर दिया गया मेरा वोट उतना ही सुरक्षित और गोपनीय है जितना मतदान केंद्र परह्व, उसी दिन भारत में 90% से अधिक मतदान हो सकता है। ई-वोटिंग कोई कल्पना नहीं, बल्कि एक संभावनाशील भविष्य है। लेकिन इसे जल्दबाजी में नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, समावेशिता और सुरक्षा के साथ अपनाना होगा। लोकतंत्र की मजबूती केवल कानूनों से नहीं, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से बनती है। और यदि तकनीक उस भागीदारी को सहज बना सकती है, तो क्यों न उसका स्वागत किया जाए-सोच-समझकर, संतुलन के साथ।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी। चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, ह्यस्वर्ण कलशह्व प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी। चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, ह्यस्वर्ण कलशह्व प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे ह्यस्वर्ण कलशह्व प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है। दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक ह्यधार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानूनह्व लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है। 1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक ह्यदलाई लामाह्व घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक ह्यराजनीतिक कठपुतलीह्व खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी। चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है। धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी ह्यनकलीह्व दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा।

भाषा के बिना गूंगा होता है राष्ट्र

समाज को एक सूत्र में पिरोने का सबसे अच्छा कार्य भाषा ही करती है। भाषा इतनी शक्तिशाली है कि यह कई बार क्षेत्र, रंग, लिंग, जाति और धर्म पर भी भारी पड़ जाती है। बांग्लादेश भाषा के कारण पाकिस्तान से अलग हो गया था। बात हिंदी की करें तो, हिंदी का स्वतंत्रता संग्राम में बड़ा योगदान रहा है, इसलिये हिंदी को राजभाषा तो माना गया पर, राजनैतिक हानि-लाभ के चलते हिंदी को राष्ट्र भाषा वाला गौरव आज तक नहीं मिल पाया है। हिंदी को क्षेत्रीय भाषाओं के समकक्ष खड़ा करने का प्रयास भी किया जाता है तो, बड़ा राजनैतिक बवंडर होने लगता है, जबकि हिंदी को अब विश्व स्वीकार रहा है, वो विश्व की तीसरी बड़ी भाषा बन गई है। हिंदी इंटरनेट पर भी धूम मचा रही है। अब किसी तकनीक की कल्पना हिंदी के बिना की ही नहीं जा सकती लेकिन, महाराष्ट्र के कुछेक नेता हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में भी स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, इस सब पर ही चर्चा कर रहे हैं... यह है त्रि-भाषा नीति विवाद महाराष्ट्र सरकार ने 17 जून को आदेश जारी कर कहा था कि कक्षा- एक से कक्षा- पांच तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जायेगा। हालांकि आदेश में यह भी कहा गया कि अगर किसी स्कूल में हर कक्षा में कम से कम 20 छात्र किसी अन्य भारतीय भाषा को पढ़ना चाहें तो, वे हिंदी से छूट पा सकते हैं, इसके लिये या तो नया शिक्षक नियुक्त किया जायेगा या, ऑनलाइन कक्षाओं की व्यवस्था की जायेगी, इस पर कई शिक्षाविदों, मराठी भाषा प्रेमियों और भाषा सलाहकार समिति ने आपत्ति जताई थी, उनका तर्क था कि प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा पर ही ध्यान होना चाहिये अन्यथा, बच्चों की भाषा सीखने की क्षमता कमजोर होगी। सरकार ने निरस्त किये आदेश महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के आदेश को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निरस्त करने की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस विषय पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है और दोनों पुराने सरकारी आदेश (जीआर) निरस्त कर दिये गये हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि आज तीन-भाषा नीति पर मंत्रिमंडल में चर्चा हुई। हमने तय किया है कि डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जायेगी, जो यह तय करेगी कि किस कक्षा से कौन-सी भाषा लागू की जाये, कैसे की जाये और छात्रों को क्या विकल्प दिए जायें, उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक यह समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को नहीं सौंपती तब तक 16 अप्रैल 2025 और 17 जून 2025 को जारी दोनों सरकारी आदेश निरस्त माने जायेंगे, वहीं महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार ने तीन-भाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित दो सरकारी संकल्प वापस ले लिये हैं और डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता वाली एक नई समिति इसका अध्ययन करेगी और अपनी रिपोर्ट पेश करेगी... जो लोग हमारे विरुद्ध आरोप लगा रहे हैं, जब वे सत्ता में थे तो, उन्होंने तीन भाषाओं मराठी, अंग्रेजी और हिंदी की शिक्षा को अनिवार्य कर दिया था, जिसकी सिफारिश रघुनाथ माशेलकर समिति ने की थी... जब वे सत्ता में थे तो, उनकी राय अलग थी और अब जब, वे सत्ता में नहीं हैं तो, वे अलग तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं... जनता जानती है कि मराठी भाषी लोगों के मुंबई छोड़ने के लिये कौन जिम्मेदार है और हमारी सरकार उन्हें वापस मुंबई ला रही है। भाषा सलाहकार समिति लेगी यह निर्णय महाराष्ट्र सरकार की ओर से नियुक्त भाषा सलाहकार समिति ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अपील की थी कि इस निर्णय को तुरंत वापस लिया जाये। पुणे में आयोजित एक बैठक में समिति के 27 में से 20 सदस्य उपस्थित थे, इस बैठक में सर्व-सम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि कक्षा- पांच से पहले किसी भी तीसरी भाषा को पढ़ाना उचित नहीं है, इस बैठक में मराठी भाषा विभाग के सचिव किरण कुलकर्णी भी उपस्थित थे। अब 27 सदस्यीय भाषा सलाहकार समिति यह तय करेगी कि तीसरी भाषा कौन सी कक्षा से शुरू की जाये। समिति भाषा लागू करने का तरीका खोजेगी। छात्रों को कितने और कौन से विकल्प दिये जाये, इस बारे में भी समिति नीति बनायेगी। मंत्री के आरोप पर पूर्व मंत्री ने दिया जवाब महाराष्ट्र सरकार के मंत्री उदय सामंत ने शुक्रवार को कहा था कि पहली कक्षा से हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य करने की मंजूरी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार ने मंजूर की थी, इस पर कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने महायुति सरकार के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें महायुति सरकार ने दावा किया है कि पूर्व की महाविकास अघाड़ी सरकार ने राष्ट्रीयय शिक्षा नीति के अंतर्गत तीन भाषा नीति को स्वीकार किया था। वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि महाराष्ट्र पर जबरन हिंदी थोपने को बर्दाश्त नहीं करेंगे। पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री और कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा था कि हम हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं हैं लेकिन, हम महाराष्ट्र में इसे जबरन थोपने को स्वीकार नहीं करेंगे। भाजपा विधायक ने साधा निशाना भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुये कहा था कि विपक्षी दल महाराष्ट्र के लोगों को गुमराह कर रहे हैं कि स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को अनिवार्य विषय बनाया जा रहा है। दरेकर ने कहा था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के अंतर्गत लागू त्रिभाषा फॉमूर्ला में हिंदी को अनिवार्य नहीं किया गया है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इसे दोहराया है। उन्होंने कहा कि यह उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महाविकास अघाड़ी सरकार थी,

पीडीएस डीलर हैं प्रशासन और जनता के बीच अहम कड़ीः जिलाधिकारी

सदर अनुमंडल के डीलरों को कार्यशाला के माध्यम से दी गई जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। पीडीएस डीलर प्रशासन और जनता के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। आपकी पहुंच सीधे तौर पर घरों तक होती है। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अमन समीर ने सदर अनुमंडल के जनवितरण प्रणाली के डीलरों के प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर आयोजित की गयी थी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह कोई नया काम नहीं,और न ही पहली बार हो रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार साल में तीन बार अर्हता तिथि को पुनरीक्षण सतत चलता है। उसी प्रकार यह भी अभियान है। इसमें केवल यह अन्तर है कि मतदाताओं का सत्यापन भी कराया जा रहा है। बिहार में गहन पुनरीक्षण 2003 में भी हुआ था। 20 साल में उसमें बहुत से नाम जुड़े तो अशुद्धियां भी रह गयी हैं। उन्हें ही ठीक कर एक हेल्दी मतदाता सूची बनाने के लिए गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता है। अभियान के तहत बीएलओ के माध्यम से सभी मतदाताओं को प्रीफिल्ड गणना फॉर्म उपलब्ध कराया जा रहा है। जिनपर हस्ताक्षर कर एक डाक्यूमेंट के साथ वापस करना है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह एक बहुत बड़ा अभियान है। इसमें आपसे सहयोग की अपेक्षा है। आप जनता के बीच प्रशासन की आंख के रूप में हैं। कम से कम 200 घरों से आपका सीधा जुड़ाव है। आप परिवार के सदस्यों से भी वाकिफ हैं। लोगों को फॉर्म वितरण कराने और कलेक्शन में मदद करें। ताकि कोई एक भी योग्य मतदाता छूटे नहीं। बीएलओ के समपर्क में रहें और उनको दैनिक रूप से फॉर्म अपलोड करने के लिए भी प्रेरित करें। डीएम ने 2003 के मतदाता सूची के ऑनलाईन उपलब्ध होने और बीएलओ के पास हार्ड कॉपी होने की जानकारी देते हुए बताया कि उसमें जिनके नाम हैं उन्हें अपने और बच्चों के लिए वह मान्य डाक्यूमेंट होगा। कोई दूसरा कागज या प्रमाण पत्र देने की आवश्यकता नहीं। जिलाधिकारी ने अभियान चला कर चार से पांच दिनों में कार्य पूरा कराने में सहयोग की अपील की। जिला आपूर्ति पदाधिकारी कमरे आलम को अन्य अनुमंडल में भी कार्यशाला आयोजित करने का निदेश दिया। अनुमंडल पदाधिकारी नीतेश कुमार को सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से अभियान की मॉनीटरिंग कराने और रिपोर्ट करने का निर्देश देने को कहा। पूर्व में उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रुपरेखा, महत्वपूर्ण तारीख और मान्य कागजात की जानकारी दी।

प्रधानमंत्री जी के स्वावलंबी भारत मिशन का अभियान दूत बनेंगे नगर निकाय:गरिमा

- स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में अव्वल बनी बिहार की महापौर गरिमा देवी सिकारिया को मिला नेतृत्व
- पॉवर प्वॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से महाभारत काल स्थानीय निकायों के अस्तित्व का दिया परिचय

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रजेंटेशन के आधार पर बिहार को अग्रणी भागीदार घोषित किया गया है। 21वीं सदी के 2047 में विकसित भारत के वास्तुकार रूप में महिलाओं की भागीदारी के विषय पर समूह चर्चा के आधार पर अव्वल बने बिहार का नेतृत्व करने को लेकर महापौर गरिमा देवी सिकारिया को प्रजेंटेशन प्रस्तुत करने के रूप में नेतृत्व का अवसर मिला। अपने पॉवर प्वॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि भारतवर्ष में स्थानीय निकायों का इतिहास करीब पांच हजार साल पुराना है। महाभारत काल स्थानीय निकायों के अस्तित्व का परिचय देते हुए महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि कि तब पूरा और पौरा के रूप में स्थानीय निकायों को स्थापित किया गया था। वही तालियों की शाबाशी के बीच श्रीमती सिकारिया ने कहा कि हम नगर निकाय विकसित भारत की बुनियाद के रूप अपने यशस्वी प्रधानमंत्री जी के ह्यस्वावलंबी भारत मिशनह्न का अभियान दूत बनेंगे। उन्होंने बताया कि अपने निकाय क्षेत्र में सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देकर स्थापित करेंगे। अपने पीपीटी सत्र की ओजस्वी अध्यक्षता में महापौर श्रीमती सिकारिया ने उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री और अब राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा की विद्वता पूर्ण अध्यक्षता के लिए आभार जताया।

संसद भवन में आयोजित निकाय प्रतिनिधियों के विशेष बैठक की ओम बिड़ला ने की अध्यक्षता

बेतिया। स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन देर शाम तक पुराने संसद भवन में निकाय प्रतिनिधियों के विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस विशेष और प्रेरक सत्र की अध्यक्षता लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला ने की । इस मौके पर महापौर गरिमा देवी सिकारिया समेत सभी प्रतिभागी प्रतिनिधियों को सवाल पूछने और आसान की भूमिका का व्यवहारिक प्रदर्शन दिखाया गया। बैठक के अंत में अग्रिम पंक्ति के नगर निकाय प्रतिनिधियों के साथ लोक सभा अध्यक्ष में फोटो भी खिंचवा कर उत्साह वर्द्धन किया। इस क्रम में श्री बिड़ला ने बताया कि अपने देश में त्रिस्तरीय सदन की शासन व्यवस्था है। आप सब देश प्रथम सदन का नेतृत्व करने वाले हैं। इस लिए इस तीसरे सदन का अनुभव प्राप्त करना आप सबको निश्चय ही अच्छा लगा होगा। इसके बाद पुराने और नए संसद भवन का भ्रमण देश भर से पहुंचे स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों को कराया गया।

संक्षिप्त खबरें

सर्पदंश से युवक की मौत

लहलादपुरः सर्पदंश से एक युवक की मौत हो गयी. जिससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हुआ है. मृतक बृहस्पतिवार की रात्रि अपने मकान के दरवाजे पर टहल रहा कि उसे सर्प ने डंस लिया. चिकित्सा एवं झारफूंक के बावजूद भी उसे बचाया नहीं जा सका. वह जनता बाजार थाना क्षेत्र के बसहीं गांव निवासी भगवान साह का 25 वर्षीय पुत्र विकास कुमार साह बताया जाता है. परिजनों ने बताया कि मृतक सहाजितपुर स्थित अपने कपड़े के दूकान से आया था, बिजली गायब थी और घर में गर्मी काफी अधिक थी. बाहर हवा खाने के क्रम में यह घटना घटी.

केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल 9 जुलाई से

छपरा ' बैंक कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन ऑल इंडिया बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन एवं बैंक एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर एसोसिएशन के संयुक्त आह्वान पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 9 जुलाई 25 को राष्ट्र व्यापी बैंक हड़ताल रहेगा। विदित हो किया यह हड़ताल बैंकों में पर्याप्त बहाली, बैंकों के निजीकरण नहीं करने, बैंकों में ठेकेदारी प्रथा बंद करने, पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने, ग्राहकों का सेवा शुल्क कम करने आदि मांगों सहित केंद्रीय ट्रेड यूनियन के मांगों के समर्थन एवं केंद्र सरकार की जन एवं श्रमिक विरोधी कानून के विरोध में किया गया है। बिहार प्रोविंशियल बैंक इंप्लाइज एसोसिएशन के जिला सहसचिव मनोज कुमार सिंह , बैंक एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के मनोज कुमार ठाकुर एवं ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष जयशंकर प्रसाद में दावा किया है कि बुधवार 9 जुलाई 25 औद्योगिक हड़ताल के दिन जिले के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज पूर्णतः ठप रहेगा।

पोखर से मगरमच्छ का रेस्क्यू गंडक नदी में सुरक्षित, छोड़ा गया

बगहा। चंपापुर गोनौली पंचायत के मछली पलकों द्वारा वन विभाग से पिछले कई दिनों से सूचना देखकर गुहार लगाई जा रही थी कि पोखरा में घुसकर मगरमच्छ मछलियों को मार कर खा रहा है जिससे मछली पलकों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने जानकारी देते हुए बताया कि बायोलॉजिस्ट सौरभ वर्मा के नेतृत्व में शनिवार के दोपहर 12 बजे मगरमच्छ का रेस्क्यू किया गया।जिसे बाद में सुरक्षित वीटीआर के चुलभट्टा के समीप गंडक नदी में छोड़ दिया गया।चंपापुर निवासी मुखिया स्वर्गीय नंदलाल महतो के बेटे ओमप्रकाश महतो ने बताया कि गांव के समीप बने शिवराय के पोखर में मगरमच्छ घुस आया था।जिसका रेस्क्यू किया गया है।बतादें की इस क्षेत्र में नहरों का जाल बिछा हुआ है और यह क्षेत्र गंडक नदी के समीप है।जहां मगरमच्छ गंडक नदी से नहर के रास्ते बांध को पार कर पोखरा में पहुंचकर पोखरे के मछलियों का शिकार कर रहा था ।यह कोई पहली घटना नहीं है,जब किसी मगरमच्छ का पोखरे से रेस्क्यू किया गया हो।इससे पहले भी कई दफा मगरमच्छ का वनकर्मियों द्वारा पोखरा से रेस्क्यू किया जाता रहा है।

7 वां अंतर्राष्ट्रीय होमियोपैथी सम्मेलन वियतनाम में होम्योपैथी अवार्ड से होंगे कई सम्मानित

बेतिया। इस साल 7 वां अंतर्राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन वियतनाम में हो रहा है उत्तर प्रदेश,बिहार, झारखंड,बंगाल, असम समेत कई राज्यों के चिकित्सक इसमें शामिल होंगे। 21 अगस्त को होनेवाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश-विदेश के होम्योपैथी चिकित्सकों को एक मंच पर लाया जायेगा। वेल्सन होमियोपैथी द्वारा आयोजित इस 7 वां इंटरनेशनल होम्योपैथी समिट में होम्योपैथी विशेषज्ञ और चिकित्सक शामिल होंगे।जानकारी देते हुए वेल्सन होमियोपैथी के एमडी डॉ.संजय कुमार सिंह ने बताया कि वेल्सन होमियोपैथी द्वारा हर साल एक राष्ट्रीय और एक अंतर्राष्ट्रीय होमियोपैथी सम्मेलन का आयोजन किया जाता है जिसमें शामिल चिकित्सकों द्वारा होमियोपैथी द्वारा जटिल बीमारियों से ठीक कर चुके केस को साझा किया जाता है।कार्यक्रम में होमियोपैथी के नए अपडेट की भी चर्चा की जाती है। डॉ संजय ने बताया कि कार्यक्रम में होम्योपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को होम्योपैथी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

बज्म-ए-हबीब ने शिक्षा , लेखन , पत्रकारिता , रंगमंच एवं समाजसेवा क्षेत्र के उत्कृष्ट 11 मनीषियों को सम्मानित किया

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बज्म-ए-हबीब (साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था) ने अपने - अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले देश भर के कुल 11 मनीषियों को स्वामी विवेकानंद स्मृति राष्ट्रीय सम्मान -2025 से सम्मानित किया। बज्म-ए-हबीब (साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था) की चयन समिति ने देश भर के शिक्षा , लेखन , पत्रकारिता , रंगमंच तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय और उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 मनीषियों का चयन किया था। बज्म-ए-हबीबह्न के संस्थापक सचिव एवं हिन्दी , उर्दू और भोजपुरी के नामचीन शाइर , लेखक और समाजसेवी डॉ. ऐनुल बरौलवी का जन्मदिन प्रत्येक वर्ष की तरह इस साल भी साहित्यिक रूप में मनाया गया। संस्था की चयन समिति के निर्णयानुसार संस्थापक सचिव डॉ. ऐनुल बरौलवी का जन्मदिन साहित्यिक रूप में मनाया गया। इस अवसर पर संस्था की चयन समिति द्वारा चयनित देश भर के कुल 11 मनीषियों को स्वामी विवेकानंद स्मृति राष्ट्रीय सम्मान -2025 से सम्मान पत्र जारी कर ऑनलाइन सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में बिहार से डॉ.जौहर शफि याबादी , गोपालगंज (शिक्षा) , डॉ. विद्या भूषण श्रीवास्तव , छपरा (पत्रकारिता) , डॉ.मीना कुमारी परिहार , पटना (लेखन) , मोहित सिंह , छपरा (लेखन) , डॉ. मनोज संकल्प , छपरा (समाजसेवा) और उत्तरप्रदेश से अब्दुल अजीज सिद्दीकी , लखनऊ (पत्रकारिता) , अनिल त्रिपाठी , लखनऊ (पत्रकारिता) एवं आंध्रप्रदेश से डॉ.चक्रवर्ती कडपागंडला , प्रोद्दुर (समाजसेवा) तथा राजस्थान से ममता शर्मा अंचल , अलवर (शिक्षा) , दिनेश त्रिपाठी ह्यदीवानाह्न , भीलवाड़ा (पत्रकारिता) , विजय मिश्र दानिश, जयपुर (रंगमंच) आदि हैं। बज्म-ए-हबीब की अध्यक्षा एवं शाइरा शाफि या हसन शाफी , कार्यकारी अध्यक्ष ई.नोमान अहमद अंसारी , उपाध्यक्षा एवं शाइरा रज़िया खातून ह्यरज़ियाह्न , संस्थापक सचिव एवं शाइर डॉ.ऐनुल बरौलवी , कोषाध्यक्ष शाहिद हसन , सदस्य गण प्रो. (डॉ.) शहनाज हसन , ई.रुखसाना हक , डॉ. निकहत रज़िया , ई. अजीमुल हक तथा डॉ. इरशाद अहमद , रामावतार यादव , सुनील कुमार आदि ने सम्मानित सभी मनीषियों को बधाई दी है।

योगियां हाईस्कूल में शिक्षिका नेहा को स्थानांतरण पर दी गई विदाई

रसूलपुर। स्थानीय आर एन हाईस्कूल योगियां की शिक्षिका नेहा कुमारी की स्थानांतरण विदाई दी गई।प्रधानाचार्य लालबाबू यादव ने कहा कि एक साल में ही नेहा ने शिक्षक सहकर्मी और छात्रों को अपने कर्तव्य व आचरण से प्रभावित कर चुकी थीं।वहीं नेहा ने कहा कि एक तरफ स्थानांतरित हो कर उन्हें गोपालगंज जिले के अपने गांव के नजदीक परिजनों के साथ रह कर ड्यूटी करने की खुशी है तो दूसरी तरफ अपने निवर्तमान स्कूल के प्रिय शिक्षाकर्मी साथियों व अपने छात्रों से बिछड़ने का अफसोस भी है।फिर भी योगिया हाईस्कूल मेरा मातृ स्कूल है इसकी यादें आजीवन मेरे साथ रहेंगी।संचालन कंप्यूटर शिक्षक अतुल कुमार ने किया।मौके पर वरिष्ठ शिक्षक रामेश्वर गोप,विकास उपाध्याय ,राकेश तिवारी ,उमेश पांडेय ,धर्मेन्द्र तिवारी, नेहा,कपूरी ठाकुर,श्यामबाबू, बृजकिशोर,दीपक,दिनेश दूबे,अर्चना ,पूर्णिमा, कामिनी सिंह,सुनैना ,सुमन यादव ,श्रेया ,लूसी, दुर्गेशनंदिनी ,सिद्धि , राहुल गुप्ता अमरनाथ गुप्ता, विजय कुमार गुप्ता,राजकुमारी,लाइब्रेरियन कपुरी ठाकुर, आशिफ इकबाल,राहुल कुमार, मो इरफान,हर्षवर्धन यादव ,कुमार प्रिंस ,रात्रि प्रहरी शिवकुमार यादव,आदेशपाल उदयशंकर आदि विद्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के छोटे भाई पंचतत्व में विलीन, शव यात्रा में राजनेताओं व गणमान्य लोगों की उमड़ी भीड़

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय महाराजगंज के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के छोटे भाई और बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह के बड़े भाई, छपरा के पूर्व विधायक रणधीर सिंह के चाचा तथा युवराज सुधीर सिंह के पिता दीनानाथ सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को उनके पैतृक गांव मशरक से शव यात्रा निकालकर डोरीगंज घाट पर गंगा नदी के किनारे गमगीन माहौल में किया गया। उनके निधन की खबर मिलते ही शनिवार की सुबह उनके मशरक बड़हिया टोला स्थित आवास से हजारों लोगों की उपस्थिति में शव यात्रा निकाली गई। अंतिम यात्रा में परिवार के सभी सदस्यों के साथ-साथ क्षेत्र के हजारों लोगों ने शामिल होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए और अंतिम विदाई दी। बता दें कि दीनानाथ सिंह बीते छह माह से बीमार चल रहे थे और हजारीबाग जेल में सजा के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली एम्स में उनका इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। निधन की सूचना मिलते ही शव उनके गांव लाया गया। पैरोल पर छूट कर आए उनके बड़े भाई और पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह भी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। शव यात्रा में सारण, छपरा, सीवान, गोपालगंज, पटना सहित झारखंड के कई राजनेता, जनप्रतिनिधि, मुखिया, प्रखंड प्रमुख, पूर्व जिला पार्षद, शिक्षक, व्यवसायी और समाजसेवी शामिल हुए और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। साधारण परिवार में जन्मे दिवंगत दीनानाथ सिंह के पिता बासुदेव सिंह टायर गाड़ी चलाकर और खेती-बाड़ी से जीवन यापन करते थे। चार भाई और एक बहन में दूसरे स्थान पर रहे दीनानाथ सिंह ने वर्ष 1977 में उच्च विद्यालय मशरक से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वर्ष 1980 से उन्होंने अपने बड़े भाई के साथ सामाजिक और राजनीतिक जीवन की शुरूआत की और 1985 के बाद सारण की राजनीति में किंगमेकर की भूमिका निभाते रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें याद करते हुए कहा कि उन्होंने सैकड़ों युवाओं को प्रेरित कर स्वावलंबी बनाया। जीवनभर अपने बड़े भाई प्रभुनाथ सिंह के साथ एक मजबूत स्तंभ की तरह खड़े रहे और परिवार को सामाजिक और राजनीतिक शिखर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हत्या के आरोपों के बावजूद वे अंत तक अपने आदर्शों और परिवार के प्रति समर्पित रहे।

एकमा होकर 33 फेरों में चलेगी श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन, श्रद्धालु कांवड़ियों व यात्रियों को यात्रा में मिलेगी विशेष सहुलियत

प्रात: किरण संवाददाता

एकमा। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी सावन माह में झारखंड के देवघर में लगने वाले श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालु कांवड़ियों व यात्रियों की होने वाली अत्यधिक भीड़ को ध्यान में रखते हुए मेला यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 05028/05027 बढ़नी-देवघर-बढ़नी वाया गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, एकमा व छपरा होकर श्रावणी मेला विशेष गाड़ी का संचलन 09 जुलाई से 10 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन बढ़नी से तथा 10 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन देवधर से 33 फेरों हेतु किया जायेगा। इसकी जानकारी देते हुए वाराणसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि गाड़ी संख्या 05028 बढ़नी-देवघर श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 09 जुलाई से 10 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन बढ़नी से 17.30 बजे प्रस्थान कर शोहरतगढ़ से 18.20 बजे, सिद्धार्थनगर से 18.39 बजे, आनंदनगर से 19.04 बजे, गोरखपुर से 20.00 बजे, चौरीचौरा से 20.27 बजे, देवरिया सदर से 21.13 बजे, भटनी से 21.40 बजे, मैरवा से 22.10 बजे, सीवान से 22.40 बजे, एकमा से 23.22 बजे दूसरे दिन छपरा से 00.15 बजे, दिघवारा से 00.47 बजे, सोनपुर से 01.10 बजे हाजीपुर से 01.25 बजे, देसरी से 01.55 बजे, शाहपुर पटोरी से 02.17 बजे, बछवारा से 02.40 बजे, बरौनी से 03.20 बजे, बेगुसराय से 03.42 बजे, साहिबपुर कमाल से 04.22 बजे, मुंगेर से 05.20 बजे, सुलतानगंज से 06.45 बजे, भागलपुर से 08.35 बजे, बरहट से 10.02 बजे तथा बांका से 10.42 बजे छूटकर देवघर 13.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05028 देवघर-बढ़नी श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 10 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन देवघर से 18.45 बजे प्रस्थान कर बांका से 19.40 बजे, बरहट से 20.03 बजे, भागलपुर से 21.03 बजे, सुलतानगंज से 21.30 बजे, मुंगेर से 23.20 बजे, साहिबपुर कमाल से 23.45 बजे दूसरे दिन बेगुसराय से 00.10 बजे, बरौनी से 00.40 बजे, बछवारा से 1.02 बजे, शाहपुर पटोरी से 01.32 बजे, देसरी से 01.55 बजे, हाजीपुर से 02.35 बजे, सोनपुर से 02.47 बजे, दिघवारा से 03.10 बजे, छपरा से 05.10 बजे, एकमा से 05.37 बजे, सीवान से 06.20 बजे, मैरवा से 06.50 बजे, भटनी से 07.52 बजे, देवरिया सदर से 08.25 बजे, चौरीचौरा से 08.57 बजे, गोरखपुर से 09.40 बजे, आनंदनगर से 10.35 बजे, सिद्धार्थनगर से 11.30 बजे व शोहरतगढ़ से 11.52 बजे छूटकर बढ़नी 12.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 07 व एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 15 कोच की सुविधा रहेगी।

सारण के स्कूल में छात्रा पिटाई के बाद शिक्षक गिरफ्तार

छपरा कार्यालय। बिहार के सारण जिले में एक शिक्षक की गिरफ्तारी हुई है। शिक्षक पर एक छात्रा ने बेरहमी से पीटने का आरोप लगाया है। छात्रा के परिजनों ने इस मामले को लेकर विद्यालय परिसर में जमकर बवाल काटा। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय थाना की पुलिस अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंची और आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शिक्षक की पहचान गड़खा थाना क्षेत्र के स्व० सुरेश्वर सिंह का पुत्र मनोज कुमार सिंह के रूप में की गयी है। मामला गड़खा थाना क्षेत्र के बोर्ड मध्य विद्यालय चिरांद रोड स्कूल की बताई गई है। छात्रा ने इसकी शिकायत अपने घरवालों के पास की, जिसके बाद शिक्षक की हरकत सुनकर परिवार के लोग गुस्से से आगबबूला हो गए और इस घटना से आक्रोशित होकर ग्रामीणों के द्वारा विद्यालय का घेराव कर विद्यालय प्रशासन के प्रति विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद छात्रा के परिजनों ने शिक्षक पर आरोप लगाते हुए इसकी सूचना स्थानीय पुलिस अधिकारी को दी गई। पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर पहुंच घटना का निरीक्षण किया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को अपने कब्जे में लिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा ने बेरहमी से पीटने का आरोप शिक्षक पे लगाया गया है। छात्रा से पूर्व में भी इस तरह का कोई आरोप नहीं लगाया गया था लेकिन अचानक से शिक्षक पे ऐसे आरोप लगाना एक बड़ी बात को दशार्ता है। आरोप वहीं छात्रा के परिजनों की लिखित शिकायत पर केस दर्ज किया गया और आरोपी शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। वही घायल छात्रा का इलाज गड़खा पी एच सी में चल रहा है। ग्रामीणों के गंभीर आरोप के बाद पुलिस प्रशासन ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया साथ ही आसपास के लोगों से इस घटना के संबंध में आवश्यक पूछताछ की । प्रशासन ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 को लेकर कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) और वसुधा केंद्र संचालकों को किया गया प्रशिक्षित

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला प्रशासन, बेतिया द्वारा शनिवार को रमना मैदान के ऑडिटोरियम में विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के संबंध में जिला अंतर्गत सभी कॉमन सर्विस सेंटर (उरउ) और वसुधा केंद्र संचालकों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी प्रारूप मतदाता सूची में मतदाताओं का नाम दर्ज कराने में इन संचालकों को पूर्ण रूप से सक्षम बनाना था, जो 01/08/2025 को प्रकाशित की जाएगी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान, उरउ और वसुधा केंद्र संचालकों को मतदाताओं की सहायता करने के लिए विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसमें उन्हें 2003 की बिहार मतदाता सूची उपलब्ध कराने, ऑनलाइन गणना फॉर्म भरने में मदद करने और पहले से भरे हुए गणना फॉर्म को डाउनलोड करने की प्रक्रिया समझाई गई। यह प्रशिक्षण अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी नरकटियागंज विवेक कुमार और जिला सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक अभिषेक कुमार द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी संचालकों को तकनीकी पहलुओं और मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया के बारे में गहनता से प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण के उपरांत, कॉमन सर्विस सेंटर (उरउ) और वसुधा केंद्र संचालकों ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण और कार्यशाला के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें मतदाताओं को प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने में पूरी तरह से मदद करने में सक्षम बनाएगा। इस पहल से जिले में मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी आने और अधिक से अधिक लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मोहर्रम के अंतिम दिन कहीं निकला अलम, ताबूत तो कहीं 6 माह के अली असगर का झूला

छपरा, शहर के नई बाजार स्थित स्वर्गीय मुबारक हुसैन साहब की इमाम बारे में कर्बला में शहीद हजरत इमाम हुसैन का ताबूत और उनके छोटे भाई हजरत अब्बास का अलम ए मुबारक बरामद हुआ । सच तो यह है की सभी का सहारा हुसैन है । छपरा, शहर के विभिन्न इमामबाड़ों में आज नवी मोहर्रम को हजरत अब्बास का आलम और उनके बड़े भाई हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम का अलम शिया समुदाय के लोगों ने नम आंखों से निकाल कर मातम किया, मजलिस का आरंभ कैंसर अली के सोज से हुआ । लखनऊ से आए हुए मौलाना जनाब आदिल फराज ने अपने प्रवचन में कहा कि कर्बला में यजीद और इमाम हुसैन की जंग जो हुई उसकी मिसाल पूरी दुनिया में कहीं नहीं मिलती। मौलाना ने कहा की कर्बला में तीन दिनों तक भूखा प्यासा लेकर जो हजरत अब्बास ने जंग की उसकी मिशाल कहीं नहीं मिलती। परवेज नकवी ने अपने काव्यपाठ ी हुसैन की शहादत को याद किया। श्री हैदर ने कहां की सच तो यह है कि सभी का सहारा हुसैन है, सब मिलकर कहो हमारा हुसैन है, श्री हैदर ने बताया यौमे आशूरा का मातमी जुलूस, रविवार को 1:00 दिन में छोटा इमामबाड़ा से श्रद्धा के साथ निकाला जाएगा जो फातिमा इमामबाड़ा, मोहम्मद चौक, साहिबगंज, जामा मस्जिद होते हुए बूटन बाड़ी कर्बला पहुंचेगा।उधर शिया मोहल्ला दहियावां के छोटे और बड़े इमामबाड़ा में हजरत इमाम हुसैन की याद में ताबूत और उनके छोटे भाई हजरत अब्बास की याद में अलम ए मुबारक निकालकर लोगो ने जंजीरी मातम किया। शकील हैदर ने कहा की आसुर के दिन रहते हैं मोहताज यहां तक,औलाद भी मर जाए तो पुरसा नहीं लेते, रुखसार पर एहसास लगाता है तमाचे,जिस रोज की हम नामे सकीना नहीं लेते मौलाना आदिल फराज ने इमाम हुसैन के कार्यों को लोगों के सामने रखा और बताया कि कैसे उन्होंने कर्बला के मैदान में रहते हुए मानवता की रक्षा की। उन्होंने कहा कि आज जो इस्लाम बच्चा है यह कर्बला की जंग का एक बेहतरीन उदाहरण।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत अंचल अधिकारी बैरिया के विरुद्ध दंड अधिरोपित

- बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत मामलों के निष्पादन में लें अभिरुचि : जिलाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार के द्वारा बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत कुल नौ परिवादों की सुनवाई की गई जिलाधिकारी के द्वारा परिवादी और लोक प्राधिकार की उपस्थिति में चन्दन शर्मा, मझौलिया, अशोक कुमार, बेतिया, कुमार मंजीत, बेतिया, मिन्हाजुद्दीन खान, बगहा-1, राजीव यादव, उत्तर प्रदेश, भागवत प्रसाद गुप्ता, बेतिया, सन्नी कुमार गुप्ता, बगहा-1 एवं रहमत हुसैन, रामनगर में मामलों की सुनवाई कर मामला निष्पादित किया गया। वहीं प्रदीप मिश्रा, पिता- सुभाष मिश्र, सा० लौकरिया, अंचल- बैरिया के मामले की सुनवाई के दौरान अंचल अधिकारी, बैरिया श्री मुकेश कुमार के स्तर पर मामले के निष्पादन में शिथिलता के लिए मो० 2000/- का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया। साथ ही 14 दिनों का समय देते हुए मामले का नियमानुसार पूर्ण निवारण करने का निर्देश भी दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अधिनियम है।

इसके तहत दायर परिवादों के निष्पादन में लोक प्राधिकार अभिरुचि लें अन्यथा विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

अनचाहे गर्भावस्था से बचाव को लेकर जिले की महिलाओं को लगेगा इम्प्लांट

बेतिया(घनश्याम)। परिवार नियोजन इम्प्लांट को लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारियों के द्वारा जिले के मेडिकल कॉलेज बेतिया की महिला चिकित्सक डॉ. शिवानी गुप्ता एवं सहयोगी संस्थान पी. एस. आई. इंडिया के प्रतिनिधियों को पटना मे प्रशिक्षण कराया गया है ताकि प्रशिक्षण कर वें जिले के स्वास्थ्य कर्मियों को इसपर प्रशिक्षण दें। इस सम्बन्ध में मेडिकल कॉलेज बेतिया की प्रोफेसर डॉ सुधा भारती ने बताया कि ह्यजल्द ही इम्प्लांटह्न की सुविधा मेडिकल कॉलेज मे उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया की इस ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स में मेडिकल कॉलेज बेतिया से डॉक्टर शिवानी गुप्ता ने हिस्सा लिया जहाँ राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सरिता के द्वारा सम्मान एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया की परिवार नियोजन इम्प्लांट एक प्रभावी और सुविधाजनक गर्भनिरोधक विकल्प है। यह उन महिलाओं के लिए उपयुक्त है जो लंबे समय तक चलने वाले, प्रतिवर्ती गर्भनिरोधक चाहती हैं। परिवार नियोजन इम्प्लांट को गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण भी कहा जाता है, यह एक छोटी सी लचीली छड़ होती है जिसे बांह की त्वचा के नीचे प्रत्यारोपित किया जाता है। यह 3 साल तक गर्भावस्था को रोकने में प्रभावी है। यह हार्मोन शरीर में प्रवेश करके ओव्यूलेशन को रोकता है और गर्भाशय ग्रीवा के बलगम को गाढ़ा करता है, जिससे शुक्राणु के लिए गर्भाशय में प्रवेश करना मुश्किल हो जाता है। 3 साल तक यह प्रभावी रहता है, जिससे बार-बार गर्भनिरोधक लेने की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी क्षमता प्रतिशत से अधिक प्रभावी है। वहीं इसे आसानी से हटाया जा सकता है और महिलाएं इसे हटाकर गर्भवती भी हो सकती हैं। इसका कोई खास दुष्प्रभाव नहीं देखा गया है। कुछ महिलाओं को अनियमित रक्तस्त्राव, या मासिक धर्म का न होना, सिरदर्द, मुंहासे, या मनोदशा में बदलाव हो सकता है। इम्प्लांट कब लगवाना चाहिए? डॉ. शिवानी गुप्ता ने कहा की मासिक धर्म चक्र के पहले 5 दिनों के भीतर, या 4 सप्ताह के भीतर प्रसव के बाद, या गर्भपात के बाद, इसे लगवाया जा सकता है। सब डर्मल इम्प्लांट (पटना एवं भागलपुर) पायलट के तौर दो जिलों में शुरूआत की गयी थी। सबडर्मल जहां माचिस की तिली जैसी एक अस्थाई गर्भनिरोधक का साधन है वहीं उनके द्वारा बताया गया की इस नए गर्भनिरोधक साधन के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन में पीएसआई इंडिया का सहयोग रहेगो

बड़हरा विधायक ने केशोपुर मुक्ति धाम पीसीसी सड़क का किया उदघाटन

क्षेत्र की जनता में खुशी का माहौल, विधायक का जोर-शोर से किया स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

आरा/बड़हरा। बड़हरा के विधायक सह पूर्व मंत्री केशोपुर पहुंच कर 58 लाख की राशी से बना केशोपुर घाट मुक्ति धाम पीसीसी सड़क का विधिवत उदघाटन किया। बड़हरा विधायक केशोपुर में नारियल फोड़कर और फीता काट कर केशोपुर मुक्ति धाम पथ का उदघाटन किए। केशोपुर पहुंचते ही सैकड़ो जनता द्वारा ढोल बाजे ,फूल माला एवं अंगवस्त्र के साथ विधायक का स्वागत किया गया।इस दौरान विभिन्न नारे भी लगाए गए।उक्त अवसर पर बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने क्षेत्र की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि केशोपुर मुक्ति धाम मार्ग जर्जर हो चुका था,जनता की मांग और अंतिम संस्कार में जाने वाले लोगो को पीड़ा देखते हुए केशोपुर पुल से मुक्तिधाम तक पीसीसी सड़क का निर्माण करवाया। सड़क उच्च गुणवत्ता का बना है और क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा।। उन्होंने आगे कहा कि बड़हरा विधानसभा क्षेत्र मे विकास चारो तरफ हो रहा है। मैं लगातार बड़हरा विधानसभा का प्रतिनिधित्व करता आ रहा हूँ ,बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के बावजूद क्षेत्र मे लगातार विकास होता रहा है। मै विधानसभा क्षेत्र के लिए समर्पित कर दिया हूँ क्षेत्र की समस्या मेरी समस्या है और उसका निदान करना मै मेरा कर्तव्य है। आज क्षेत्र के महत्वपूर्ण सड़को का निर्माण हो रहा है ,यह कोई बोलने की बात नही है,देखने वाली बात है।जो लोग कहते है कि विकास नही हुआ है तो उनसे पूछना चाहता हूँ कि आरा से अपने गाँव पहुंचने मे कितना समय लगता है। आज सभी गाँव की सड़के मुख्य मार्ग से जुड़ गया है। बिहार मे नीतीश कुमार जी के नेतृत्व मे एनडीए सरकार सर्वस्व विकास कर रही है। आज बिहार में विकास और सुशासन का सरकार है। उन्होंने कहा कि जलने वालो को जलने दिजिए, मै विकास करता रहूँगा। उन्होंने कहा कि मुक्ति धाम स्थल पर तीन लाख की राशी से शेड भी मेरे द्वारा बनवाया गया है।कार्यक्रम में बड़हरा प्रखंड पदाधिकारी मोहित भारद्वाज, राजस्व पदाधिकारी नवनीत सिन्हा,बड़हरा बीस सूत्री अध्यक्ष शुभम पांडेय,धनंजय तिवारी, संजय कुमार सिंह,रामायण सिंह,धीरज सिंह,जितेन्द्र तिवारी, संतोष संटू,चंद्रकांत सिंह,फलधारी सिंह,नारद बिंद,दिनेश सिंह,मिथलेश पासवान, रंजीत गुप्ता,टुनटुन बिंद,हरेराम बिंद,निखिल राम,अजय सिंह,सिद्धनाथ सिंह, धर्मेन्द्र सिंह,नीरज सिंह,रामबाबू पासवान, साधुशरण सिंह,सतीश यादव,लालजी राय,रघुवीर सिंह,सन्नी सिंह,राजबली यादव,आदित्य नारायण पाठक ,दीपु सिंह,पवन सिंह सहित सैकड़ो लोग शामिल हुए।

फरहदा में कौशल युवा प्रोग्राम प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित समाजसेवी अजय सिंह ने युवाओं को दिखाई सफलता की राह

प्रात: किरण संवाददाता

फरहदा। स्वामी एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित कुशल युवा केंद्र, फरहदा में आज कौशल युवा प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के लोकप्रिय समाजसेवी अजय सिंह शामिल हुए, जिन्होंने युवाओं को प्रेरक संबोधन दिया और जीवन में आगे बढ़ने के लिए सफलता के मंत्र साझा किए।कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी अजय सिंह, जिला कौशल प्रबंधक संजय कुमार (बिहार कौशल विकास मिशन, पटना), मुखिया संघ अध्यक्ष रितेश सिंह, हब्टेक सेंटर के अभिषेक अग्रवाल, प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव मनोज सिंह, उपाध्यक्ष अविनाश कुमार, कोषाध्यक्ष हेमंत यादव तथा संयोजक अनंत सिंह द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए समाजसेवी अजय सिंह ने युवाओं से आत्मनिर्भर बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि सफलता की पहली सीढ़ी खुद को पहचानने से शुरू होती है। जब तक आप अपने लक्ष्य को स्पष्ट नहीं करेंगे, तब तक कोई रास्ता नहीं मिलेगा।उन्होंने अपने छात्र जीवन से लेकर नौकरी तक के सफर को छात्रों से साझा करते हुए कहा कि साथी चुनने की इच्छा स्वाभाविक है, लेकिन पहले खुद को इतना सक्षम बनाइए कि कोई भी निर्णय आत्मगौरव का कारण बने, न कि पछतावे का।साथ ही, उन्होंने युवतियों के लिए सिलाई केंद्र खोलने का वादा करते हुए कहा कि,स्वरोजगार के माध्यम से बेटियाँ आत्मनिर्भर बनें, इसके लिए हर संभव सहयोग करूंगा।

समाजसेवी अजय सिंह ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया।

मुखिया संघ के अध्यक्ष रीतेश सिंह ने कहा कि कोई भी छात्र अगर पढ़ाई में किसी भी समस्या का सामना कर रहा है तो वे व्यक्तिगत रूप से मदद के लिए हमेशा तत्पर हैं।

जिला कौशल प्रबंधक संजय कुमार ने बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग द्वारा चलाए जा रहे सभी कौशल कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

जॉब कैंप और सम्मान समारोह:

कार्यक्रम में रस्तोगी इंटरप्राइजेज एवं सन एंड स्टेपिंग सॉल्यूशन के सहयोग से जापानी कंपनी मदरसन के लिए जॉब कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 45 युवक-युवतियों ने भाग लिया।

संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर संतोष कुमार ने मुख्य अतिथि समाजसेवी अजय सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया, साथ ही अन्य अतिथियों को भी मोमेंटो प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की सफलता में योगदान:

कार्यक्रम को सफल बनाने में धनंजय सिंह, सत्यपाल सिंह, रामअशीष यादव, रविन्द्र सिंह, आशामानो देवी, बिंदेश्वरी प्रसाद, प्रणव कुमार, रोहित कुमार, चंचल कुमार, राजू कुमार, कन्हैया व्यास, रवि कुमार, प्रेमलता, राजा, नेहा, अलीशा, प्रियंका, अंजलि, संतोष तिवारी, अनवर आलम, दिनेश सिंह सहित अनेक सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

ग्रामीण चिकित्सकों को कालाजार और फाइलेरिया पर मिला प्रशिक्षण

बिहिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रात: किरण संवाददाता

बिहिया (भोजपुर)। झ भोजपुर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बिहिया में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य ग्रामीण चिकित्सकों को कालाजार और फाइलेरिया जैसे गंभीर संक्रामक रोगों की रोकथाम व उपचार की जानकारी देना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नंद किशोर प्रसाद ने की।प्रशिक्षण सत्र में इन रोगों के लक्षण, बचाव व इलाज पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही ग्रामीण चिकित्सकों को इन बीमारियों के प्रसार को रोकने में उनकी भूमिका को लेकर भी मार्गदर्शन दिया गया।इस अवसर पर पिरामल स्वास्थ्य संस्था से रितेश राज ने एमएमडीपी किट, दिव्यांग प्रमाणपत्र प्रक्रिया और हाइड्रोसील ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी साझा की। साथ ही प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के माध्यम से बताया गया कि रितेश राज के द्वारा कैसे फील्ड में लगातार गांव-गांव जाकर, पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, वार्ड सदस्य, जीविका दीदियों, विद्यालयों, और चौपालों में बैठकों के माध्यम से वे लोगों को फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक कर रहे हैं। रितेश राज का यह निरंतर प्रयास कालाजार एवं फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में एक प्रभावी कड़ी के रूप में सामने आया है।प्रशिक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए प्रोजेक्टर के माध्यम से पीपीटी और फोटोज के जरिए जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित चिकित्सकों के बीच व्हाट कार्ड व हैंडबिल का वितरण किया गया ताकि वे अपने क्षेत्रों में आम लोगों तक आवश्यक जानकारी पहुँचा सकें।कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य प्रशिक्षक, अन्य स्वास्थ्यकर्मी, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक रितेश जी, सामुदायिक उत्प्रेरक राजू सिन्हा, और बीडीएस संगीता कुमारी भी मौजूद रहे। इन्होंने ग्रामीण चिकित्सकों को स्थानीय स्वास्थ्य संस्थानों से समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी तंत्र और पिरामल फाउंडेशन जैसे विकास भागीदारों के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में एक ठोस और प्रशंसनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

समाजसेवी ने दिव्यांग को दिलाया संबल, दिल्ली में लगवाएंगे कृत्रिम पैर बड़हरा और भोजपुर के जरूरतमंद दिव्यांगों से की संपर्क करने की अपील

प्रात: किरण संवाददाता

बखोरापुर (बड़हरा) समाजसेवा में हमेशा आगे रहने वाले अजय सिंह ने एक बार फिर मानवीयता की मिसाल पेश की है। बीते दिन एक दिव्यांग युवक शुभम पांडेय उनसे मिलने उनके गांव बखोरापुर स्थित आवास पर पहुँचे। शुभम ने छह महीने पहले एक ट्रेन दुर्घटना में अपना एक पैर खो दिया था और अब वह जीवन की नई शुरूआत के लिए मदद की तलाश में थे।अजय सिंह ने शुभम की स्थिति को गंभीरता से लिया और उसे भरोसा दिलाया कि उनका कृत्रिम पैर दिल्ली में लगवाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरी प्रक्रिया – यात्रा, इलाज, ठहराव और भोजन – का सारा खर्च वह स्वयं उठाएंगे। शुभम को किसी भी प्रकार की आर्थिक चिंता करने की जरूरत नहीं होगी।अजय सिंह ने इस मौके पर भोजपुर ज़िले, खासकर बड़हरा क्षेत्र के उन सभी दिव्यांगजनों से भी अपील की कि अगर वे किसी प्रकार की सहायता के जरूरतमंद हैं, तो बेझिझक उनसे संपर्क करें। उन्होंने कहा, हमारी क्षेत्र में कोई भी दिव्यांग अभाव में न रहे, यह मेरी प्राथमिकता है। ऐसे सभी लोग मुझसे सीधे संपर्क कर सकते हैं।संपर्क के लिए उन्होंने अपना नंबर भी सार्वजनिक किया: +91 9771460812। इस पहल की स्थानीय लोगों में व्यापक सराहना हो रही है। अजय सिंह की इस संवेदनशीलता और सामाजिक ज़िम्मेदारी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सेवा ही उनका धर्म है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क प्रबंधन योजना की प्रगति पर जिलाधिकारी ने की समीक्षा

आरा। जिलाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क प्रबंधन योजना के अंतर्गत कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले की सभी ग्रामीण सड़कों की मरम्मती कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराया जाए, जिससे आमजन को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके। इस बैठक में डायरेक्टर ठएढ, सभी कार्यपालक अभियंता एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ ने किया डीईओ का स्वागत

आरा। हरेंद्र प्रसाद राय अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ भोजपुर सह कार्यकारी अध्यक्ष, बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षा संघ पटना के नेतृत्व में संघ का एक शिष्टमंडल जिला शिक्षा पदाधिकारी मान्यवर मानवेंद्र कुमार राय से औपचारिक मुलाकात की एवं उन्हें बुके तथा फूल माला से गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर ने बताया कि शिक्षा एवं शिक्षकों के उत्तरोत्तर विकास में आप सभी का सकारात्मक सहयोग अपेक्षित है । राम भूषण उपाध्याय अकेंक्षक बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ, परमात्मा पांडे कार्यकारी सदस्य एवं श्रीनन्दजी सिंह प्रधान सचिव ने शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास में ईमानदारी से पूरा सहयोग का वादा किया। डॉक्टर तारकेश्वर सिंह वरिय अध्यक्ष ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को विश्वास दिलाया कि हम लोग जिले के सभी प्रखंडों में शैक्षणिक विकास के लिए सेमिनार का आयोजन करेंगे जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। शिष्टमंडल में चंदेश्वर सिंह राजेंद्र ओझा संपत राय धर्मदेव सिंह शशि भूषण पांडे चितरंजन कुमार प्रभाशंकर सिंह नवल किशोर तिवारी प्रेमचंद राय बबन सिंहएवं अन्य उपस्थित रहे।

बीजेपी ने किया बैठक आयोजित

आरा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आरा लोकसभा के अगिऑव विधानसभा के अगिऑव मण्डल में अगिऑव गॉव के हनुमान मंदिर के प्रांगण में बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत एक बैठक आयोजित किया गया ।इस बैठक की अध्यक्षता अगिऑव मण्डल अध्यक्ष - कुन्दन कुमार कुशवाहा एवं संचालन मण्डल महामंत्री - संजय कुमार पाण्डेय ने किया। बैठक की शुरूआत पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा राष्ट्रीय गीत - वन्दे मातरम् का गायन कर किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष सह अगिऑव विधानसभा प्रभारी - ज्योति प्रकाश कुशवाहा , केन्द्रीय टीम से अगिऑव विधानसभा के प्रभारी - प्रशान्त कुमार मिश्रा , जिला मंत्री सह अगिऑव मण्डल प्रभारी - अनुपमा पम्मी उपस्थित रहे। अतिथियों को अंग - वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

शिक्षक भोजपुर के अध्यक्ष ने की डीएम से शिष्टाचार भेंट

आरा।जिला प्राथमिक शिक्षक भोजपुर के अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह के तत्वाधान में जिला कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ नव पदस्थापित जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर मानुवेन्द्र कुमार राय से शिष्टाचार मुलाकात किया गया साथ ही संघ के सदस्यों द्वारा फूल - माला, अंगवस्त्र, एवं बुके देकर हार्दिक स्वागत किया गया । हमारे अध्यक्ष के द्वारा कहा गया है कि हमारे नव शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर ऊजार्वान एवं कर्मठशील व्यक्कि्त हैं मुझे आशा एवं विश्वास हैं कि हमारे शिक्षकों के समस्या एवं विद्यालय पर विशेष ध्यान देंगे ताकि शिक्षक निर्भीक होकर बच्चों को शिक्षा प्रदान करें इस पर हमारे जिला शिक्षा पदाधिकारी भोजपुर द्वारा आश्वासन दिया गया कि आप लोग निर्भीक होकर अपना काम कीजिए मैं हमेशा आपके सहयोग में तैयार हूं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह ,मुकेश कुमार सिंह, हरेंद्र कुमार सिंह, सुधीर सिंह ,राजीव रंजन उर्फ महेश कुमार, शशिकांत तिवारी , डा राजू भट्ट, राजेश कुमार सिंह अखिलेश्वर सिंह दिनेश राय अवध बिहारी दुबे भक्ति सिंह थे।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर में निपुण दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

रक्सौल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रारंभ मिशन निपुण बिहार के चार सफल वर्षों की पूर्णता के उपलक्ष्य में राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर में निपुण दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरीय शिक्षक श्री मोहम्मद नुरुल होदा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत निपुण बिहार के लोगो के प्रदर्शन से की गई, जिसके माध्यम से छात्रों को मिशन के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। इसके पश्चात बच्चों को निपुण गीत सुनाया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार हुआ। विद्यालय परिसर में शिक्षकों द्वारा बुनियादी भाषा और गणितीय कौशल की महत्ता पर चर्चा की गई और बच्चों के कार्यों की सराहना की गई। श्री होदा ने कहा कि ह्लनिपुण बिहार का लक्ष्य है कक्षा 1 से 3 तक के सभी बच्चों को ऐसी शैक्षिक बुनियाद देना जो उन्हें आजीवन सीखने के लिए सक्षम बना सके ।ह्व उन्होंने यह भी बताया कि विद्यालय में गतिविधि आधारित शिक्षण, समूह कार्य और नवाचारों के माध्यम से बच्चों में सीखने की रुचि को लगातार बढ़ाया जा रहा है ।विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों की उपस्थिति से कार्यक्रम और भी गरिमामय हो गया। बच्चों में भी विशेष उत्साह देखा गया। अंत में विद्यालय द्वारा यह संकल्प लिया गया कि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा में निपुण बनाने के लिए मिशन की भावना के अनुरूप कार्य करते रहेंगे।

डॉ अनुग्रह नरायण सिंह के तैल चित्र पर पुष्पअर्पित कर पुण्यतिथि मनाई गई

गया जी ।गया जिला कांग्रेस कमिटी राजेन्द्र आश्रम के सभागार मे डॉ अनुग्रह नरायण सिंह के तैल चित्र पर पुष्पअर्पित कर पुण्यतिथि मनाई गई है,डॉ अनुग्रह नरायण सिंह कांग्रेस संगठन में अपना राजनीतीज्ञ, चम्पारण सत्याग्रह मे भागीदारी, गाँधीवादी और आधुनिक बिहार के निमार्ताओं मे से एक थे, उन्होंने 1946 से 1957 तक बिहार के पहले उपमुख्यमंत्री और वित्तमंत्री के रूप मे कार्य किया है साथ ही साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज उनके बताए गए मार्गो पर चलकर ही कांग्रेस को बिहार में पुनः स्थापित किया जा सकता है। इस अवसर पर कार्यक्रम कैमूर जिला प्रभारी मोहम्मद असहाब अंसारी, कार्यालय प्रभारी कमलेश चंद्रवंशी, कार्यालय सचिव अशोक प्रसाद भारती,अब्दुल रकीब, राजीव सिंह उर्फ लबी, शिवनाथ प्रसाद, देवेंद्र सिंह, टिंकू गिरी सहित अनेको कांग्रेसजण उपस्थित हुये है।

इनर व्हील क्लब सिटी द्वारा विधार्थी को विशेष नोट बुक मेरी किताब वितरण किया गया

गया जी ।इनर व्हील क्लब सिटी की ओर से कन्या उच्च विद्यालय पिता महेश्वर के विधार्थी को विशेष नोट बुक मेरी किताब वितरण किया गया है। इसके साथ ही बच्चों के लिए एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजन किया गया है ।जिसमें बच्चों को उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है ।इस मौके पर क्लब अध्यक्ष सिमा भदानी ने कहा कि इनर व्हील क्लब मुख्य उद्देश्य समाज के प्रति समर्पित सेवा भाव को बढाना है आने वाले दिनों में क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तीकरण जैसे विषयों पर और भी कयी कार्यक्रम का आयोजन करेगी।

संस्कृति पब्लिक स्कूल में नवनिर्मित स्विमिंग पूल का उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। संस्कृति पब्लिक स्कूल में नवनिर्मित स्विमिंग पूल का उद्घाटन विद्यालय के सचिव डॉ अजय सिंह (पूर्व एम.एल.सी) एवं निदेशक डॉक्टर आलोक सिंह ने किया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने विद्यालय में हर आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराने के प्रयास पर जोर दिया ।यह बच्चों के शारीरिक मानसिक विकास के लिए आवश्यक है ।इससे बच्चों में उत्साह बढ़ता है और विद्यालय उनके रूची का हिस्सा बन जाता है तथा वे नियमित विद्यालय आने का प्रयास करते हैं। जैसा कि हमें मालूम है कि तैरना एक व्यायाम है , जो शारीरिक शौष्ठव के लिए आवश्यक है ।इसे प्रत्येक कक्षा के लिए साप्ताहिक रूटीन का हिस्सा बनाने का निर्देश दिया है। अध्ययन के साथ विद्यालय में अन्य गतिविधियों का नियमित संचालन करने पर बोल दिया । इसी क्रम में ह्लसोशल मीडिया और हमारा समाजह्व विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिसमें कक्षा 9 वीं एवं 10वीं के छात्रों ने हिस्सा लिया ।बच्चों ने इस अवसर पर विपक्ष में अपने-अपने तर्क संगत उत्तर से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया एवं अपने-अपने पक्ष में अंक देने को विवश किया ।फलतः ग्रुप इ (किंगफिशर एवं इगल हाउस) विपक्ष के बच्चे विजेता तथा ग्रुप अ(मयूर एवं फॉल्कन हाउस) पक्ष के बच्चे उपविजेता बने विद्यालय की प्राचार्या जकिया यास्मीन ने विजेता एवं उपविजेता टीम को कप देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नर्सरी से कक्षा तीन तक के बच्चों ने रंग बिरंगे स्वीमिंग पोशाक में प्रशिक्षित शिक्षकों के निर्देशन में स्विमिंग पूल में ज्यों ही उतरे सभी छात्रों , शिक्षकों एवं अभिभावकों ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया ।इस समय पर करतल ध्वनि से पूरा वातावरण ही खुशनुमा हो गया साथ ही उमंग में बच्चों ने सजाए गए गुब्बारों को फोड़ने लगे जो इस समारोह का और ऊजार्वान बना दिया। इस अवसर पर श्री सत्यदेव सिंह ,दीपक तिवारी ,अमित उपाध्याय ,कुमुद ,शिवांगी ,सिमरन , एजाज ,रोशन सिंह ,अमरेश मिश्रा ,पवन , लक्ष्मी , ममता, श्वेता ,नवल किशोर ,अनिल सिंह आदि सभी शिक्षकों ने अपने उपस्थिति दर्ज कर समारोह को सफल बनाया।

रामविलास जी द्वितीय अंबेडकर थे : राजेश्वर पासवान

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। परिसदन में लोकजनशक्ति पार्टी (रा)के तत्वावधान में पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेश्वर पासवान की अध्यक्षता में भारत सरकार के पूर्व मंत्री, पद्म भूषण, श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के79वां जयन्ति समारोह मनाया गया ।समारोह के उद्घाटन लोकजनशक्ति(रा) के प्रदेश महासचिव सह भोजपुर जिला के प्रभारी पंकज पासवान ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया ।समारोह के संचालन छात्र लोजपा(रामविलास)के जिलाध्यक्ष विकास सिंह ने किया ।अपने उद्घाटन भाषण में पंकज पासवान ने कहा कि श्रधेय रामविलास पासवान जी समाजवाद के प्रखर प्रहरी एवं राजनैतिक आंदोलन के अग्रदूत थे ।उन्होंने समाज के हर वर्ग के वंचित लोगो के लिए सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन किया करते थे ।उन्होंने अपने पार्टी के घोषणा पत्र में उल्लेख किये थे कि उच्ची जाति के गरीब लोगों को10%आरक्षण के व्यवस्था हो ।उन्होंने दलित पिछड़ा एवं अनुसूचित जाति /जन जाति को निजी क्षेत्र में आरक्षण देने की मांग किया करते थे ।अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री राजेश्वर पासवान ने कहा कि श्रद्धेय रामविलास पासवान जी अपने मंत्रित्व काल में चाहे वो किसी भी विभाग के मंत्री हो उलेखनीय कार्य किये थे ।वे द्वितीय अंबेडकर थे ।उन्होंने 1989 में विश्व नाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में श्रम एवं कल्याण मंत्री बनाये गए थे ।उन्होंने कल्याण मंत्री के रूप में अनुसूचित जाति एक्ट के कानून बनवाये थे। रामविलास जी अब दुनिया में नही रहे लेकिन उनके चिराग उनके अधूरे सपनों का साकार करेंगे ।प्रदेश सचिव सुरेन्द आजाद ने कहा कि रेल मंत्री के रूप में 95 हजार केजुअल मजदूर को स्थायी रूप से करने के काम किये थे ।प्रदेश कार्य समिति के सदस्य प्रो विजय सिंह मुखिया ने कहा कि1969में उनको एक साथ दो खुशियां मिली थी एक आरक्षी उपाधीक्षक के नौकरी के नियुक्ति पत्र तथा दूसरा अलौली विधानसभा क्षेत्र से सोशलिस्ट पार्टी के टिकट ।प्रदेश कार्य समिति के सदस्य यादव रामसकल सिंह भोजपुरिया ने कहा कि श्रद्धेय रामविलास पासवान जी ने रेल मंत्री थे तो सबसे निम्न श्रेणी के कुली लोगो को रेलवे पास तथा रहने के लिए विश्राम गृह बनवाने के कानून बनवाये थे ।समारोह को सम्बोधित करने वाले लोगो मे अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मनोज पासवान, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव सन्तोष पासवान श्रम प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रमोद पासवान ,चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ प्रवीण कुमार, महिला प्रकोष्ठ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष बबिता चौधरी,संसदीय बोर्ड के जिला कार्यकारी अध्यक्ष राजेश साहू, जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार, संजय पासवान ,जिला मीडिया प्रभारी संजू पासवान,विमलेश जी, केडी पासवान,मनीष बुचुली रामलायक सिंह,कमलेश गुप्ता, राकेश उपाध्याय सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

पितृपक्ष मेला एवं जनसुविधा को लेकर मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने जिलाधिकारी के साथ की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी ।सहकारिता मंत्री, बिहार सरकार एवं गया विधायक डॉ० प्रेम कुमार ने गयाजी समाहरणालय कक्ष में जिला पदाधिकारी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की है ।इस बैठक में आगामी पितृपक्ष मेला-2025 की तैयारी एवं गया शहर की जनसुविधाओं को लेकर विस्तारपूर्वक समीक्षा और चर्चा की गई है। मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने पितृपक्ष मेला को गयाजी की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताते हुए विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी प्रस्तावों को जिलाधिकारी के साथ चर्चा की ।उन्होंने कहा कि पितृपक्ष मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है।

इस बैठक में चर्चा किए गए प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं:गयाजी शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या और उसके स्थायी समाधान पर ।पर्यटकों की सुविधा हेतु सूचना एवं सेवा केंद्र ।देश के प्रधानमंत्री द्वारा घोषित उज्जैन महाकाल एवं काशी विश्वनाथ के तर्ज पर गयाजी बोधगया कॉरिडोर के डीपीआर के संबंध में ।संपूर्ण शहर में अंडरग्राउंड केबलिंग (बिजली व्यवस्था) ।पर्यटक स्थलों पर साइनेज (दिशा संकेतक) लगाने की आवश्यकता ।गयाजी के पौराणिक चार दरवाजों का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण ।वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था ।ब्राहम्योनी,प्रेतशिला,मां डुमेश्वरी गयाजी रोपवे योजना का क्रियान्वयन ।तालाब, घाट, पार्कों को कॉरिडोर योजना में शामिल करना ।पहाड़ों पर लाइटिंग व्यवस्था ।शहरी क्षेत्र के पार्कों के विकास हेतु योजना ।सभी वेदियों का जीर्णोद्धार एवं जनसुविधा बहाल करना ।गयाजी बस स्टैंड का जीर्णोद्धारकालरा अस्पताल में निमार्णाधीन भवन कार्य की प्रगति। लेप्रोशी अस्पताल भवन निर्माण योजना ।संवास सदन समिति, गांधी मैदान, खलिस पार्क के पास भवन निर्माण ।जेल प्रेस के सामने वित्त विभाग की जमीन के उपयोग पर चर्चा किंजर समुदाय के लिए पुरानी डेल्हा थाना के पास भवन निर्माण ।घाटों के पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण,गांधी मैदान के निकट कचरा डंपिंग को जनहित में हटाए जाने पर चर्चा गयाजी मेट्रो रेल परियोजना की कार्य शुभारंभ करने पर चर्चा ।मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा अंतर्गत गयाजी रेलवे स्टेशन से माँ बागेश्वरी मंदिर होते हुए रेल ओवरब्रिज निर्माण।

सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित शनिवारीय नुक्कड़ श्रृंखला में ज्ञान का सौदागर नाटक की हुई प्रस्तुति

■ साहेब लाल यादव द्वारा लिखित व निर्देशित ज्ञान का सौदागर में शिक्षा के निजीकरण और व्यवसायीकरण को विषय बनाया

प्रात: किरण संवाददाता

आरा : सत्य चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित शनिवारीय नुक्कड़ श्रृंखला में आज साहेब लाल यादव द्वारा लिखित व निर्देशित ज्ञान का सौदागर की प्रस्तुति की गईं. विदित हो कि प्रत्येक शनिवार स्टेडियम गेट, रमना मैदान में यह नुक्कड़ श्रृंखला आयोजित की जाती है. आज के कार्यक्रम का उद्घाटन महावीर मंदिर के महंत श्री सुमन बाबा ने किया. श्री सुमन बाबा ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्राचीन भारत में गुरुकुल की परम्परा थी, जहाँ शिक्षा मुफ्त मिलती थी. वही आज के भारत में शिक्षा बिना पैसों के नहीं मिलता. आज के निजी विद्यालय और विश्वविद्यालय शिक्षा के नाम पर आम जनों का आर्थिक शोषण होता हैं.

कार्यक्रम में नाटक के कलाकारों को वरिष्ठ रंगकर्मी आलोक कुमार टूटू और पत्रकार आशुतोष पाण्डेय के हाथों अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन युवा नेता व समाजसेवी अभय विश्वास भट्ट ने किया. संस्था के ट्रस्टी श्री संजय राय ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें पुराने शिक्षा संस्कृति की ओर लौटना होगा, जहाँ शिक्षा के साथ साथ अनुशासन और संस्कार भी मिलता था.

वही संचालन करते हुए अभय विश्वास भट्ट ने बताया कि नाटक में निजी विद्यालयों द्वारा किये जा रहें आर्थिक शोषण को विषय बनाया गया. जहाँ शिक्षा कम, पोशाक और किताबों के नाम पर धन उगाही की जाती है। इन्होंने लोगो को जागरूक करते हुए कहा कि शिक्षा के बाजारीकरण को रोकने के लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए। आज स्कूल ज्ञान का मंदिर नही बल्कि पैसा का मशीन हो गया है ।नाटक के मुख्य भूमिकाओं में आरती देवी, अम्बुज राजा, डॉ अनिल सिंह, लड्डू भोपाली, बीरेंद्र ओझा बम, राजा कुमार, अंकुश कुमार व साहेब लाल यादव रहें. धन्यवाद ज्ञापन रंगकर्मी लड्डू भोपाली ने किया. कार्यक्रम में क्रिकेट एकेडमी के सचिव विजय कुमार ,वरीय कलाकार सुधीर शर्मा, कमलेश कुंदन, भोला भट्ट,आलोक कुमार टूटू, करण कुमार, राहुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ कलाकार डॉ पंकज भट्ट आदि शामिल रहें।

मतदाता पुनरीक्षण एवं विकास कार्यों को लेकर सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार का जिले की बैठक में किया संबोधन

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।आज 05 जुलाई 2025 गया जी सर्किट हाउस में बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने जिला भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित किया है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य गया जी जिलें अंतर्गत चल रहे मतदाता पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा करना तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे जिले की विकास कार्यों की जानकारी साझा करना था।

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मतदाताओं के जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में मतदाताओं के सहयोगी के रूप में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से गया जी विधानसभा सहित जिलें के विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल आपूर्ति, 22 घंटे बिजली व्यवस्था एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी अनेक सैकड़ों योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

मंत्री कुमार ने सभी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे बूथ स्तर पर संपर्क साधें, नए मतदाताओं को जागरूक करें, और प्रत्येक नागरिक तक केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य के नीतीश कुमार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आने वाले चुनावों को देखते हुए यह एक नैतिक ज़िम्मेदारी है कि हम मतदाता पुनरीक्षण जैसे कार्यों को गंभीरता से लें। महिला, वृद्धजनों, असहाय, दिव्यांगों को विशेष रूप से हर संभव सेवा व सहायता पहुंचाएं।

आज की बैठक में जिला महामंत्री पप्पू चंद्रवंशी,भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं भाजपा गया जी जिला उपाध्यक्ष विकास कुमार, सुनील कुमार सिन्हा, बंदना सिंह,जिला मंत्री मुन्नीलाल, निकिता रजक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राम पुकार सिंह, विधानसभा संयोजक रमेश गुप्ता, मंडल प्रभारी पवन कुमार,, किसान मोर्चा अध्यक्ष शंभु यादव, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष रौनक सेठ, मंडल अध्यक्ष धनंजय कुमार धीरू, राजेश कुमार मस्तान, हरि यादव, मनीष कुमार सोनू , दयानंद गिरी, शशिरंजन कुमार सिन्हा, अशोक गुप्ता, गोपाल चंद्रवंशी, दिवाकर कुमार, शिवनारायण चंद्रवंशी, ऋषि लोहानी, वेद प्रकाश, राजनंदन प्रसाद गांधी, अभय कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार, वीरेंद्र राउत, दुखन पटवा, अशोक साहनी सहित सैकड़ों नेता एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से शामिल थे।

डॉ. प्रेम कुमार ने किया शहरी विकास व विद्यालय भवन निर्माण कार्यों का शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री एवं गया विधायक डॉ० प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना एवं बिहार शिक्षा परियोजना के अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया है इस अवसर पर मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने वार्ड संख्या 03, डेल्हा में 25,59,322 पच्चीस लाख उनसठ हजार तीन सौ बाईस रुपए की लागत से बनने वाले पथ एवं नाली निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि इस कार्य के पूर्ण होने से स्थानीय नागरिकों को सड़क एवं जल निकासी की सुविधा सुलभ हो सकेगी।

इसी क्रम में वार्ड संख्या 01, खरखुरा स्थित आर आर +2 उच्च विद्यालय में चार कमरों वाले नव भवन निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया है। मंत्री ने कहा कि नया विद्यालय भवन तैयार हो जाने से छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा और पठन-पाठन में सुविधा बढ़ेगी।

स्थानीय नागरिकों, विशेषकर वार्ड संख्या 03 के निवासियों ने पथ एवं नाली निर्माण कार्य की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त की और मंत्री डॉ० प्रेम कुमार के प्रति आभार जताया है।

इस मौके पर

मगध प्रमंडल विपणन सहकारी संघ अध्यक्ष वसंत परमार,मगध सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी संघ अध्यक्ष पप्पू चंद्रवंशी,अशोक गुप्ता, गोपाल चंद्रवंशी,प्रदेश नेत्री निशु कुमारी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमर शेखर,आईटीसेल संयोजक वेद प्रकाश,श्रीमती नीलम मिश्रा, निर्मला देवी,धर्मेंद्र कुमार,बंटी वर्मा,महेश शर्मा,विक्की सिंह,धीरेन्द्र कुमार, दिवाकर ज,विनोद पासवान,पवन कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

अरवल मे रेल लाने के लिए 12 साल में 12 मुकदमे झेले:मनोज यादव

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। नई दिल्ली रेल भवन में अरवल जिला को रेल परियोजना से जोड़ने के लिए रेल भवन के पदाधिकारी को पोस्टकार्ड एवं हस्ताक्षर अभियान के प्रति जमा करते जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी लाने के लिए रेलवे पदाधिकारी से आग्रह किया, बिहटा औरंगाबाद रेल परियोजना के सूत्रधार मनोज यादव लगातार रेल दफ्तर के चक्कर लगाते रहते हैं। 12 साल में 12 मुकदमे फिर भी जोश और जज्बा में कोई कमी नहीं। जिस उम्र में हम लोग रोजगार और घर गृहस्ती के लिए भटकते रहते हैं,उस उम्र में अरवल जिले का एक शख्स मनोज यादव अरवल जिले में रेल परियोजना चलाने के लिए अरवल की जनता के लिए 12 साल में 12 मुकदमे झेल रहा होता है।सिर्फ इसलिए की अरवल जिले में भी रेल परियोजना चालू हो। लगातार 12 वर्षों से जन आंदोलन चलाने के बाद अंत में सरकार को झुकना पड़ता है और रेल परियोजना चलाने के लिए हरी झंडी दिखा दी जाती है। मनोज यादव का कहना है कि जमीन अधिग्रहण के लिए बहुत जल्दी ही एक जन आंदोलन चलाया जाएगा तथा एक पोस्टकार्ड भेजो अभियान के तहत कार्यक्रम किया जाएगा। हालांकि मनोज यादव ने एक बात तो सिद्ध कर दिया कि अगर तबीयत से एक सिक्के को अगर उछाल दिया जाए तो आसमान में भी सुराग हो सकता है। मनोज यादव लगातार रेलवे लाने के लिए अपना सब कुछ गांव पर लगाए हुए नई दिल्ली में जाकर लगातार रेल भवन के पदाधिकारी को अरवल जिला औरंगाबाद जिला के हस्ताक्षर अभियान एवं पोस्टकार्ड अभियान भारत के प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री को भेजने का काम करते हैं

अवकाश प्राप्त प्रोफेसर ने अंजनी कुमार पर लगाया 40 लाख रुपए ठगने का आरोप

प्रातः किरण संवाददाता

गयाजी : जगजीवन महाविद्यालय गया के भूगोल विभाग से अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ० रबीन्द्रनाथ सिंह ने उत्पाद विभाग, गया में पदस्थापित सहायक दरोगा अंजनी कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अंजनी मुझसे 40 लाख रुपया वर्ष 2016 में 60 डिसमिल जमीन मुझे बेचने के नाम पर लिया लेकिन जिस जमीन को उन्होंने मुझे दिखाया उस जमीन की रजिस्ट्री न कर दुसरे गलत जमीन की रजिस्ट्री कर दी। तथा रजिस्ट्री करने के बाद मेरा दाखिल खारिज भी उन्होंने करा दिया। लेकिन जब मैं जमीन पर बाउंड्री कराने गया तो गांव वालों ने यह कहते हुए कि ह्लजमीन आपका नहीं हैह्व बाउंड्री नहीं होने दिया। जब इस विषय पर अंजनी से चर्चा की गई कि अपने मुझे गलत जमीन दिया है या तो मुझे दुसरा जमीन दीजिए नहीं तो मेरा रुपया वापस कीजिए। अंजनी कुमार ने रुपया वापस करने की बात कह समय को टाल दिया और आज तक न तो रुपया वापस किया गया और न ही कोई दूसरा अच्छा जमीन मुझे दिया गया।

ज्ञात हो कि प्रोफेसर डॉ० रबीन्द्रनाथ का कहना है कि अंजनी इतना शातिर है कि पुरा 40 लाख रुपया स्वयं के खाते में न लेकर कई अलग अलग लोगों के खाते के माध्यम से लिया है जिसका प्रमाण मैं जरूरत पड़ने पर दे सकता हूं। इस मामले में उन्होंने पुलिस और प्रशाशन से न्याय की गुहार लगाई है।

जिला स्तरीय वैश्य प्रतिनिधि सम्मेलन सम्राट अशोक भवन औरंगाबाद में 20 जुलाई को

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के ब्लॉक मोड़ के समीप अवस्थित सम्राट अशोक भवन के प्रांगण में 20 जुलाई को पूर्वाह्न में जिला स्तरीय वैश्य प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया है।इस आशय की जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि औरंगाबाद जिले के सभी 11 प्रखंडों से वैश्य समाज के विकास एवं उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाएं हैं,उन्हें इस सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दिन ओबरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी वैश्य समाज के लिए कदम से कदम मिलाकर चलने वाले प्रख्यात समाजसेवी प्रकाश चंद्रा एवं औरंगाबाद नगर परिषद के अध्यक्ष व वैश्य समाज के लिए समर्पित समाजसेवी उदय कुमार गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति होगी।मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से वैश्य समाज के लोग जिन्होंने समाज के लिए जिस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है वे लोग इस कार्यक्रम में जरूर भाग लें जिससे लोग जान सके कि हमारी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में लापरवाह शिक्षक निलंबित

अरवल। निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में शुरू किये गये विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में बी०एल०ओ० को लगाया गया है। शिक्षकों का चयन निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से किया जा रहा है। वर्त्तमान में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुसार संचालित निर्वाचक सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 में घोर लापरवाही बरतने वालो पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी के निदेशानुसार सख्त कार्रवाई की गयी है। इसमें देवेन्द्र कुमार शर्मा, बी०एल०ओ० 164 प्राथमिक विद्यालय उसरी चकिया बॉया भाग प्रखंड-कलेर को जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा निलंबित कर दिया गया है तथा उनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी। जबकि श्री उपेन्द्र कुमार, बी०एल०ओ० उत्क्रमित म०वि० जोन्हा, प्रखण्ड करपी से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए वेतन निकासी पर रोक लगाई गई है। कुमार गौरव जिला पदाधिकारी अरवल द्वारा निदेशित किया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुसार संचालित निर्वाचक सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 में लगे सभी बी०एल०ओ०, बी०एल०ओ० सुपरवाईजर, एवं अन्य सभी कर्मी ईमानदारीपूर्वक पारदर्शी तरीके से कार्य को पूर्ण करेंगे, किसी भी तरह के लापरवाही बरतने पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निदेशित किया गया है कि उक्त कर्मी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करते हुये सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाये।

डॉ आशा लकड़ा के नेतृत्व में अनुसूचित जनजातियों के लिए कार्य हो रहे हैं: डॉ मनीष पकंज मिश्रा

आशा लकरा बल्कि नीतिगत स्तर पर भी बदलाव लाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। गया, जी की पुण्यभूमि पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की अध्यक्ष डॉ श आशा लकरा का आगमन हुआ है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा उन्हें विष्णु चरण चिन्ह अंगवस्त्र एवं फूलों का बुके भेंट कर भावभीनंदन किया गया। इस स्वागत के अवसर पर डॉ. मनीष पंकज मिश्रा, जिन्होंने स्वागत करते हुए कहा कि डॉ आशा लकरा के नेतृत्व में अनुसूचित जनजातियों के लिए जो कार्य हो रहे हैं, वह सराहनीय हैं। आपने न केवल जनजातीय समाज की आवाज को मजबूती से उठाया है, बल्कि नीतिगत स्तर पर भी बदलाव लाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व में जनजातीय समुदाय को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व लाभ मिलेगा।डॉ आशा लकरा जी ने कहा कि गया की इस पावन धरती पर मुझे जो सम्मान मिला है, वह मेरे लिए प्रेरणा स्रोत है। देशभर के अनुसूचित जनजाति समाज के अधिकारों की रक्षा, उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसर पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वागत करने वाले में बिहार प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य संतोष ठाकुर, राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता उपस्थित रहे हैं।

मोहर्रम पर्व को लेकर कुर्था पुलिस ने चलाया फ्लैग मार्च

कुर्था, मुस्लिम धर्मबलम्बियों लंबियों का महान पर्व मुहर्रम को लेकर शनिवार को कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार का नेतृत्व में सघन फ्लैग मार्च चलाया गया जो कुर्था गया मुख्य मार्ग होते हुए राणा नगर सर्च्ई सच्चाई पोखर मोतीपुर चुल्हन बीघा समेत दर्जनों गांव में फ्लैग मार्च चलाया गया इस मौके पर कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बताया कि मोहर्रम पर्व शांति व शहर में वातावरण में मनाए किसी भी तरह के अफवाहों पर ध्यान ना दें और वैसे अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित कर पुलिस को सूचना दे ताकि समय रहते उसे पर कार्रवाई किया जा सके उन्होंने कहा कि मोहर्रम पर्व को लेकर पुलिस थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव पर पैनी नजर बनाए हुए हैं मुस्लिम धर्म के लोग सौहार्दपूर्ण वातावरण में मोहर्रम पर्व मनाएं फ्लैग मार्च में कुर्था पुलिस निरीक्षक अजय कुमार सिंह कुर्था थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार एसआई चंद्रदेव महतो, स्मिता उपाध्याय, रिंकू कुमारी, पीयूष जायसवाल, अंचल अधिकारी रितिका कृष्णा समेत कई पुलिस अधिकारी व पुलिसकर्मी शामिल थे।

ब्रम्ह सरोवर एवं लाइटिंग सिस्टम बनी शोभा की वस्तु, जनता को जाम से कब मिलेगी मुक्ति

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।गया जी विश्व प्रसिद्ध स्थल होने के नाते भी नगर निगम प्रशासन द्वारा सिर्फ खानापूर्ति किया गया है। लोगों को मूलभूत सुविधाएं को नही दि जा रही है।एक तरफ तीर्थयात्रीयो को आकर्षित और मनमोहक लाइटिंग सिस्टम किया गया था गया जी शहर के दक्षिण छोर पर प्राचीन ब्रह्म सरोवर मे लाइट एंड साउंड सिस्टम लगाया गया था। लेकिन नगर निगम प्रशासन के अनदेखी, रखरखाव में अनदेखी करने कारण यह शो काफि समय पिछले दो सालो से बंद है। दो पितृपक्ष मेला भी बित गया लेकिन आज तक कोई सुध लेने वाला नही है।इसका निर्माण दिल्ली के एक कंपनी द्वारा किया गया था लेकिन अब यह सिर्फ शोभा कि वस्तु बन कर रह गयी है जहां भारत सरकार गया जी को विश्व के मानचित्र पर लाना चाहती है जिसके कारण गया जी कोरिडोर का जल्द निर्माण शुरू होगा,वही नगर निगम प्रशासन के अनदेखी के कारण ब्रह्म सरोवर आज भी रात के समय सुनसान दिखाई देती है। पानी के अंदर की मशीन सिर्फ शोभा का वस्तु बन गई है।इस लाइट एंड साउंड सिस्टम में 4.50 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण नगर निगम द्वारा किया गया था। इसे चालु करने के लिए नगर निगम के दोनो बोर्ड में प्रस्ताव रखा गया है ।इसे चालु करने के लिए 66 लाख की राशी पारीत की गई है जनता के पैसे का दुरुपयोग कब रुकेगा जनता जानना चाहती है।वही गया जी के कयी मोड़ पर सोदयर्कीण के लिए झरणा लगाया गया उसका भी यही ब्रह्म सरोवर की हालत है इसमें भी लाइट लगी जो कभी जलती है कभी नही। नगर निगम द्वारा जनता पर बोझ डालने का काम किया गया है टेक्स और वर्गीकरण के नाम से जनता और गरिब लोगों को बोझ डालने का काम किया गया है। लेकिन जनता के राजस्व नगर निगम को मिलती हैं उस रोड पर जाम की समस्यायों से मुक्त नही हुआ आज तक,रोड के दोनो किनारों पर टेला और फल विक्रेता आदी का कब्जा होता है जब स्कूल के बस के समय में पुरी तरह यातयात व्यवस्था पुरी तरह गया जी शहर की चरमाई देखने को मिलती हैं वह आनंदी मां मोड़ हो या कचहरी, केदारनाथ मोड़,जी बी रोड, गोल पत्थर,चोक हो हर तरफ काफी जाम की समस्या बनी रहती है।

सिर्फ हटाने के नाम पर खानापूर्ति किया जा रहा है।लेकिन यातयात प्रशासन द्वारा हेलमैट एवं प्रदुषण के नाम से जनता को पेरशान किया जा रहा है और हैल्मेट रहने पर भी लोगों को चलान काटा जा रहा है जिससे लोगों को काफी दिक्कत हो रही है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।सभी चीजें होने पर भी कभी पोलिशन के नाम पर कभी कुछ के नाम पर जनता का शोषण किया जा रहा है जिससे लोगों को काफी दिक्कत हो रही है कोई विधायक, सांसद को गया जी के कठिनाई से लेना देना नहीं है। अतिक्रमण फिर दो घंटे बाद वही स्थिति रहेती है सिर्फ एक ही रोड पर सिर्फ ध्यान दिया जाता है जिससे आम जनमानस और समाजसेवी लोग नगर निगम प्रशासन और यातयात प्रशासन से पुछ रही है कि गया शहर के लोगों को जाम से कब निजात मिलेगी ।

जिससे आम जनमानस के साथ एम्बुलेंस में मरिजो को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है गया शहर के जाम समस्या के कारण लेकिन नगर निगम प्रशासन और यातयात प्रशासन के लोग भी इसी रास्ते से आते जाते हैं लेकिन आम जनमानस के कठिनाई से कोई लेना-देना नहीं है। जिनसे समाजसेवी मांग कर रहे हैं कि लोगों को गया जी कब जाम से मुक्ति मिलेगी।

पहले नोटबंदी अब वोट बंदी कर रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : विनय कुशवाहा

गया जी।राष्ट्रीय जनता दल के प्रांतीय सचिव विनय कुशवाहा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के गरीबों का वोट देने का अधिकार को खत्म कर रहे हैं।

इन तीनों महारथी लोकतंत्र का गला घोटकर अपने मनमानी तरीके से संविधान को तोड़ कर देश को बर्बाद कर रहे हैं।विनय कुशवाहा ने कहा कि जिस आधार कार्ड से स्कूल में एडमिशन बैंक में खाता का ओपनिंग वृद्धा विधवा सहित तमाम पेंशन जितना भी सरकारी काम बिना आधार के नहीं होते हैं ।

मतदाता जागरूकता को लेकर सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने किया क्षेत्र का भ्रमण

गया जी।आज दिनांक 4 जुलाई 2025 को बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री एवं गया विधायक डॉ० प्रेम कुमार ने मतदाता जागरूकता अभियान के तहत गया नगर क्षेत्र का भ्रमण किया है। इस अवसर पर उन्होंने आम नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर जागरूकता फैलाई है।

नगर भ्रमण के क्रम में डॉ० प्रेम कुमार वार्ड संख्या 01 अंतर्गत बूथ संख्या 19, खरखुरा पहुँचे, जहाँ उन्होंने मतदाताओं एवं बीएलओ बूथ लेवल ऑफिसर से भेंट की है। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार कराने और शुद्धिकरण की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा बीएलओ के प्रयासों की सराहना की गई है।बीएलओ द्वारा जानकारी दी गई कि अब तक वार्ड संख्या 01 में लगभग 300 नए मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया है। इस उपलब्धि पर मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने बीएलओ को बधाई दी और कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया कि वे अपने परिवार और आस-पड़ोस के लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु प्रेरित करें।डॉ० प्रेम कुमार ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता की भागीदारी ही असली शक्ति है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह समय पर अपने दस्तावेजों की जांच करवाए और मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन कराए।

घर-घर जाकर मतदाता पुनरीक्षण अभियान चला रहे बीएलओ

कुर्था, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान 2025 शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन और पारदर्शी बनाना है। यह अभियान आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का उपयोग कर सके और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो।इस अभियान के तहत, 25 जून से 26 जुलाई 2025 तक आपके बीएलओ आपके घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। हम सभी मतदाता इस प्रपत्र को ध्यानपूर्वक भरें और आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने बीएलओ को जमा करें। यह लोकतंत्र को मजबूत करने और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को बढ़ावा देने का एक अवसर है।आपका सहयोग मतदाता सूची को विश्वसनीय और सटीक बनाने में मदद करेगा।हम सभी मतदाताओं से आग्रह करते हैं कि इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें। अपने गणना प्रपत्र को समय पर भरकर और आवश्यक दस्तावेजों के साथ बीएलओ को जमा करके अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। आपका एक छोटा सा प्रयास हमारे लोकतंत्र को और मजबूत बनाएगा।जागरूक बनें, सहयोग करें, और अपने मताधिकार को सुरक्षित करें।

महोत्सव : रत्न संजीव कुमार सिंह की देखरेख में सूर्य राघव मंदिर बड़ेम की प्रसिद्धि राष्ट्रीय स्तर पर

प्रातः किरण संवाददाता

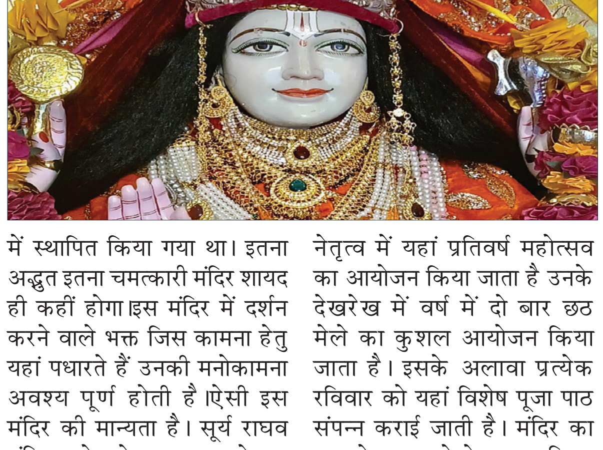

औरंगाबाद। नवीनगर प्रखंड के प्रसिद्ध ग्राम बड़ेम अवस्थित सूर्य राघव मंदिर पूरी दुनिया में इकलौता सूर्य मंदिर है जहां भगवान सूर्य के गोद में भगवान श्री राम एवं माता जानकी बैठी हैं और उनके अगल-बगल सेवक भाव की मुद्रा में हनुमान जी और लक्ष्मण जी विराजमान है जब कोई श्रद्धालु भक्त इस दृश्य को देखता है तो उसकी दृष्टि अपलक हो जाती है वह बहुत देर तक निहारने लगता है कि आखिर ऐसा दृश्य क्यों बनाया गया है ऐसा दृश्य किसी साधारण मानव के बश की बात नहीं है। युग प्रवर्तक संत त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के देखरेख में विद्या भास्कर जी महाराज के सान्निध्य में स्थापित किया गया था। इतना अद्भुत इतना चमत्कारी मंदिर शायद ही कहीं होगा।इस मंदिर में दर्शन करने वाले भक्त जिस कामना हेतु यहां पधारते हैं उनकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।ऐसी इस मंदिर की मान्यता है। सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में यहां प्रतिवर्ष महोत्सव का आयोजन किया जाता है उनके देखरेख में वर्ष में दो बार छठ मेले का कुशल आयोजन किया जाता है। इसके अलावा प्रत्येक रविवार को यहां विशेष पूजा पाठ संपन्न कराई जाती है। मंदिर का अवलोकन करने के पश्चात जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि जब कोई भक्त नबीनगर एनटीपीसी से बड़ेम के रास्ते होकर बारुण जाते हैं मंदिर की ओर जब उनकी दृष्टि पड़ती है तो वे अचरज भरी दृष्टि से देखते हैं तो पातें हैं कि इस मंदिर की कुछ तो विशेषता जरूर है जो किसी को भी आकर्षित करते रहती है। शास्त्रों में वर्णन आया है कि भगवान भास्कर की गोद में अनादि ब्रह्म परम पिता परमेश्वर भगवान श्री राम एवं माता जानकी विराजमान रहे तो उस प्रतिकृति को जब किसी भक्त की नजर पड़ती है तो उसके जन्म जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं।भगवान श्री राम का जन्म सूर्यवंश में हुआ था और सूर्यवंश में जन्म लेने के कारण ही इस आकृति को यहां दोहराई गई है ऐसी भी मान्यता है।

बीएलओ द्वारा वितरित किए जा रहे गणना प्रपत्रों की समीक्षा किया: डीएम

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अरवल कुमार गौरव के नेतृत्व में अरवल जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के अरवल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बेलसार, वलीदाद, कलेर के साथ अन्य बुथों का भी निरीक्षण किया गया। बीएलओ द्वारा वितरित किए जा रहे गणना प्रपत्रों की जिला पदाधिकारी द्वारा समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में मतदाताओं को बताया गया कि गणना प्रपत्र को आवश्यक स्व प्रमाणित दस्तावेजों के साथ संलग्न कर तथा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करते हुए संबंधित बीएलओ को उपलब्ध करायें। यह विशेष पुनरीक्षण का कार्य 27 जुलाई 2025 तक चलेगा, निर्धारित समय सीमा में इसे पूरा कर लेना है। जिला प्रशासन द्वारा अपील की गई कि हर योग्य मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जरूर जड़वाएं, चुनाव आयोग हर योग्य मतदाता को मतदाता सूची में जोड़ने के लिए संकल्पित है। किसी भी जानकारी या सहायता के लिए लोग वोटर हेल्पलाईन नं0 1950 पर कॉल कर सकते है। मौके पर संबंधित उप निर्वाचन पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी के साथ बीएलओं एवं अन्य उपस्थित रहे।

डीएम ने किया मतदाता सहायता केन्द्र का उद्घाटन

अरवल। समाहरणालय परिसर में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अरवल कुमार गौरव द्वारा मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 का सफलतापूर्वक संचालन हेतु मतदाता सहायता केन्द्र का उद्घाटन फिता काटकर किया गया। उद्घाटन के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि किसी भी मतदाता को अधिक जानकारी से संबंधित क्या करेंगे बीएलओ, क्या करेंगे आप, गणना प्रपत्र को ऑन लाईन के माध्यम से कैसे करेंगें इसकी पूर्ण जानकारी मतदाता सहायता केन्द्र अरवल से उपलब्ध कराई जायेगी। इसका मुख्य उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रह जाए और हर मतदाता को सशक्त एवं जागरूक बनाया जाए। किसी भी मतदाता पर इपिक नम्बर डालकर गणना प्राप्त कर सकते है।

संक्षिप्त खबरें

इस मानसून सीजन में पहली बार गंडक बराज से एक लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया

बगहा। मानसून के इस सीजन सत्र में पहली बार गंडक बराज से एक लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। शनिवार दोपहर 2 बजे के गंडक बराज से जारी किए गए आंकड़े चार्ट में 1,04,900 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है वहीं नेपाल स्थित देवघाट से 1,11,756.15 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। बतादें की इस मानसून सीजन में पहली बार एक लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बताते चलें कि नेपाल स्थित नारायणी गंडक नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में रुक रुककर रिमझिम बारिश हो रही है। जिससे गंडक नदी के जलस्तर में आंशिक बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

दहेज प्रताड़ना के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

एकमा। स्थानीय थाना पुलिस ने पारसा गढ़ निवासी चंद्रिका साह के पुत्र अनिल साह को घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में आरोपी के पत्नी संगीता देवी ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराकर अपने ही पति अनिल साह पर दहेज के लिए मारपीट कर घर से निकाल देने कि प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वित्तीय समावेशन योजनाओं में वंचित लाभार्थियों के लिए सभी पंचायतों में लग रहा शिविर

आरा। वित्तीय समावेशन योजनाओं में वंचित लाभार्थियों को शामिल कराने तथा प्रधानमंत्री जन धन खातों की फिर से केवाईसी करने के लिए पंचायत स्तर पर एक जुलाई से तीस सितंबर तक तीन महीने का विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस बावत अग्रणी जिला प्रबंधक भोजपुर नीरज कुमार ने बताया कि भोजपुर में कुल 226 ग्राम पंचायतों में इस अभियान के तहत विशेष कैंप लगाए जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से जिनका पहले से जनधन खाता नहीं है, उनका नया खाता खुलवाना, पुराने जन धन खातों में पुनः केवाईसी करवाना, जिन लोगों के खातों में नामांकन नहीं है, उसको करवाना शामिल है ताकि भविष्य में कोई परेशानी नहीं हो। साथ ही इव विशेष शिविर का माध्यम से जिन पात्र व्यक्तियों का प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना में पंजीकरण करवाना शामिल है। इसके लिए सभी पंचायतों के लिए सम्बद्ध बैंक की शाखाओं को तिथिवार सूची बैंकों को उपलब्ध करा दी गई है। एलडीएम ने भोजपुर वासियों से अपील किया है कि इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। एलडीएम ने आगे बताया कि जिले के सभी 241 बैंकों को उनके क्षेत्र अंतर्गत पंचायत वार सूची दे दी गई है। इस अभियान के तहत सभी बैंक अपने अपने क्षेत्र के आवंटित पंचायतों में शिविर लगाकर लोगों को जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि री केवाईसी नहीं करने पर उनका खाता बंद हो जाएगा। वहीं अपने खाता में नॉमिनी का नाम जुड़वाना भी अनिवार्य है। इसके साथ ही शिविर का माध्यम से विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगो को दी जाएगी। एलडीएम श्री कुमार ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से के कि वंचितों तक वित्तीय योजनाओं का लाभ पहुंच सके। ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन को मजबूत किया जा सके, विभिन्न योजनाओं का पूर्ण लाभ सुनिश्चित हो सके और बैंकिंग सेवाओं की पहुंच को और सुदृढ़ बनाया जा सके। शनिवार को भी पीएनबी गौरा ब्रांच के द्वारा शाहपुर के प्रसौंडा, पिरौटा पीएनबी शाखा के द्वारा महुली पंचायत समेत अन्य बैंकों के द्वारा अलग अलग पंचायतों में शिविर लगाया गया है। ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जन-धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की जानकारी दी गई। सात ही शिविर में पंजीकरण भी किया गया।

जनता दरबार में पहुंचे दस मामले, नव का निष्पादन

उदवंतनगर - शनिवार को उदवंतनगर थाना व गजराजगंज ओपी में भूमि विवाद के कुल दस मामले आए जिसमें एक को छोड़ सभी मामले निष्पादित किए गए। अंचलाधिकारी हरिकेश त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को उदवंतनगर थाना व गजराजगंज ओपी में जनता दरबार का आयोजन किया गया। उदवंतनगर थाना में भूमि विवाद के 7 मामले आए। दोनों पक्षों की आपसी सहमति से सभी मामले निष्पादित किए गए वहीं गजराजगंज ओपी में कुल 3 मामले आए जिसमें दो मामले का आन द स्पाट निष्पादन किया गया। एक मामला लंबित रहा। मौके पर थानाध्यक्ष सहित राजस्वकर्मी एवं गणमान्य मौजूद थे।

कई जमीनों पर वर्षों से खरीद बिक्री अर्थात रोक सूची से किया गया विमुक्त

● रोक सूची में डाले गए जमीनों के खाता खेसरा की जांच हेतु गठित समिति को तेजी से जांच कराने का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

गया। जिला पदाधिकारी गया श्री शशांक शुभंकर ने बताया कि पुराने समय अर्थात 2012-13 के समय से कुछ जमीनों पर खरीद बिक्री पर रोक लगा था, लगी रोक सूची से उनके जमीनों का खाता खेसरा को जांचोपरांत रोक सूची से हटाया गया है। जिला पदाधिकारी ने आज कुल 03 जमीन को रोक सूची से हटाया है। जिला पदाधिकारी ने अपर समाहर्ता राजस्व एवं जिला अवर निबंधन पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि अन्य रोक भी जो लगा है, उसका फाइल प्रस्तुत करें ताकि बेवजह आम जनों को कार्यालय का चक्कर काटना नहीं पड़े। रोक सूची का तात्पर्य है कि कोई जमीन के संबंध में सूचना प्राप्त होती है कि भू अर्जन में गई है या सरकारी जमीन है या किसी न्यायालय में मामला दायर चल रहा है/ न्यायालय द्वारा उक्त जमीन को खरीद बिक्री पर रोक लगाया है या पूर्व में सरकारी जमीन की सूची आंचल में तैयार की गई हो। उक्त सूची में कोई जमीन है तो उसकी जांच पड़ताल करके यदि वह जमीन वास्तव में रैयती है चाहे भू अर्जन से, सीलिंग से, न्यायालय के वाद से इत्यादि इन सारी चीजों से मुक्त है तो जिला स्तर पर उसकी एक समिति है, जिनमे एडीएम राजस्व, जिला अवर निबंधक, डीसीएलआर एवं संबंधित अंचल के अंचल अधिकारी इन सभी की एक समिति है उनके माध्यम से जांच करा करके जिस जमीन के निबंध पर रोक लगा हुआ है, अगर यह पाया जाता है की जमीन रैयती है, किसी प्रकार का विवाद,रोक नहीं है तो उसको रोक सूची से हटा हटाने का प्रस्ताव भेजा जाता है और उसका निबंधन शुरू की जा सकती है।डीएम ने कहा कि पूर्व से काफी जमीनों पर निबंध पर रोक लगी है, जिसमें बहुत सारे जमीनों पर जांच पड़ताल चल रही है। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि रोक सूची से संबंधित जमीन को जांच पड़ताल तेजी से कराया जाए और जो जमीन वास्तव में रैयत है, हर प्रकार के विवाद से मुक्त है, उसकी निबंध के लिए अनुशंसा किया जाए। विगत 1 माह में 14 मामलों को रोक सूची से मुक्त किया गया है।जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि आम जनता जो लंबे समय से अपने जमीन की रोक सूची से परेशान हो रहे हैं उसका शीघ्र जांच पड़ताल कर निराकरण करवाये।आज कुल 03 जमीनों को रोक सूची से हटाया गया है जिनमें : इमामगंज अंचल के इमामगंज मौजा अंतर्गत पंकज कुमार का वर्ष 2023 से रोक सूची में था, रोक सूची से हटाया गया। इमामगंज अंचल के किशुनीचक मौजा अंतर्गत रंजीत कुमार का वर्ष 2016 से रोक सूची में था, रोक सूची से हटाया गया। नगर अंचल के चंदौती मौजा अंतर्गत मा शांति टेलीकॉम संबंधित का वर्ष 2012 से रोक सूची में था, रोक सूची से हटाया गया।

विशेष पुनरीक्षण अभियान में आयेगी तेजी, फोटो की भी बाध्यता समाप्त

प्रात : किरण संवाददाता

उदवंतनगर - गत 26 जून से चल रही विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की धीमी गति को देखते हुए जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के आदेश के आलोक में विहित प्रपत्र के साथ फोटो लगाने की बाध्यता पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।जिला प्रशासन ने पहले प्रमाणीकरण दस्तावेज फिर फोटो लगाने की अनिवार्यता पर फिलहाल रोक लगा दी गई है ।आज के इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य पुनरीक्षण अभियान को गति देना बताया जाता है। विशेष पुनरीक्षण अभियान के लिए एक माह की समय सीमा तय थी जिसमें देखते ही देखते 10 दिन का समय बीत गया। फोटो रहित प्रपत्र इक्कठा करने के लिए बीएलओ घर-घर जा रहे हैं और फार्म भरवाकर जमा करा रहे हैं। प्राप्त आवेदन पर बीएलओ द्वारा मतदाता स्थाई है का प्रमाणीकरण जरूरी है। प्रखण्ड क्षेत्र के सभी मतदान केंद्र के पोषक क्षेत्र से मतदाता विहित प्रपत्र भरकर बीएलओ को जमा कर रहे हैं। बीएलओ प्राप्त आवेदन को पर्यवेक्षक को सुपुर्द कर रहे हैं जिसे जांचोपरांत कंप्यूटर आपरेटर को आन लाइन करने के लिए दिया जा रहा है।एक बीएलओ ने बताया कि बिना फोटो भी विहित प्रपत्र को मतदाताओं द्वारा भर लिया जा रहा है। इससे आवेदन प्राप्त होने में सहूलियत हो रही है।बताते चलें प्रखंड क्षेत्र में कुल 129 मतदान केंद्र हैं जिन पर 132456 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं।

मालवाहक ट्रक में आधी रात को लगी आग मचा हड़कंप,पुलिस ने आग पर पाया काबू

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिला के वाल्मीकिनगर में एक घटना की चर्चा लोगों की जुबां पर खूब चल रही है। दरअसल वाल्मीकिनगर के टंकी बाजार में शुक्रवार की देर रात मालवाहक खड़ी ट्रक में अचानक आग लग गई, जिससे अफरातफरी मच गई। घटना लगभग 11.30 बजे रात की बताई जा रही है। ट्रक वाल्मीकिनगर टंकी बाजार के सब्जी व्यवसायी शौकत मियां की है। जिस समय ट्रक में आग लगी,उस समय वाल्मीकिनगर थाना पुलिस गश्ती कर रही थी। पुलिस तुरंत ट्रक में लगी आग को बुझाने में लग गई। पुलिस ने सूझबूझ का परिचय देते हुए आग पर शीघ्र ही काबू पा लिया।डायल 112 के इंचार्ज दिलीप कुमार ने बताया की आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है,जब गाड़ी में आग लगी उस वक़्त गाड़ी में कोई नहीं था। बतादें,इस ट्रक से गोरखपुर से वाल्मीकिनगर के खुदरा कारोबारियों का सामान लाने ले जाने के लिए भाड़े पर इस्तेमाल होता है।

राणा सांगा के नाम पर सांसद रुडी की सांगा यात्रा का आगाज

राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति के संकल्प को मजबूत करने की पहल

● राणा सांगा के नाम पर सांगा यात्रा की शुरूआत

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति की भावना को जन-जन में पुनः जागृत करने के उद्देश्य से पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सारण सांसद श्री राजीव प्रताप रुडी ने महान इतिहास पुरुष राणा सांगा के नाम पर सांगा यात्रा का शुभारंभ किया। इस यात्रा की शुरूआत आज अमर स्वाधीनता सेनानी खुदीराम बोस की कीर्ति स्थली मुजफ्फरपुर से की गई। सांसद की यह यात्रा मुजफ्फरपुर जिले तथा मुजफ्फरपुर जिले के अंतर्गत आने वाले वैशाली लोकसभा क्षेत्र में संपन्न हुई। मुजफ्फरपुर पहुँचने पर सांसद श्री रुडी का क्षत्रिय समाज के गणमान्य लोगों ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान सीवान से जदयू नेता अजय सिंह, बाबू वीर कुँवर सिंह शौर्य जयंती आयोजन समिति के अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश कुमार सिंह, आनंद कुमार सिंह उर्फ बाबू साहब, शशी भूषण सिंह मुखिया, अमरेंद्र कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, श्री संतोष सिंह, करणी सेना के श्री प्रियांशु सिंह, मुखिया संघ के अध्यक्ष मोतीपुर के मनोज सिंह, राजेश सिंह, अनिल सिंह पंचायत समिति सदस्य, विकास सिंह मुखिया, सिकंदर सिंह, सरपंच जिला उपध्यक्ष मनोज कुमार, राणा मुकेश सिंह, मृत्युंजय शाही, विजय सिंह साईं, शत्रुघ्न सिंह सहित अनेक सम्मानित जन उपस्थित थे। अपनी यात्रा के दौरान मुजफ्फरपुर में श्री रुडी का कामेश्वरनाथ शिव मंदिर, गोकुल डेयरी, गायत्री पैलेस, मीनापुर चौक, मोतीपुर चौक से पहले रतनपुर में क्षत्रिय समाज द्वारा सांसद श्री रुडी का अभिनंदन किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रुडी के साथ सांसद श्री रुडी ने बताया कि यह सांगा यात्रा आगामी 23 अप्रैल को बाबू वीर कुंवर सिंह के शौर्य दिवस पर पटना में बिहार भर से जुटे क्षत्रिय समाज के प्रतिनिधियों के प्रति आभार प्रकट करने हेतु समर्पित है। इस यात्रा के माध्यम से वे बिहार के शिवहर, आरा, गया, जहानाबाद, अरवल, वैशाली, मुंगेर, जमुई, मोतिहारी आदि कई जिलों में अलग-अलग तिथियों पर सांगा यात्रा होगी और श्री रुडी जन संवाद करेंगे तथा सामाजिक एकता, इतिहास गौरव और राष्ट्रभक्ति के संदेश को घर-घर पहुँचाएंगे। सांसद रुडी ने कहा कि हमारे इतिहास के महानायक राणा सांगा ने अखंडता एवं स्वाभिमान की जो अद्भुत मिसाल पेश की, वही आज के समय में राष्ट्रीय एकता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह यात्रा समाज में नई ऊर्जा का संचार करेगी और बिहार की धरती पर वीरता, त्याग एवं एकता की परंपरा को और सुदृढ़ करेगी।

वीटीआर जंगल से भटक कर रिहायशी इलाके में पहुंचा तेंदुआ

ट्रैकिंग में जुटा वन विभाग

बगहा। बगहा के रामनगर में जहां वाल्मीकि टाइगर रिजर्व जंगल से भटकर रिहायशी क्षेत्रों में तेंदुआ का चहलकदमी देखी गई हैं।वहीं इसके बाद स्थानीय लोगों में डर का माहौल कायम हो चला हैं । बतादें की रामनगर प्रखंड के भैंसहिया गांव के खेतों में बुधवार के रात्रि स्थानीय लोगों ने तेंदुआ को चहलकदमी करते हुए देखा था ,जिसके बाद लोगों में डर का माहौल बन गया हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को देदी। मौके पर पहुंचे वनकर्मी ने तेंदुआ की ट्रैकिंग में जुटे गए हैं। चिउटाहा रेंज के वनपाल अंशु सिंह ने बताया कि तेंदुआ का पग मार्ग खेतों में मिला हैं,जिसका ट्रैकिंग किया जा रहा हैं और लोगों को जागरूक किया जा रहा हैं कि खेतों के तरफ अकेले नहीं जाएं।बतातें चलें कि जंगल से भटके तेंदुआ ने रिहायशी क्षेत्र में डेरा जमाया हुआ है।बीते कई दिनों से रामनगर के गुदगुद्दी पंचायत के बलुहवा गांव के समीप खेतो में तेंदुआ के पगमार्क पाए गए है।सूचना के बाद खेत का घेराव वन विभाग कर्मियों द्वारा कर ट्रेकिंग की जा रही है। लेकिन तेंदुआ बराबर लोकेश बदल रहा है। जिससे रेस्क्यू टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

पशु सखियों का तीन दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

प्रशिक्षण में बकरीपालन के पंचसूत्र पर विशेष जोर, वैक्सीनेशन व डीवॉर्मिंग लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) ।पश्चिमी चंपारण जिले के विभिन्न प्रखंडों से आयी पशु सखियों का तीन दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण शनिवार को फकीराना सिस्टर सोसाइटी बेतिया में संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बकरी पालन से जुड़ी स्वास्थ्य, देखभाल, प्रबंधन, पोषण एवं अन्य तकनीकी जानकारियों को दोहराना और व्यवहार में लाना था। प्रशिक्षण का संचालन आगा खान फाउंडेशन के पशु चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. सरोज द्वारा किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान पशु सखियों से उनके द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की और उन्हें अपने पोषक क्षेत्र में बकरियों के वैक्सीनेशन एवं डीवॉर्मिंग लक्ष्य को समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने पशु सखियों से उनके कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा कि और व्यवहारिक समाधान भी प्रस्तुत किए। साथ ही, सुझाव दिया कि ऐसी समस्याओं पर ग्राम संगठन कि बैठक में सामूहिक रूप से चर्चा कर समाधान निकाला जाए। उन्होंने पशु सखियों को यह भी जानकारी दी कि बकरीपालक महिलाओं को समझना है कि उनके मवेशी कनेल, अरंडी धतूरा जैसे पौधे का सेवन नहीं करें, अन्यथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने पशु सखियों को बकरियों के वजन को तेजी से बढ़ाने के लिए दाना मिश्रण बनाने का तरकीब बताया। साथ ही साथ उन्होंने जानकारी दी कि 100 किलोग्राम दाना मिश्रण बना कर एक किलोग्राम का पैकेट बना कर आसानी से बेचा जा सकता है और अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। प्रशिक्षण में बकरीपालन के पंचसूत्रा झआवास, स्वास्थ्य, चारा, प्रजनन एवं समुचित प्रबंधन झ पर विशेष रूप से बल दिया गया। इस संदर्भ में लाइवस्टॉक मैनेजर (युवा पेशेवर झ जीविका) द्वारा व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए, जिसमें इन सभी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी पशु सखियों ने रिफ्रेशर प्रशिक्षण को उपयोगी बताया और इस ज्ञान को अपने क्षेत्र में लागू करने का संकल्प लिया।

अनियंत्रित वाहन की ठोकर से एक बच्चे की मौत,आक्रोशितों ने किया सड़क जाम

तरैया। थाना क्षेत्र के छपिया बिनटोली के समीप अनियंत्रित वाहन की ठोकर से एक बच्चे की मौत हो गयी।मृतक रमेश कुमार उर्फ भजु राउत के पांच वर्षीय पुत्र संदीप कुमार है।परिजन व आक्रोशित लोगों ने बताया कि स्व.दीनानाथ सिंह के शवयात्रा में जा रहे अनियंत्रित वाहन ने बच्चे को ठोकर मार कर फरार हो गया। परिजनों ने आनन फानन में बच्चे को घायलावस्था में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीरावस्था में छपरा लेकर जा रहे थे कि रास्ते में बच्चे ने दमतोड़ दिया।परिजन शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।आक्रोशित लोगों ने मुआवजे व सड़क पर ब्रेकर बनवाने की मांग कर रहे थे।घटना की सूचना मिलते ही तरैया थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह, पानापुर थानाध्यक्ष प्रवेश कुमार, मसरख व इसुआपुर थाना पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंची।वहीं इसुआपुर सीओ भी घटनास्थल पर पहुंचे. आक्रोशितों लोगों को थानाध्यक्ष ,सीओ व मुखिया प्रतिनिधि व पैक्स अध्यक्ष मुन्ना यादव ने समझा बुझाकर पांच घंटे के बाद जाम हो समाप्त कराया।इसुआपुर बीडीओ के द्वारा पीड़ित परिवार को तत्काल 20 हजार रुपये का परिवारिक लाभ योजना के तहत चेक दिया गया।वहीं थानाध्यक्ष ने तत्काल स्पीड ब्रेकर की जगह पर तरैया थाना का चेक पोस्ट का बड़ा बोर्ड मंगा कर घटना स्थल पर लगाया गया।उसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई। जाम में फंसे रहे लोग पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह सिवान जाने के क्रम में जाम में फंसे रहे।पूर्व सांसद ने पीड़ित परिजनों को सांत्वना देते हुए आर्थिक मदद किया तथा पदाधिकारियों से हर संभव सरकारी सहायता दिलवाने की बात किया।जाम के कारण घटनास्थल के दोनों तरफ गाडियों की लंबी कतार लगी हुई थी।

इसुआपुर में साहित्यिक पुस्तक वितरण सम्मान समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। संस्कार दीप इंटरनेशनल स्कूल के सभागार में शनिवार को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत राष्ट्रभाषा हिंदी को बढ़ावा, विकास और बढ़ोतरी हेतु पुस्तक वितरण सम्मान समारोह आयोजन किया गया था। जिसके व्यवस्थापक मनोज कुमार थे। कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, जिला पार्षद की उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह, प्रोफेसर जौहर सफीयावादी, संगम बाबा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम कि शुरूआत कि गई। वही मुख्य अतिथियों के साथ गणमान्य लोगों को अंग वस्त्र व सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में प्रियंका सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम के द्वारा समाज कि दशा और दिशा दोनों बदलेगी। साहित्य कि किताब ऐसी किताब है जिसको पढ़ कर हमलोगों को बहुत कुछ सिखाना है। वही सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा ने कहा कि शिक्षकों को 331 प्रकार कि पुस्तकों के साथ आलमीरा भी दिया गया है ।वही उन्होंने कहा कि इस साहित्य के पुस्तक से समाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में कामयाबी हासिल होगी तथा यह आत्म भाव को जोड़ने का काम करेगा। इस पुस्तक के माध्यम से बच्चों में शिक्षा के साथ उनके व्यवहार में भी काफी परिवर्तन होगा। उन्होंने यह भी कहा की पुस्तक ही जीवन जीने की सीख देती है। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा मातृभाषा है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि आप बच्चों को पढ़ाई के साथ साहित्य की भी जानकारी दें। वही तीन प्रखंडों में चयनित 60 विद्यालयों प्लस टू विद्यालय महुली चकहन , एस एन जी प्लस टू विद्यालय रामपुर अटौली, प्लस टू विद्यालय जयथर, प्लस टू विद्यालय दुमदुमा,प्लस टू विद्यालय सतजोरा, प्लस टू विद्यालय चकिया, शांति रमन प्रोजेक्ट प्लस टू विद्यालय सढ़वारा के साथ अन्य 60 विद्यालयों को साहित्यिक पुस्तक के साथ दी गई। मौके पर रत्नेश भास्कर,अजीत सिंह, मकेश्वर सिंह,बद्रीनारायण सिंह, प्रमोद सिंह, कुंवर सोनू सिंह, नंदकिशोर सिंह अमित सिंह, संजय सिंह धुरेन्द्र सिंह, पंकज कुमार व अन्य मौजूद थे।

डॉ.अरविंद बने जीवन धारा नमामि गंगे संस्था का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा। जाने माने फिल्म निमार्ता निर्देशक और राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समाज सेवी डॉ अरविन्द आनंद को जीवन धारा नमामि गंगे संस्था का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय प्रवक्ता और उतर बिहार जोनल प्रभारी मनोनीत किया गया है जो सारण ही नहीं बिहार के लिए बहुत ही गौरव की बात हैं। बताते चले कि डॉ. अरविंद एकमा प्रखंड के मठनपुरा के निवासी और स्व धूपनाथ सिंह के इकलौते पुत्र है। ज्ञात हो कि जीवन धारा नमामि गंगे केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय, दिल्ली से संबद्ध भारत सरकार के संज्ञान में संचालित एक ऐसी संस्था है जो गंगा समग्र विकास, जल संरक्षण सहित पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भारत के एक दर्जन से ऊपर राज्यों के 50 से ऊपर गंगा बेसिन जिलों में गंगा सेवा सहित पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने में तत्पर है, डॉ अरविंद आनंद ने बताया कि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ हरिओम शर्मा के नेतृत्व में यह अनूठा गंगा सेवा अभियान संचालित हो रहा है। आगामी जुलाई में जल शक्ति मंत्रालय के तत्वावधान में आगामी जुलाई माह में संस्था द्वारा सरकारी दौरे का कार्यक्रम बिहार के कुछ जिलों में निर्धारित किया गया है, जिसके अन्तर्गत गंगा सहित अन्य नदियों,जल स्त्रोतों, पर्यावरण के संदर्भ में स्वच्छता,संरक्षण, वृक्षारोपण आदि कार्यक्रमों को लेकर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से कार्यान्वित गतिविधियों को संचालित करने हेतु तथ्यों को निर्धारित किए जाने का लक्ष्य है साथ साथ आगामी सितंबर माह में वृंदावन में राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। डॉ अरविन्द आनंद के इस उपलब्धि पर सिवान और छपरा के लोगों खुशी की लहर दौड़ गई, जिसमें मुख्य रूप से डॉ एस कुमार, डॉ पंकज सिंह सिंह,रविशंकर कुशवाहा, अमरेंद्र राम, अनिल सिंह, प्रो. भृगुनाथ प्रसाद, पवन गुप्ता, ध्रुव गुप्ता संजय राम, सत्येंद्र राम आदि ने बधाई शुभकामना दिया और कहा की यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।

गहन पुनरीक्षण: हस्ताक्षर किया हुआ गणना फॉर्म जल्द जमा कराएं

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ।विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के लिए निर्वाचक के लिए कड़ी शर्त यह है कि वह पूर्व-मुद्रित गणना फॉर्म पर हस्ताक्षर करके उसे जमा कर दे। कागजात के आभाव में इंतजार नहीं किया जाए। जो भी अपना गणना पत्रक जमा कर देगा उसका नाम ड्राफ्ट में शामिल कर लिया जाएगा। कागजातों का सत्यापन बाद में किया जाता रहेगा। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री अमन समीर ने श्री भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में आयोजित सदर अनुमंडल के पंचायत मुखिया के उन्मुखिकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि मुखिया ऐसे जनप्रतिनिधि हैं जो पंचायत में जनता के बीच रहते हैं। ऐसे में गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में आपका सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार में बहुत ही बड़ा अभियान चला रहा है। हम सभी का दायित्व है कि जिम्मेदार नागरिक होने का फर्ज निभाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्र व्यक्तियों को शामिल किया जाए। कोई भी योग्य व्यक्ती छूटे नहीं। हस्ताक्षरित गणना फॉर्म के साथ, संलग्न किए गए अथवा संलग्न नहीं किए गए दस्तावेजों के आधार पर, प्रारूप निर्वाचक नामावलियों में शामिल प्रत्येक नाम की पात्रता का सत्यापन उनकी प्राप्ति के पश्चात से निरंतर किया जाता रहेगा। प्रारूप निर्वाचक नामावलियों के प्रकाशन के बाद, दिनांक 02 अगस्त से सत्यापन का कार्य जोर-शोर से प्रारंभ होगा। निर्वाचक नामावलियों के प्रकाशित प्रारूप के आधार पर, दिनांक 2 अगस्त से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। अंतिम निर्वाचक नामावलियां 30 सितंबर, 2025 को प्रकाशित की जाएंगी। मौके पर उपस्थित उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभिन्न मान्य दस्तावेज और तिथियों के बारे में अवगत कराया।

सैदपुर में तार के पेड़ से गिरने से एक युवक की हुई मौत

परसा। नगर पंचायत परसा बाजार अंतर्गत सैदपुर में तार पेड़ से छलांग लगाकर पकड़ी के पेड़ पेड़ बगुला का बच्चा उतारने के क्रम में गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको अचेत अवस्था में लोगों द्वारा आनन फानन में उसे प्राथमिक उपचार हेतु परसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां डिप्टी पर तैनात से चिकित्सकों ने शारीरिक प्रशिक्षण के बाद उसे मृत्यु घोषित कर दिया. मृतक युवक की पहचान अमनौर थाना क्षेत्र के ढोलही निवासी वकील नट का पुत्र दिलीप नट बताया जाता है. इसके बाद मृतक के परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए हुए शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसा से लेकर अपने साथ अमनौर थाना क्षेत्र के ढोलही लेकर चला गया. परिजनों ने बताया कि पोराई में रहकर अपने परिवार को भरण पोषण कर रहा थ.

समाज को एकजुट रखने के लिए खेलों का आयोजन जरूरी: सलीम परवेज

प्रात : किरण संवाददाता

गरखा । संसार में भाईचारा, प्रेम व सहिष्णुता बढ़ाने का एकमात्र साधन और उपाय खेल है. यही वह आयोजन है जहां जाति, धर्म और समुदाय से इतर केवल टीम भावना होती है. उक्त बातें गरखा के बसंत हाई स्कुल के मैदान में आयोजित 42 वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि बिहार मदरसा बोर्ड के चेयरमैन सह बिहार एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सलीम परवेज ने कहीं. उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट रखने के लिए निरंतर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होना चाहिए. आज के युग में खेल कैरियर बनाने का मार्ग है. मैंने खेल की बदौलत ही प्रसिद्धि पायी और युवाओं से जुड़ने का मौका मिला. इस अवसर पर उन्होंने एथलीटों को शुभकामनाएं दिया. आयोजन समिति की सराहना करते हुए उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है. किसी भी खेल में बेहतर करने के लिए एथलेटिक्स में अच्छा होना होगा. उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन सिखाता है. प्रतियोगिता में खेल भावना से भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यहां से लेकर स्टेट और नेशनल स्तर तक जाने में खिलाड़ियों की हर तरह की मदद की जाएगी. अतिथियों का स्वागत आयोजन सचिव नारायण सिंह ने किया. जबकि मौके पर एथलेटिक्स संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अजय कुमार सिंह, महासचिव गजेंद्र सिंह, विद्यालय के संस्थापक प्राचार्य विजय सिंह, प्राचार्य सत्येन्द्र कुमार, तकनीकी पदाधिकारी निर्मल ठाकुर, श्यामदेव सिंह, राजकिशोर तिवारी, संजय कुमार सिंह, अमित सौरभ, राका सिंह, आदि उपस्थित थे.

दीनानाथ सिंह की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ डोरीगंज गंगा तटपर हुआ अंतिम संस्कार

मशरक। मशरक बढ़िया टोला निवासी पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के अनुज दीनानाथ सिंह का शव यात्रा मशरक आवास से निकल डोरीगंज पहुँचा। सैकड़ो वाहन के काफिले से हजारों लोग साथ चले। शनिवार को डोरीगंज तिवारी घाट गंगा किनारे धूप एवम चन्दन की लकड़ी से अर्थी सजी। पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह परिजनों एवम स्वजनों के साथ रोते बिलखते हुए छोटे भाई के पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई दी। छोटे भाई विधायक केदारनाथ सिंह , मदन सिंह , प्रभुनाथ सिंह के पुत्र पूर्व विधायक रणधीर सिंह , अभिलेष सिंह , विधायक पुत्र अधिवक्ता ऋतुराज सिंह सहित अन्य थे। दीनानाथ सिंह के बड़े पुत्र युवाओ के चहेते युवराज सुधीर सिंह ने आचार्य के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच घाट के डोम को एक लाख रुपया नकद अन्य सामग्री देकर अग्नि खरीद पिता को मुखाग्नि दी। मौके पर दीनानाथ के पुत्र राजू सिंह , अभिषेक टूटू अपने भाई के साथ रागे। ग्रामवासियो सहित हजारो लोगो ने कलयुग के लक्ष्मण सरीखे दीनानाथ को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। डोरीगंज घाट पर युवाओं सहित अन्य लोगो की उमड़ी भीड़ को देख आसपास के लोग कहते सुने गए इतनी भीड़ हाल के वर्षो में पहले कभी किसी के अंतिम संस्कार में नही जुटी। घाट के पास बैठे प्रभुनाथ से मिलने जुलने वाले आते रहे किन्तु प्रभुनाथ खामोश शून्य को निहारते रहे।

दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 45 रन की बढ़त

वेस्टइंडीज पहली पारी में 253 रन पर ऑल आउट ; लायन ने 3 विकेट लिए

ग्रेनेडा (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की टीम ग्रेनेडा में दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 253 रन पर ऑलआउट हो गई। नाथन लायन ने 3 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कैरेबियाई टीम ऑस्ट्रेलिया से 45 रन पीछे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 12 रन बना लिए हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 286 रन बनाए थे।

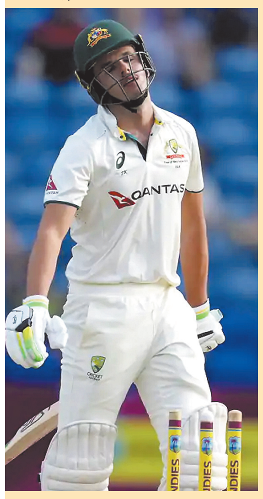

सैम कोंस्टास बिना रन बनाए लौटे – सैम कोंस्टास दूसरी पारी में शून्य पर आउट हो गए। उन्हें जेडन सील्स ने बोल्ड किया, जबकि उस्मान ख्वाजा दो रन पर आउट हुए। उन्हें सील्स ने ख्क्ष्ठ किया। दिन का खेल खत्म होने तक कैमरून ग्रीन 6 रन और नाइटवाचमैन नाथन लायन 2 रन बनाकर खेल रहे थे।

मैदान पर अचानक आ गया कुत्ता, पैट कमिंस ने किया उसे बाहर – वेस्टइंडीज टीम की बल्लेबाजी के दौरान 32.2 ओवर में ग्राउंड में अचानक एक कुत्ता आ गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने उसे ब्राउंड्री लाइन के बाहर किया। इस दौरान थोड़ी देर के लिए खेल को रोकना भी पड़ा।

वेस्टइंडीज की ओर से ब्रैंडन किंग रहे टॉप स्कोरर – वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसका पहला विकेट 7 रन पर ही गिर गया। वहीं जॉन कैम्पबेल और केसी कर्टी के बीच दूसरे विकेट के लिए 33 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी हुई। उसके बाद रोस्टन चेज और ब्रैंडन किंग ने चौथे विकेट के लिए 80 गेंदों पर 47 रन जोड़े। इसके बाद शाई होप और ब्रैंडन किंग के बीच पांचवें विकेट के लिए 96 गेंदों पर 58 रन की साझेदारी हुई। सातवें विकेट के लिए अल्जारी जोसेफ और समर जोसेफ ने 69 गेंदों पर वेस्टइंडीज के लिए 51 रन जोड़े। ब्रैंडन किंग वेस्टइंडीज के टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 108 गेंदों का सामना कर 75 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन लायन ने 3 विकेट लिए – ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहली पारी में नाथन लायन ने 3 विकेट लिए। जोश हेजलवुड ने 16 ओवर में 46 रन देकर 2 विकेट और पैट कमिंस ने 14 ओवर में 43 रन देकर 2 विकेट लिए।

148 सालों में सबसे खराब गेंदबाज!

प्रसिद्ध कृष्णा ने भारत बनाम इंग्लैंड मैच में बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

बर्मिंघम (एजेंसी)। प्रसिद्ध कृष्णा के इंग्लैंड के खिलाफ काफी उम्मीदे थें। लेकिन वह मौजूदा टेस्ट सीरीज में इन उम्मीदों पर खर नहीं उतर रहे हैं। एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में अपने खराब प्रदर्शन के साथ प्रसिद्ध के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड जुड़ गया है। वह टेस्ट क्रिकेट के 148 वर्ष के इतिहास में सबसे खराब इकॉनमी रेट वाले गेंदबाज बन गए हैं।

वर्तमान में टेस्ट में प्रसिद्ध का इकॉनमी रेट 5.26 है, जो लगातार लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करने और विरोधियों को मुफ्त में मौका देने में उनकी अक्षमता को दर्शाता है। सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार प्रसिद्ध के नाम अब टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब इकॉनमी रेट (न्यूनतम 500 गेंद) का रिकॉर्ड है। प्रसिद्ध ने अपने टेस्ट करियर में प्रति ओवर पांच से ज़्यादा रन दिए हैं।

वहीं इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट की बात करें तो उन्होंने 12 ओवर में 71 रन लुटाए हैं और एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। इस दौरान उन्होंने केवल एक ओवर ही खाली फेंका। ऐसे में इस मैच में ही उनका इकोनॉमी रेट 5.90 हो गया है। इससे पहले बांग्लादेश के शहादत हुसैन के नाम यह रिकॉर्ड था, जिन्होंने 38 मैचों में 4.16 की इकॉनमी रेट से 3,731 रन दिए थे। हुसैन ने 2005 से 2015 के बीच बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया था।

नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट शुरु

मैं इस आयोजन को लेकर बेहद खुश हूं: चोपड़ा

बेंगलूर (एजेंसी)। ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट की शुरुआत हो गई है। यह भारत में होने वाला पहला वर्ल्ड एथलेटिक्स टॉप लेवल इवेंट होगा। इसे नीरज चोपड़ा होस्ट कर रहे हैं। बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में शाम 7 बजे से मुकाबला शुरू हुआ। मीडिया से बात करते हुए नीरज ने कहा, मेडल्स अलग बात हैं, लेकिन मैंने भारत को ऐसा कुछ दिया है जो कभी नहीं हुआ था। मैं इस आयोजन को लेकर बेहद खुश हूं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि युवा भारतीय जेवलिन थ्रोअर को वर्ल्ड क्लास एथलीट्स के साथ खेलने का मौका मिलेगा।

क्या है नीरज चोपड़ा क्लासिक – नीरज चोपड़ा क्लासिक एक दिवसीय कॉन्टिनेंटल टूर मीटिंग है, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स से गोल्ड स्टेटस मिला है। यह भारत में आयोजित होने वाली पहली ट्रैक एंड फील्ड मीटिंग है। दुनिया भर में वर्ल्ड और कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और डायमंड लीग मीटिंग्स के अलावा, कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट्स की एक सीरीज होती है, जिन्हें कई श्रेणियों जैसे, (गोल्ड), क्र (सिल्वर), ष्ट (ब्रॉन्ज) और चैलेंजर इवेंट्स में बांटा गया है। गोल्ड स्टेटस के साथ, नीरज चोपड़ा क्लासिक डायमंड लीग के बाद सबसे बड़ा इवेंट माना जा रहा है। हाल ही में चेक गणराज्य में ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक, जहां नीरज ने जीत दर्ज की थी। वह एक गोल्ड-रेटेड वर्ल्ड एथलेटिक्स इवेंट है जो 1961 से चला आ रहा है। ऐसे ही टूर्नामेंट की तर्ज पर नीरज चोपड़ा क्लासिक की शुरुआत हो रही है। इस इवेंट में भाग लेने वाले एथलीट्स को सितंबर में टोक्यो में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने में मदद करने के लिए पॉइंट्स मिलेंगे।

भारत में पहली बार होगा वर्ल्ड लेवल एथलेटिक्स इवेंट

कैसे शुरू हुआ नीरज क्लासिक –नीरज चोपड़ा ने ओलिंपिक जीतने के बाद से ही चाहा था कि भारत में भी वर्ल्ड क्लास का एथलेटिक्स इवेंट हो। इस सपने को (जिंदल साउथ वेस्ट) स्पोर्ट्स और कई स्पॉन्सर्स के साथ मिलकर पूरा किया गया है। नीरज न सिर्फ इसमें हिस्सा ले रहे हैं। बल्कि आयोजन, प्रचार, खिलाड़ियों के बुलावे से लेकर मैदान की तैयारी तक हर स्तर पर उन्होंने खुद को शामिल किया।

यह उतरेंगे मैदान में –12 टॉप इंटरनेशनल और भारतीय जैवलिन थ्रोअर इस मुकाबले में हिस्सा ले रहे हैं। 2016 के ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता थॉमस रोहलर और रियो के सिल्वर मेडलिस्ट जूलियस येगो भी इस इवेंट में भाग लेंगे। ङ्क के कर्टिस थॉम्पसन, जिनका सीजन का बेस्ट 87.76 मीटर है, भी एक्शन में होंगे। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स इस महीने की शुरुआत में चोट के कारण मीट से बाहर हो गए थे। भारतीय जेवलिन थ्रोअर की अगली पीढ़ी भी एक्शन में होगी। 25 साल से कम उम्र के 4 प्लेयर्स को बड़ा मंच मिलेगा। सचिन यादव, जिन्हें जेवलिन में अगली बड़ी चीज माना जाता है। उनका पर्सनल बेस्ट 85.16 है। 22 वर्षीय यशवीर सिंह, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया था। वो भी एक्शन में होंगे।

दूसरे टेस्ट में भारत ने की दमदार वापसी

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत ने बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 317 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 152 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और पंत मोर्चा संभाले हुए थे। करुण नायर 26 और यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर आउट हुए। ब्रायडन कार्स और जोश टंग को एक-एक विकेट मिला। एजबेस्टन स्टेडियम में शनिवार को मैच का चौथा दिन था और पहले सेशन का खेल जारी था। टीम इंडिया ने सुबह 64/1 के स्कोर से खेलना शुरू किया। तीसरे दिन इंग्लैंड पहली पारी में 407 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिली। जैमी स्मिथ ने 184 और हैरी ब्रूक ने 158 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 6 और आकाशदीप ने 4 विकेट लिए। भारत ने पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल (269 रन) के दोहरे शतक के सहारे 587 रन बनाए।

तीसरे दिन बने यह रिकॉर्ड्स...

बेन स्टोक्स का पहला गोल्डन डक – इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पहली ही गेंद पर कॉट बिहाइंड हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने बाउंसर फेंक कर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। 113 टेस्ट के करियर में स्टोक्स 16वीं बार जीरो पर आउट हुए, लेकिन पहली बार ही किसी बॉलर ने उन्हें पहली गेंद पर पवेलियन भेजा।टेस्ट क्रिकेट में बगैर गोल्डन डक के सबसे ज्यादा पारियां खेलने का रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के नाम है। जो 286 पारियों बाद गोल्डन डक हुए थे।

जैमी स्मिथ ने 80 बॉल पर शतक लगाया – इंग्लैंड के विकेटकीपर बैटर जैमी स्मिथ ने महज 80 गेंद पर शतक लगा दिया। यह इंग्लैंड से चौथा सबसे तेज टेस्ट शतक रहा। फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड गिल्बर्ट जेसप के नाम है, जिन्होंने 1902 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 76 गेंद पर सेंचुरी लगा दी थी।

ब्रूक ने सबसे तेज 2500 रन बनाए – इंग्लैंड से हैरी ब्रूक ने भी शतक लगाया, उन्होंने 158 रन की पारी खेली।

भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप – जैमी स्मिथ और हैरी ब्रूक ने छठे विकेट के लिए 303 रन की पार्टनरशिप की। यह इंग्लैंड से भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इंग्लैंड से भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए यह सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही। ब्रूक–स्मिथ ने जॉनी बेयरस्टो और क्रिस वोक्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों ने 2018 में लॉर्ड्स स्टेडियम में 189 रन जोड़े थे।

11 साल बाद भारत के खिलाफ 300+ रन की पार्टनरशिप – भारत के खिलाफ टेस्ट में 11 साल बाद किसी भी विकेट के लिए 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई। 2014 में आखिरी बार न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कलम और बीजे वाटलिंग ने छठे विकेट के लिए ही 352 रन जोड़े थे। भारत के खिलाफ टेस्ट में 12वीं बार 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई।

प्लेइंग-11

इंग्लैंड- बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

विंबलडन- आंद्रे रूबलेव राउंड ऑफ 16 में पहुंचे

फिट्ज ने भी थर्ड राउंड का मैच जीता; विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीस बाहर

पेरिस (एजेंसी)। विंबलडन के थर्ड राउंड में आंद्रे रूबलेव ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने एड्रियन मन्नारिनो को सीधे सेट में हराकर अगले राउंड में पहुंचे। वहीं विमेंस सिंगल्स छठी सीड मैडिसन कीस को उन्हें जर्मनी की सिगमंड ने हराकर बाहर कर दिया।

मेंस सिंगल्स में फिट्ज जीते – रूबलेव ने फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 के अंतर से हराया। मेंस सिंगल्स में रूबलेव के अलावा अमेरिका के टेलर फिट्ज, इंग्लैंड के कैमरन नोरी, ऑस्ट्रेलिया के लुसियानो डारडेरी, पोलैंड के कामिल माचजैक और चीली के निकोलस जेरी को भी जीत मिली। सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। यह मुकाबले रविवार से खेले जाएंगे।

मेंस डबल्स में जीती टॉप सीड जोड़ी –मेंस डबल्स में नंबर-1 सीड मार्सेलो अरेवालो और मैट पैविक की जोड़ी ने अगले राउंड में जगह बना ली। दोनों ने स्पेन के जौम मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की जोड़ी को हराया। दूसरी सीड हेनरी पैटन और हैरी हेलोवारा की जोड़ी ने भी अगले राउंड में जगह बना ली।

विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीस बाहर – विमेंस सिंगल्स में अमेरिका से छठी सीड मैडिसन कीस को उलटफेर का शिकार होना पड़ा।

एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप

भारत की पुंगनी तारा ने जीता रजत पदक

अस्ताना (कजाकिस्तान) (एजेंसी)। भारत की पुंगनी तारा ने शुक्रवार को 2025 एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 किलोग्राम भार वर्ग (युवा बालिका) में रजत पदक जीता।

पुंगनी ने कुल 141 किलोग्राम वजन उठाया। उनके व्यक्तिगत भारोत्तोलनों में 60 किलोग्राम स्नैच, 81 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क शामिल थे, जिससे उनका उठाया कुल वजन 141 किलोग्राम हो गया। इस प्रदर्शन के साथ, फुंगनी ने क्लीन एंड जर्क में स्वर्ण पदक और कुल भारोत्तोलन में रजत पदक हासिल किया।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने पुंगनी को बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए पुंगनी तारा को हार्दिक बधाई देता हूं और सभी कोचों और सहयोगी स्टाफ को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। यह परिणाम हमारे एथलीटों के समर्पण और हमारी कोचिंग टीम की कड़ी मेहनत का प्रमाण है, खासकर सीमित तैयारी के समय को देखते हुए। इस सफलता से चैंपियनशिप में भारतीय दल के लिए एक प्रेरक शुरुआत हो।

बिहार देश का पहला राज्य बनेगा, जो महिला खिलाड़ियों के लिए बनाएगा हेल्थ एंड वेलनेस पॉलिसी

पटना (एजेंसी)। पाटलिपुत्र खेल परिसर में आज बिहार सरकार द्वारा महिला खिलाडियों के विकास के लिए बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ्ट पर देशभर से आए विशेषज्ञों द्वारा परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस तरह की नीति बनाने वाला बिहार देश का पहला राज्य होगा।

राज्य में महिला खिलाडियों की निरंतर बढ़ती भागीदारी और बेहतर प्रदर्शन द्वारा मेडल जीतने की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और सरकार द्वारा महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य और कल्याण नीति बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

बिहार महिला एथलीट स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति-2025 के ड्राफ्ट पर हुई आज की परिचर्चा में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण, निदेशक रविंद्र नाथ चौधरी पूर्व निदेशक संजय कुमार सिन्हा, उप निदेशक हिमांशु सिंह की उपस्थिति में खेल और विभिन्न क्षेत्रों की महिला विशेषज्ञों और खिलाडियों में प्रमुख रूप से बिहार पुलिस अकादमी की निदेशिका आर मल्लार विज़्जी,ऑलंपियन तैराक माना पटेल ,आईआईएम बोधगया की निदेशिका डॉ.विनीता एस सहाय,प्रसिद्ध महिला उद्यमी और आईटी विशेषज्ञ ब्रांड रेडियेटर की प्रबंध निदेशक हिमानी मिश्रा,दानी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के निदेशक और टॉप्स के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमोडोर राजेश राजगोपालन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.ऋतुराज ,राजगीर स्पोर्ट्स अकादमी के मुख्य सलाहकार ऑलंपियन गविन फरेरा,सिंपली स्पोर्ट्स फाउंडेशन की अदिति मुतालकर, खेल मनोवैज्ञानिक डॉ.प्रिया ,आईपीआरडी की कम्युनिकेशन एक्सपर्ट नूपुर झा, लीड स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट मिहिरा, एनआईएस पटियाला की खेल विज्ञान विशेषज्ञ डॉ.जाह्नवी दांडे,सहित 30 से ज्यादा विशेषज्ञों ने अपनी राय रखी।

खेल के क्षेत्र में बिहार के निरंतर आगे बढ़ने के पीछे खिलाडियों की मेहनत के साथ साथ राज्य में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास की सरकार की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण योगदान है।

विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता

अमेरिकी प्लेयर वेस्ली सो को 36 चालों में मात दी, 18 में से 14 पॉइंट हासिल किए

जाग्रेब (एजेंसी)। क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने रैपिड खिताब जीत लिया है।

यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा है और गुकेश ने रैपिड फॉर्मेट में 18 में से 14 पॉइंट अर्जित करके खिताब अपने नाम किया।

गुकेश ने आखिरी राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर रैपिड खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने टूर्नामेंट में 9 मुकाबलों में से 6 में जीत हासिल की, 2 ड्रॉ रहे और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा

टूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश – गुकेश को टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पोलैंड के जान-क्रिस्टॉफ डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और भारत के प्रगनानंद को हराया।

गुकेश ने टूर्नामेंट के चौथे राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और पांचवें राउंड में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया था।

छठे राउंड में गुकेश का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हुआ, जिसमें भारतीय ग्रैंडमास्टर ने जीत हासिल की। गुकेश ने कार्लसन को एक महीने के अंदर दूसरी बार हराया है। गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भी हराया था। ग्रेब सुपरयूनाइटेड टूर्नामेंट में गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया।

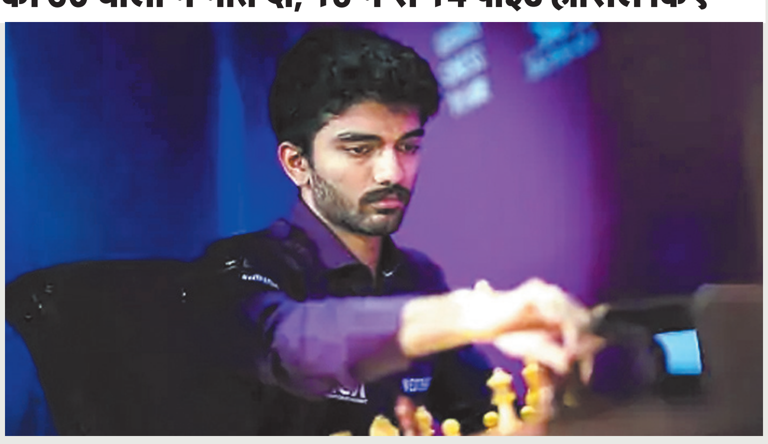

तीसरे दिन दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे – टूर्नामेंट के तीसरे दिन (4 जुलाई) गुकेश के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे। उनकी इस दिन की शुरुआत डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ के साथ हुई। उसके बाद क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों वाला लंबा मुकाबला खेला। यह मैच भी ड्रॉ रहा।

प्रगनानंद ने सिर्फ एक जीत हासिल की – इस टूर्नामेंट में प्रगनानंद का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने 9 मैचों में सिर्फ एक जीत इवान शारिक के खिलाफ दर्ज की। वहीं, 7 मुकाबले ड्रॉ खेले, जबकि एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कुल 9 अंक अर्जित किए। प्रगनानंद बुखारेस्ट फेज में विनर और वारसॉ में तीसरे स्थान पर रह चुके हैं। इससे वह ग्रैंड चेस टूर के ओवरऑल रैंकिंग में अब भी प्रबल दावेदार बने हुए हैं।

कार्लसन और डूडा किस पोजिशन पर रहे – मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट के आखिरी दिन (4 जुलाई) अमेरिकी प्लेयर फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत से शुरुआत की, लेकिन अगले गेम में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से ड्रॉ खेलकर वह गुकेश को चुनौती नहीं दे पाए। वहीं, डूडा, जिन्होंने पहले राउंड में गुकेश को हराया था, उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और दूसरे स्थान पर रहे।

अब टूर्नामेंट का ब्लिट्ज फेज खेला जाएगा – इस टूर्नामेंट का ब्लिट्ज चरण शनिवार से शुरू होगा और 6 जुलाई को खत्म होगा। रैपिड और ब्लिट्ज ङ्क दोनों फॉर्मेट से अर्जित अंकों के आधार पर ओवरऑल विनर का फैसला होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण
पटना, रविवार, 06 जुलाई, 2025

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

भाषा विवाद के बीच महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, 3 अक्तूबर को मनाएंगे मराठी दिवस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में हिंदी थोपे जाने के आरोपों के बीच चल रहे भाषा विवाद पर नया मोड़ आ गया है। प्राइमरी स्कूलों में हिंदी अनिवार्य करने के फैसले के बाद अब महाराष्ट्र सरकार ने 3 अक्तूबर को शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस मनाने का ऐलान किया है। शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए सरकार की तरफ से कहा गया कि 3 से लेकर 9 अक्तूबर तक पूरा सप्ताह शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से जारी आदेश में इस सप्ताह में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी गई। आदेश के मुताबिक पूरे हफ्ते शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह मनाने के बाद इसी संबंध में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन समारोहों का उद्देश्य मराठी के बारे में रिसर्च और जन जागरुकता को बढ़ाना और भाषा के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाना शामिल होगा। सरकार ने राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को मराठी भाषा जिला समिति के प्रमुख के रूप में नामित किया और इसके साथ ही इस पूरे सप्ताह के दौरान कार्यक्रमों की रूप रेखा बनाने का निर्देश दिया। आदेश में कहा गया है, ÷शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह के दौरान शास्त्रीय मराठी भाषा के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशालाएं और शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। शास्त्रीय मराठी ग्रंथों की प्रदर्शनी आयोजित की जानी चाहिए। साथ ही, ताम्रपत्र शिलालेखों/शिलालेखों की प्रदर्शनी आयोजित करके छात्रों और आम जनता को मराठी भाषा की शास्त्रीय साहित्यिक परंपरा से परिचित कराया जाना चाहिए।÷

कर्नाटक में पांच बाघों की मौत : मंत्री ने दो अधिकारियों को किया निलंबित

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने माले महादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों में पांच बाघों की अप्राकृतिक मौत के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने इस मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्याम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत पाए गए थे। खांडरे ने चक्रपाणि के आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खांडरे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया।घटना की जांच के लिए इस समिति का गठन किया गया था। मंत्री ने समिति को 10 जुलाई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। खांडरे के कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, बाघों की अप्राकृतिक मौत मामले में अधिकारियों की लापरवाही और कर्तव्यों का पालन ना करने के स्पष्ट सबूत हैं जिनके आधार पर मंत्री ने कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग से डीसीएफ वाई चक्रपाणि के निलंबन की सिफारिश की है। बयान में कहा गया है कि सहायक वन संरक्षक गजानन हेगड़े और संबंधित क्षेत्र के रेंज वन अधिकारी मदेश को निलंबित कर दिया गया है क्योंकि वे गश्ती कर्मचारियों की प्रभावी निगरानी करने में विफल रहे और वन संरक्षण के अपने मौलिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में घोर लापरवाही बरती।

तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

शामली , एजेंसी। शामली थानाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि वेदखेड़ी मोड़ के निकट यह दुर्घटना हुई और मृतकों की पहचान कौसर (40) व फरमान (छह) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

आईपीएस अफसरों के साथ फोटो, राजस्थान पुलिस वर्दी में ट्रेनिंग, 2 साल तक फर्जी एसआई बनी रही मोना

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान की राजधानी जयपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें शास्त्री नगर थाना पुलिस ने एक महिला को फर्जी सब-इंस्पेक्टर (एसआई) बनकर पुलिस महकमे और आम लोगों को दो साल तक गुमराह करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान मोना बुगालिया उर्फ मूली देवी (28) के रूप में हुई है, जो नागौर जिले के नीम्या का बास गांव की रहने वाली है। खास बात यह है कि मोना न केवल खुद को एसआई बताकर राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में ट्रेनिंग ले रही थी, बल्कि उसने पुलिस की वर्दी पहनकर कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तस्वीरें भी खिंचवा लीं और सोशल मीडिया पर उन्हें पोस्ट कर अपनी फर्जी पहचान को मजबूत किया।

पुलिस के अनुसार, मोना बुगालिया ने वर्ष 2021 में सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा दी थी, लेकिन चयन नहीं हो सका। इसके बावजूद उसने सोशल मीडिया पर खुद को चयनित बताकर फर्जी खबरें फैलाना शुरू कर दिया। इसके बाद वह आरपीए में ट्रेनिंग लेने पहुंच गई। उसने न केवल वर्दी में तस्वीरें खिंचवाईं बल्कि अधिकारियों के बीच उठना-बैठना शुरू कर दिया, जिससे कोई उस पर शक न कर सके।

मोना की असलियत तब सामने आई जब वह एक एसआई के व्हाट्सऐप ग्रुप में शामिल हुई और वहां एक साथी को धमकी दे डाली। पीड़ित ने यह बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई। इसके बाद जब पुलिस अकादमी में जांच हुई तो पता चला कि मोना का नाम किसी भी ट्रेनिंग बैच में शामिल नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2023 में आरपीए की ओर से शास्त्री नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। एफआईआर के बाद पुलिस ने मोना के जयपुर स्थित किराए के मकान पर दबिश दी, जहां से पुलिस की वर्दी, बेल्ट, बैच, और फर्जी आईडी कार्ड जब्त किए गए। लेकिन तब तक मोना फरार हो चुकी थी। वह दो साल तक लगातार पुलिस को चकमा देती रही। इस दौरान उसने अपने रहने का ठिकाना बदल लिया और सीकर में कोचिंग छात्रा बनकर रह रही थी।

शास्त्री नगर थाना एसएचओ महेंद्र यादव ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने सीकर में एक कोचिंग संस्थान के पास से मोना को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के वक्त वह खुद को छात्रा बताने की कोशिश कर रही थी, लेकिन पुलिस पहले ही उसकी पहचान पुख्ता कर चुकी थी।

पुलिस का कहना है कि मोना ने आरपीए में रहते हुए पुलिसिंग के कई गुर सीख लिए थे। वह मुख्य गेट से कभी प्रवेश नहीं करती थी, क्योंकि वहां आईडी जांच होती थी। वह अक्सर अधिकारियों और उनके परिजनों के लिए बने वैकल्पिक गेट से आती-जाती थी, जिससे संदेह न हो।

पुलिस अब इस बात की जांच में जुट गई है कि आखिर मोना आरपीए में कैसे घुसी? क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति की मिलीभगत थी या उसने यह सब खुद से ही किया? पुलिस का मानना है कि इतनी बड़ी फर्जीवाड़े की योजना अकेले अंजाम देना मुश्किल है, इसलिए उसके संपर्कों और कॉल डिटेल्स की जांच की जा रही है।

फिलहाल मोना से पूछताछ की जा रही है और जल्द ही उससे जुड़े अन्य लोगों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। यह मामला न केवल पुलिस महकमे की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि फर्जी पहचान बनाकर लोग कैसे तंत्र को गुमराह कर सकते हैं।

दिल्ली-आगरा हाईवे पर बघौला पुल के पास जाम खत्म करने का नया प्लान तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर निर्माणधीन बघौला पुल के पास रोजाना लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए प्रशासन ठोस कदम उठाने जा रहा है। यहां भारी और हल्के वाहनों के लिए अलग-अलग लेन बनाने की तैयारी है, ताकि लोगों को जाम से मुक्ति मिल सके। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने मौका मुआयना करने के बाद यह जानकारी दी।

उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने गुरुवार को एनएच-2 पर बघौला गांव के पास निर्माणाधीन पुल क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गांव का गंदा पानी सड़क पर न आए, जिससे रास्ता खराब न हो और जाम की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि गड्ढों में भरे पानी के कारण भी परेशानी बढ़ जाती है, ऐसे में नाले की उचित सफाई और पानी रोकने की पुख्ता व्यवस्था जरूरी है। जनस्वास्थ्य, पंचायती राज और पुलिस विभाग आपसी तालमेल के साथ समाधान करें। जनस्वास्थ्य विभाग व पंचायत विभाग को कहा गया कि वे गांव के पानी की निकासी की तुरंत व्यवस्था करें। एनएचएआई के परियोजना निदेशक से सड़क निर्माण की प्रोजेक्ट रिपोर्ट जल्द भेजने और तय समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए। बघौला गांव में बनने वाले इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य वर्ष 2023 के जून माह में शुरू हुआ था। उस वक्त इस फ्लाईओवर का कार्य 15 माह में पूरा करना तय हुआ था। लेकिन,निर्माण कार्य के बीच में बघौला गांव के लोगों ने देवली मोड़ पर अंडरपास बनाने की मांग को लेकर फ्लाईओवर के निर्माण का विरोध शुरू कर दिया। इस वजह से इसका निर्माण कार्य ठप हो गया। देवली मोड़ पर अंडरपास के निर्माण की मंजूरी मिलने में देरी के कारण भी इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य तय अवधि में पूरा नहीं हो सका।

गाजियाबाद में 11 से 25 जुलाई तक किन वाहनों पर रोक

गाजियाबाद , एजेंसी।
कांवड़ यात्रा के मद्देनजर 11 जुलाई की रात 10 बजे से ट्रक, बस, कैंटर, ट्रैक्टर आदि भारी वाहन गाजियाबाद में प्रतिबंधित हो जाएंगे। गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने शुक्रवार को डायवर्जन प्लान जारी कर दिया, जो कि 25 जुलाई की रात 8 बजे तक जारी रहेगा।

एडीसीपी ट्रैफिक पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि संपर्क मार्गों से भी भारी वाहन शहर में नहीं आ सकेंगे। गंगनहर पटरी, कांवड़ मार्ग, पाइपलाइन मार्ग, दिल्ली-मेरठ मार्ग और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भी भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। कांवड़ यात्रा के दौरान डायवर्जन प्लान का कड़ाई से अनुपालन कराने के संबंध में एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने शुक्रवार को पुलिस लाइन के परमजीत सभागार में सभी ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

इसमें एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन अहमद, सभी यातायात निरीक्षक और ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। एडीसीपी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर डायवर्जन व्यवस्था में कभी भी संशोधन किया जा सकता है। मुख्य कांवड़ मार्ग के साथ-साथ दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को आकस्मिक मार्ग या रूट के रूप में कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। साथ ही आवश्यक वस्तुओं को लाने-ले जाने वाले वाहनों को कांवड़ियों की संख्या के हिसाब से सशर्त अनुमति दी जाएगी। दिल्ली की तरफ से आने वाले वाहन तुलसी निकेतन बॉर्डर, सीमापुरी बॉर्डर, आनंद विहार बॉर्डर से शहर में नहीं आ सकेंगे। सभी वाहन चौधरी चरण सिंह मार्ग (सड़क संख्या-96) का प्रयोग कर यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) से एनएच-नौ का प्रयोग कर अपने गंतव्यों को जाएंगे। दिल्ली की तरफ से हरिद्वार, अमरोहा मुरादाबाद, लखनऊ आदि स्थानों पर जाने वाले वाहन यूपी गेट (गाजीपुर बॉर्डर) से एनएच-नौ का प्रयोग करते हुए डासना इंटरसेक्शन से इस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से अपने गंतव्य को जाएंगे। बागपत की तरफ से दिल्ली की तरफ जाने वाहन ट्रोनिका सिटी, सोनिया विहार होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।

हापुड़, बुलंदशहर की तरफ से आने वाले वाहन डासना पुल से सीधे गाजियाबाद शहर में नहीं आ सकेंगे। यह वाहन एनएच-नौ का इस्तेमाल कर करते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। बुलंदशहर और हापुड़ की तरफ से आने वाले वाहन लालकुआं से गाजियाबाद शहर में नहीं आ सकेंगे। यह वाहन एनएच-नौ का इस्तेमाल कर अपने गंतव्य को जा सकेंगे। दिल्ली, हापुड़, लालकुआं की ओर से आने वाले वाहन आत्माराम स्टील प्लांट तिराहा से शहर की और न आकर एनएच-नौ का इस्तेमाल कर अपने गंतव्य को जाएंगे। लोनी बॉर्डर से लोनी कस्बे की तरफ भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। संतोष मेडिकल कट से मेरठ तिराहा की ओर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। गौर ग्रीन, खोड़ा, मकनपुर, काला पत्थर, सेक्टर-62, छिजारसी, कनावनी पुस्ता से एनएच-नौ होते हुए इंदिरापुरम क्षेत्र में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। 10. गंगनहर पटरी, कांवड़ मार्ग, पाइपलाइन मार्ग, दिल्ली-मेरठ मार्ग और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

11. हापुड़, भोजपुर से आने वाले वाहन मोदीनगर की तरफ प्रतिबंधित रहेंगे।

पलवल सीएमओ 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार, अस्पताल संचालकों को धमकाकर मांगी राशि

पलवल, एजेंसी। गुरुग्राम एसीबी (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) की एक टीम ने निजी अस्पताल संचालकों से एक लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में पलवल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जय भगवान को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी सीएमओ ने एक निजी अस्पताल को बंद करने की धमकी देकर उसके तीन साझेदारों (पार्टनर) से 15 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। जिसकी किस्त लेने के दौरान ही वह पकड़ा गया। आरोपी सीएमओ के खिलाफ थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और बीएनएस की धारा 308 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल संचालक आरोपी सीएमओ को दो किस्तों में सात लाख रुपए दे चुके थे, हालांकि वह बाकी बची राशि देने के लिए भी अस्पताल संचालकों पर दबाव बना रहा था, जिससे परेशान होने के बाद उन्होंने गुरुग्राम एसीबी से इसकी शिकायत कर दी। जिसके बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए उसे रंगेहाथों पकड़ लिया। इसके बाद सीएमओ के घर की तलाशी लेने पर टीम ने उसके घर की अलमारी से कथित तौर पर तीन लाख रुपए भी बरामद किए। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित मनोहर ने इस बारे में एसीबी के पास शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने बताया था कि वह पलवल निवासी अपने दो साझेदारों धीरज और सुभाष के साथ मिलकर सनराइज ट्रॉमा अस्पताल चलाता है। जिसे उसने करीब तीन महीने पहले पलवल में खोला था, लेकिन सीएमओ बार-बार उसके कामकाज में खामियों का हवाला देकर उसके अस्पताल को बंद करने की धमकी दे रहा था। इसके बाद एक दिन सीएमओ ने मुझसे कहा कि अगर मुझे अस्पताल चलाना है तो इसके लिए मुझे 15 लाख रुपए देने होंगे। साथ ही मेरा भरोसा जीतने के लिए सीएमओ ने यह भी कहा कि उसे भी यह पैसा आगे तक पहुंचाना रहता है। करीब 20 दिन पहले मैं सीएमओ डॉ. जय भगवान के घर गया और उन्हें 6 लाख रुपए दे दिए। इसके बाद 2 जुलाई को एकबार फिर से उन्हें 1 लाख रुपए नकद दिए।

पुतिन के हाइपरसोनिक मिसाइल हमले के बाद यूक्रेन का काउंटर अटैक

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस पर पलटवार करते हुए शनिवार (05 जुलाई, 2025) को उसके मिलिट्री एअरफील्ड पर हमला किया। इस बात की जानकारी यूक्रेन की सेना ने सोशल मीडिया के जरिए दी।

यूक्रेनी सेना ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के विशेष बलों ने शनिवार को वोरोनिश क्षेत्र में रूस के बोरिसोग्लबस्क सैन्य हवाई क्षेत्र पर हमला किया, जिसमें ग्लाइडर बम स्टोर और एक ट्रेनर एअरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। सेना ने आगे कहा कि अन्य विमानों पर भी हमला होने की संभावना है। हालांकि सेना ने इसकी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। बयान में कहा गया, यह हवाई क्षेत्र दुश्मन के स्ल्ल-34, स्ल्ल-35स और स्ल्ल-30स्रूविमानों का घरेलू बेस है। वहीं, रूस ने सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए ड्रोन और मिसाइलों से रात भर यूक्रेन को निशाना बनाया। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई और एक बच्चे समेत कम से कम 26 लोग घायल हुए। अधिकारियों ने बताया कि कीव में सात घंटे तक चली बमबारी से राजधानी के कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है। रात के समय आसमान में धमाकों की रोशनी फैल गई और हवाई हमले के सायरन की आवाजें पूरे शहर में गूंजने लगीं। आपातकालीन वाहनों की नीली रोशनी ऊंची इमारतों पर पड़ रही थी और मलबे ने शहर की सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था। हमले को लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा, यह एक कठोर और नींद रहित रात थी।

चैटजीपीटी ने दिखाया रास्ता... पलक झपकते ही बदल दी जिंदगी ! महिला ने चुकाया 20 लाख का लोन

वाशिंगटन एजेंसी।
आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ तकनीकी दुनिया में बदलाव नहीं ला रहा, बल्कि आम लोगों की ज़िंदगी में भी बड़ा फर्क डाल रहा है। अमेरिका की रहने वाली 35 साल की जेनिफर एलन इसकी एक सच्ची मिसाल हैं। उन्होंने एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से करीब 20 लाख रुपये (25,000 डॉलर से ज़्यादा) का क्रेडिट कार्ड कर्ज चुकाया।

जेनिफर पेशे से रियल एस्टेट एजेंट और साथ ही कंटेंट क्रिएटर भी हैं। आमदनी अच्छी थी, लेकिन फाइनेंशियल लिटरेसी यानी पैसों की समझ की कमी उन्हें धीरे-धीरे मुसीबत में ले आई। जब उनकी बेटी का जन्म हुआ, तो मेडिकल खर्च और बच्चों की ज़रूरतें बढ़ गईं।

ऐसे में उन्हें बार-बार क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ा। वे बताती हैं कि उन्होंने कोई फिजूलखर्ची नहीं की, सिर्फ ज़रूरी चीजों पर ही पैसे खर्च किए। लेकिन धीरे-धीरे कर्ज इतना बढ़ गया कि खुद भी डरने लगीं। एक दिन जब चैटजीपीटी की सलाह पर उन्होंने अपने पुराने ब्रोकरेज अकाउंट्स की जांच की, तो उन्हें हैरानी हुई। उन्हें वहां करीब 8.5 लाख रुपये (10,000 डॉलर से ज़्यादा) की रकम मिली जो उन्होंने पहले कभी निवेश की थी लेकिन भूल चुकी थीं। दूसरी तरफ, किराने के खर्च पर नियंत्रण रखकर उन्होंने 50 हजार रुपये से ज़्यादा की बचत भी की। इस तरह, सिर्फ 30 दिनों में वे करीब 10.3 लाख रुपये का कर्ज चुका सकीं, जो उनके कुल कर्ज का लगभग आधा था। जेनिफर कहती हैं, ये किसी जादू की तरह नहीं था। मैंने रोज़ अपने हालात का सामना किया, अपनी गलतियों को समझा और उन्हें सुधारने की कोशिश की। मैंने पैसों से डरना छोड़ दिया।

पंजाब पुलिस ने नार्को-हथियार, नार्को-हवाला मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, नौ लोग गिरफ्तार

लुधियाना, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय नार्को–हथियार मॉड्यूल और एक अंतरराज्यीय हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ कर कर्नाटक के दो निवासियों समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने उनके पास से 1.15 किलोग्राम हेरोइन, पांच अत्याधुनिक पिस्तौल और 9.7 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे तस्करी मॉड्यूल का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है। प्रथम अभियान का विवरण साझा करते हुए अमृतसर के पुलिस आयुक्त (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि एक खुफिया अभियान में, पुलिस दलों ने नार्को–हथियार मॉड्यूल में शामिल तीन लोगों जसप्रीत, हरप्रीत और तेजबीर को गिरफ्तार किया और उनके पास से तीन 9 एमएम पिस्तौल, दो प्वाइंट 30 बोर चीनी पिस्तौल समेत पांच अत्याधुनिक पिस्तौल और कारतूस बरामद की। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जसप्रीत और हरप्रीत हाल में मलेशिया से लौटे थे और मलेशिया तथा पाकिस्तान में अपने आकाओं के संपर्क में थे।

माली बना आतंकियों का गढ़, अपहरण-फिरौती से होती है हजारों-करोड़ों की कमाई; कौन-सा ग्रुप है सक्रिय

बामाको एजेंसी।
पिछले दिनों माली में तीन भारतीय नागरिकों का आतंकी संगठन ने अपहरण कर लिया। भारत सरकार ने इस घटना को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की और माली सरकार से तुरंत और सुरक्षित रिहाई के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा था। माली में आतंकवाद अपने चरम पर है। पश्चिमी अफ्रीका का एक संकटग्रस्त देश माली इस वक्त इस्लामी आतंकवाद की गिरफ्त में है। अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन और इस्लामिक स्टेट साहेल प्रांत ने देश में असुरक्षा का माहौल बना दिया है।

कैसे होती है कमाई?: इन आतंकी संगठनों ने अपहरण और फिरौती को अपनी मुख्य रणनीति का हिस्सा बना लिया है, जिससे माली धीरे-धीरे इस तरह के अपराध का वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है। साल 2024 में माली में अपहरण की कई घटनाएं सामने आईं। जनवरी में सेगू क्षेत्र के तीलान गांव से दो ग्रामीण अध्यापकों को अगवा कर गांव को जला दिया गया था। हालांकि, 6 दिनों के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था।

अपहरण-फिरौती से होती है ज्यादा कमाई

फिर दिसंबर में फराबूगू क्षेत्र में नागरिकों के अपहरण की पुष्टि हुई थी। हाल ही में कायेस क्षेत्र से तीन भारतीयों का अपहरण किया गया, जो इस चुनौती को और गहरा करता है।

2017 से लेकर 2023 के बीच, इस समूह ने माली, बुर्कीना फासो, नाइजर में करीब 1100 अपहरणों में से 845 की जिम्मेदारी ली। 2017 में जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (का सलाना राजस्व 149 करोड़ से 290 करोड़ के बीच था। इस राजस्व में लगभग 40त्न आय अपहरण और फिरौती से मिला। विशेषज्ञों के अनुसार, लोगों का अपहरण कर आतंकी संगठनों को सलाना लाखों डॉलर की कमाई होती है, जिससे वो इन पैसों का इस्तेमाल हथियार खरीदने और अपने

गुट में लोगों को भर्ती करने में करते हैं।

माली में भारतीयों को अगवा करने वाला आतंकी संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (पांच देशों में सक्रिय है और यह अलकायदा का सबसे घातक विंग है।

जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (बीते पांच सालों में सबसे सक्रिय और खतरनाक आतंकी संगठन बन चुका है।

इसकी स्थापना मार्च 2017 में अंसार दीन, एक्यूआईएम (सहारा शाखा), अल-मुराबितुन और कातिबा मकीना जैसे आतंकी समूहों के विलय से हुई थी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129